जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 7 फरवरी, 2026

सोना, चांदी और मार्केट ऊपर नीचे हो सकता है

पर सेजस्थान में कोठी की रेट हमेशा ऊपर ही जाएगी।

पत्रिका
सबसे बड़ी गिरावट
चांदी क्रैश... एक दिन में ₹1,08,000 गिरी
ऑल-टाइम हाई से 1.28 लाख रुपए लुढ़की चांदी

KEDIA
सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

कोठी	वॉक-अप अपार्टमेंट
₹4700/ Sq Ft से शुरू	₹4000/ Sq Ft से शुरू

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.21 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.51 CRORE	50,000

पजेशन शुरू
अब हर महीने रेट और बढ़ेगी

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

बच्चों को पालना, उन्हें अच्छे व्यवहार की शिक्षा देना भी सेवाकार्य है, क्योंकि यह उनका जीवन सुखी बनाता है। –स्वामी रामसुखदास

शिक्षा का बदलता स्वरूप: राजस्थान में चुनौतियां और संरक्षण के सरकारी उपाय

शिक्षा मानव सभ्यता का मूल आधार है। यह व्यक्ति को ज्ञान, कौशल और मूल्यों से सुसज्जित कर समाज को प्रगति के पथ पर अग्रसर करती है। आजादी के बाद से भारत में शिक्षा का स्वरूप निरंतर विकसित हो रहा है, लेकिन डिजिटल युग ने इसे अभूतपूर्व गति प्रदान की है। कोविड–19 महामारी ने पारंपरिक कक्षा–कक्ष शिक्षा को ऑनलाइन मोड में धकेल दिया, जिससे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, एआई आधारित लर्निंग ऐप्स और वर्चुअल क्लासरूम मुख्यधारा बन गए। राजस्थान जैसे विविधतापूर्ण राज्य में यह परिवर्तन राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप तेजी से घटित हो रहा है। राज्य सरकार ने डिजिटल डिवाइड, गुणवत्ता ह्रास और सांस्कृतिक क्षय जैसी चुनौतियों से निपटने हेतु बहुआयामी संरक्षण उपाय अपनाए हैं।

शिक्षा का परंपरागत स्वरूप गुरुकुल परंपरा पर आधारित था, जहाँ गुरु–शिष्य संबंध के माध्यम से समग्र विकास होता था। औद्योगिक क्रांति और वैश्वीकरण ने इसे औपचारिक स्कूलों तक सीमित कर दिया। अब 21वीं सदी में प्रौद्योगिकी ने इसे क्रांतिकारी रूप प्रदान किया है। स्मार्टफोन्स, लैपटॉप और हाई–स्पीड इंटरनेट ने शिक्षा को सीमाहीन बना दिया। एनईपी 2020 ने इसे पुष्ट किया, जिसमें 5 3 3 4 की नई संरचना अपनाई गई–फाउंडेशन (3–8 वर्ष), प्रिपरेटरी (8–11), मिडिल (11–14) तथा सेकेंडरी (14–18)। बहुभाषिकता, कौशल विकास और भारतीय ज्ञान प्रणाली पर जोर दिया गया। डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में स्वयं, एनपीटीईएल, ई–पाठशाला जैसे पोर्टल्स लाखों छात्रों को जोड़ रहे हैं। एआई आधारित प्लेटफॉर्म्स जैसे बायजूज, अनएकेडमी छात्र की गति अनुसार पाठ्यक्रम ढालते हैं। वर्चुअल रियलिटी (वीआर) से छात्र ताजमहल के अंदर भ्रमण कर वास्तुकला सीख सकते हैं। उदाहरणस्वरूप, 2025 में राजस्थान के एक सरकारी स्कूल में वीआर के माध्यम से उदयपुर के झील महल का डिजिटल दौरा कराया गया, जिससे छात्रों की रुचि दोगुनी हो गई। ये नवाचार शिक्षा को रोचक और सुलभ बना रहे हैं।

राजस्थान में यह परिवर्तन स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप ढल रहा है। राज्य में 1.07 लाख से अधिक स्कूल हैं, जहां 7.75 लाख शिक्षक कार्यरत हैं। 2023–24 से विश्वविद्यालय स्तर पर एनईपी लागू हो चुकी है। स्कूली स्तर पर चरणबद्ध क्रियान्वयन जारी है–2025–26 से कक्षा 1–5 में नया सिलेबस शुरू हुआ, जिसमें उदयपुर द्वारा तैयार भारतीय संस्कृति, इतिहास और व्यावहारिक ज्ञान शामिल है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जुलाई 2025 से प्राथमिक स्तर पर बड़े बदलाव की घोषणा की। एनसीईआरटी, एनसीएफ 2023 और राज्य पाठ्यचर्या रूपरेखा के अनुरूप वीर योद्धाओं, राजस्थान भूगोल, लोक संस्कृति को पाठ्यक्रम में स्थान मिला। डिजिटल इंडिया के तहत भारत नेट परियोजना ने ग्रामीण पंचायतों को ब्रॉडबैंड से जोड़ा है। पीएम ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजीडीआईएसए) ने 6 करोड़ से अधिक लोगों को साक्षर बनाया, जिसमें राजस्थान का बड़ा हिस्सा शामिल है। 2026 तक राज्य में 90 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में हाई–स्पीड इंटरनेट पहुंच गया, जिससे 50 लाख छात्र लाभान्वित हुए।

> **शिक्षा का बदलता स्वरूप अवसर है, लेकिन असंतुलित हो तो विनाशकारी भी साबित हो सकता है। राजस्थान सरकार के उपाय एनईपी चरणबद्ध क्रियान्वयन, सिलेबस संशोधन, सांस्कृतिक एकीकरण प्रेरक हैं। समग्र शिक्षा, डिजिटल पहलें मील का पत्थर साबित हो रही हैं। समाज, शिक्षक, अभिभावक, नीति-निर्माता मिलकर प्रयास करें। राजस्थानी धरोहर सहेजें, आधुनिकता अपनाएँ। युवा सशक्त हों, राज्य प्रगति करे। विश्व गुरु भारत का स्वप्न साकार हो।**

हालांकि, बदलते स्वरूप ने गंभीर चुनौतियाँ उत्पन्न की हैं। प्रथम, डिजिटल डिवाइड। राजस्थान के रेगिस्तानी जिलों–जैसलमेर, बाड़मेर में इंटरनेट पहुंच अभी भी सीमित है। यूनेस्को के अनुसार, भारत के 25 करोड़ छात्रों में 30 प्रतिशत डिजिटल वंचित हैं; राजस्थान में यह आंकड़ा 35 प्रतिशत से अधिक है। शहरी छात्र हाई–स्पीड नेट और डिवाइस से लैस हैं, जबकि ग्रामीण बच्चे किताबों तक सीमित रह जाते हैं। द्वितीय, गुणवत्ता ह्रास। ऑनलाइन शिक्षा में एकाग्रता की कमी से लर्निंग आउटकम घटे हैं। लंबे स्क्रीन टाइम से नेत्र समस्या, तनाव बढ़ा। राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) 2021 के आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान के ग्रामीण छात्रों का गणितीय प्रदर्शन 15 प्रतिशत गिरा। तृतीय, सांस्कृतिक क्षय। पश्चिमी एडटेक ऐप्स से राजस्थानी लोकगीत, कठपुतली, भोपाओं की परंपरा प्रभावित हो रही है। गुरु–शिष्य संबंध कमजोर पड़ गया। चतुर्थ, निजीकरण। कोचिंग संस्थान और एडटेक कंपनियाँ बाजारीकरण कर रही हैं, जिससे गरीब वंचित रह रहे हैं। उदाहरणस्वरूप, जयपुर के कोटा जैसे शहरों में एडटेक फीस 20 प्रतिशत बढ़ी, जबकि ग्रामीण आय समान रही।

राजस्थान सरकार ने शिक्षा संरक्षण हेतु सक्रिय कदम उठाए हैं। समठा शिक्षा अभियान (2021–26) के तहत 2.15 लाख करोड़ का बजट है, जिसमें राज्य को पर्याप्त हिस्सा मिला। स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल बोर्ड स्थापित हो रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने संभागीय कमेटियाँ गठित कीं, जो 186 स्कूलों का अपग्रेड सुनिश्चित कर रही हैं। 2026 तक 500 और स्कूल स्मार्ट बनेंगे। राजस्थानी भाषा प्रोत्साहन योजना से क्षेत्रीय भाषा, लोककथाएँ, लोकगीत पाठ्यक्रम में शामिल हैं। कला एवं हस्तशिल्प शिक्षा योजना स्कूलों में लोककलाएँ–कठपुतली, मांडणा, भोपा नृत्य सिखा रही है। एनईपी में भारतीय ज्ञान प्रणाली वेद, उपनिषद, योग, आयुर्वेद को स्थान दिया गया। डीआईईटी और डिजिटल आईसीटी शिक्षक प्रशिक्षण दे रहे हैं। नवोदय विद्यालयों का विस्तार मेधावी ग्रामीण छात्रों हेतु हो रहा है। पोर्टल से 25 प्रतिशत आरक्षण, छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जा रही हैं। बालिका शिक्षा फाउंडेशन से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को गति मिली। मिड–डे मील नामांकन बढ़ा रहा है। कोविड में डीआईएसएचए ने टीवी, रेडियो से 20 करोड़ छात्रों तक पहुँचा। एनएएस कमजोर क्षेत्र चिह्नित कर रहा है। जयपुर में पाठ्यक्रम समीक्षा समिति विश्वविद्यालय शिक्षाविदों संग कार्यरत है। बीकानेर के 15 स्कूल अपग्रेड हो चुके हैं। ये उपाय भाषाई विविधता मारवाड़ी, मेवाड़ी को सम्मान देते हैं।

सांस्कृतिक संरक्षण विशेष रूप से उल्लेखनीय है। राजस्थान सरकार ने स्थानीय परंपराओं को एनईपी से जोड़ा। स्कूलों में भजन संध्या, कवि सम्मेलन आयोजित हो रहे हैं। हस्तशिल्प से छात्र स्वरोजगार सीख रहे हैं। महिला साक्षरता हेतु विशेष अभियान चल रहे हैं। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों हेतु समावेशी शिक्षा लागू है। डिजिटल सुरक्षा हेतु साइबर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। समग्र शिक्षा से प्री–प्राइमरी तक एकीकरण हुआ। उदाहरणस्वरूप, जोधपुर के एक स्कूल में भोपा कलाकारों ने छात्रों को लोककथाएँ सिखाईं, जिससे सांस्कृतिक जुड़ाव 40 प्रतिशत बढ़ा। फिर भी कमियाँ बरकरार हैं। शिक्षा बजट जीडीपी का 6 प्रतिशत होना चाहिए, वर्तमान लगभग 4 प्रतिशत है। भ्रष्टाचार, क्रियान्वयन देरी बाधा बने हुए हैं। नामांकन ह्रास चिंताजनक है 2025 में प्राथमिक स्तर पर 5 प्रतिशत गिरावट दर्ज। रेगिस्तानी क्षेत्रों में इंटरनेट समस्या बनी हुई। निजीकरण नियंत्रण अपर्याप्त है। भविष्य हेतु एआई का नैतिक उपयोग आवश्यक सांस्कृतिक सामग्री युक्त ऐप्स विकसित करें। सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल अपनाएँ। शिक्षक भर्ती तेज करें। 2026 के राज्य बजट में 10,000 नई भर्तियाँ प्रस्तावित हैं।

शिक्षा का बदलता स्वरूप अवसर है, लेकिन असंतुलित हो तो विनाशकारी भी साबित हो सकता है। राजस्थान सरकार के उपाय एनईपी चरणबद्ध क्रियान्वयन, सिलेबस संशोधन, सांस्कृतिक एकीकरण प्रेरक हैं। समग्र शिक्षा, डिजिटल पहलें मील का पत्थर साबित हो रही हैं। समाज, शिक्षक, अभिभावक, नीति–निर्माता मिलकर प्रयास करें। राजस्थानी धरोहर सहेजें, आधुनिकता अपनाएँ। युवा सशक्त हों, राज्य प्रगति करे। विश्व गुरु भारत का स्वप्न साकार हो। सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े आधुनिक नागरिक गढ़ें। संरक्षण ही प्रगति का आधार है।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

दो वर्ष बनाम पांच वर्ष : राजस्थान में सुशासन, गति और विश्वास का नया अध्याय

यदि दावे के स्तर पर नहीं, बल्कि आंकड़ों की कसौटी पर परखा जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि राजस्थान में शासन की शैली और प्राथमिकताओं में बड़ा बदलाव आया है

मदन राठौड़

राजस्थान की राजनीति और प्रशासनिक इतिहास में यह पहला अवसर है, जब कोई सरकार अपने कार्यकाल के मात्र दो वर्षों में न केवल अपने कामकाज का आंकड़ों सहित रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करे, बल्कि उसे पूर्ववर्ती सरकार के पूरे पाँच वर्षों से तुलनात्मक रूप से बेहतर सिद्ध करने का दावा भी आत्मविश्वास के साथ रखे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान प्रस्तुत किया गया दो वर्षों की उपलब्धियों का दस्तावेज़ इसी आत्मविश्वास का प्रतिफल है।

यह दस्तावेज़ केवल राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि प्रशासनिक दक्षता, वित्तीय अनुशासन और विकास की स्पष्ट दिशा का संकेत देता है। मुख्यमंत्री का यह कथन कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के पाँच वर्षों से अधिक कार्य हमारी सरकार ने दो वर्षों में किए हैं, यदि दावे के स्तर पर नहीं, बल्कि आंकड़ों की कसौटी पर परखा जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि राजस्थान में शासन की शैली और प्राथमिकताओं में बड़ा बदलाव आया है।

पूर्ववर्ती सरकार के समय प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर वित्तीय कुप्रबंधन का गहरा प्रभाव पड़ा। 5 लाख 79 हजार 781 करोड़ रुपये का कर्ज, खाली खजाना और अधूरी योजनाओ की विरासत नई सरकार को मिली। इसके विपरीत, वर्तमान सरकार ने केवल दो वर्षों में राजस्व घाटे को करीब 8 हजार करोड़ रुपये तक कम कर दिया। वर्ष 2023–24 में 38 हजार 954 करोड़ रुपये के राजस्व घाटे को 2025–26 के बजट अनुमानों में 31 हजार 9 करोड़ रुपये तक लाना वित्तीय अनुशासन का स्पष्ट संकेत है। भारत सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण 2025–26 में राजस्थान के आर्थिक प्रबंधन, सामाजिक क्षेत्र में नवाचार और प्रशासनिक सुधारों की विशेष सराहना इस बात की पुष्टि करती है कि राज्य की अर्थव्यवस्था को केवल स्थिरता ही नहीं, बल्कि गति और दिशा भी मिली है।

केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और राज्य में भजनलाल शर्मा की सरकार के कारण डबल इंजन की अवधारणा धरातल पर साकार होती दिखी है। जहां पूर्ववर्ती सरकार को चार वर्षों में 15,803 करोड़ रुपये की पूंजीगत निवेश सहायता मिली, वहीं वर्तमान सरकार मात्र दो वर्षों में 19 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सहायता केंद्र से प्राप्त कर चुकी है। वर्ष 2024–25 में 30 हजार 700 करोड़ रुपये से अधिक का पूंजीगत व्यय अब तक का सर्वाधिक है। केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के रूप में इस वर्ष राजस्थान को 90 हजार 445 करोड़ रुपये प्राप्त होना भी इस सहयोग का प्रतिफल है।

रामजल सेतु परियोजना के अंतर्गत नवनेरा बैराज और ईसरदा बांध में जल संग्रहण प्रारंभ होना, 26 हजार करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों का धरातल पर उतरना और यमुना जल समझौते की डीपीआर का अंतिम चरण राजस्थान के जल भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में निर्णायक कदम हैं।

जहां पिछली सरकार ने पाँच वर्षों में 52,182 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा दी, वहीं वर्तमान सरकार ने दो वर्षों में ही 99,562 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई। यह अंतर केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि नीति और क्रियान्वयन की गति का भी है। कृषि क्षेत्र में किसान सम्मान निधि को दो वर्षों में डेढ़ गुना करना और 10,508 करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में हस्तांतरित करना सरकार की प्राथमिकता को दर्शाता है। 48,325 करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त फसली ऋण, 73 लाख से अधिक फसल बीमा पॉलिसियां और 6,415 करोड़ रुपये का क्लेम वितरण जैसे कदम किसानों के आर्थिक संबल को मजबूत करते हैं।

22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली, 2 लाख से अधिक नए कृषि कनेक्शन और 48,591 करोड़ रुपये की बिजली सब्सिडी मिलकर ठाामीण अर्थव्यवस्था को ऊर्जा प्रदान करता है।

युवाओं के लिए सबसे बड़ा संदेश पेपरलीक जैसे मामलों पर सरकार की सख्ती है। 140 एफआईआर और 428 से अधिक अपराधियों को जेल भेजना केवल कार्रवाई नहीं, बल्कि भरोसे की बहाली है। अब तक 1 लाख से अधिक नियुक्तियां, 1 लाख 55 हजार से अधिक भर्तियां प्रक्रियाधीन और निजी क्षेत्र में 2 लाख से अधिक रोजगार अवसर यह दर्शाता है कि सरकार रोजगार को घोषणाओं से निकालकर धरातल पर ला रही है।

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार अपराधों में 14.13 प्रतिशत की कमी, एससी–एसटी अत्याचारों में 28 प्रतिशत और महिला अपराधों में 10 प्रतिशत की गिरावट, ये आंकड़े कानून–व्यवस्था में सुधार की पुष्टि करते हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन में पूर्ववर्ती सरकार की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक भुगतान, एनएफएसए में 73 लाख से अधिक नए लाभार्थी, 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर से 1 करोड़ परिवारों को राहत जैसे सभी कदम सामाजिक न्याय के विस्तार को दर्शाते हैं।

स्वास्थ्य, ऊर्जा और औद्योगिक भविष्य

'मा योजना' के तहत 7,645 करोड़ रुपये का कैशलेस उपचार, 34 नई औद्योगिक नीतियां और 'राइजिंग राजस्थान' के माध्यम से 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू से स्पष्ट संकेत हैं कि प्रदेश औद्योगिक युग के नए चरण में प्रवेश कर चुका है।

सौर ऊर्जा में मात्र 25 महीनों में 19,209 मेगावाट की बढ़ोतरी, जबकि पिछली सरकार के पाँच वर्षों में यह आंकड़ा 14,878 मेगावाट था। यह अंतर नीति और निर्णय क्षमता को स्पष्ट करता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान ने दो वर्षों में जिस गति, पारदर्शिता और परिणामोन्मुखी शासन का अनुभव किया है, वह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि कार्य संस्कृति में बदलाव का संकेत है। सड़क, बिजली, पानी, कृषि, महिला सशक्तिकरण, युवा रोजगार और कानून–व्यवस्था हर क्षेत्र में आंकड़े बताते हैं कि दो वर्ष बनाम पाँच वर्ष की यह तुलना केवल राजनीतिक दावा नहीं, बल्कि प्रशासनिक उपलब्धि का ठोस प्रमाण है। आगामी तीन वर्षों में विकास की गति को और तेज करने का सरकार का संकल्प यदि इसी तरह आंकड़ों और परिणामों में बदलता रहा, तो राजस्थान का नाम देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित होना केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि स्वाभाविक परिणति होगी।

–मदन राठौड़,
सदस्य, राज्यसभा

–पुस्तक समीक्षा–

''सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि''

लेखक : वासुदेव देवनानी, विधानसभा अध्यक्ष, राजस्थान

'सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि' केवल एक राजनेता की जीवनी या विचार–संग्रह नहीं है, बल्कि यह भारतीय सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रबोध को समझने का एक वैचारिक प्रयास है। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इस पुस्तक के माध्यम से भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, चिंतन और कार्यों को सनातन संस्कृति की दृष्टि से देखने का सार्थक प्रयास किया है। यह कृति अटल जी के व्यक्तित्व को राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठाकर एक सांस्कृतिक और नैतिक प्रतिमान के रूप में स्थापित करती है।

पुस्तक का केंद्रीय भाव यह है कि अटल बिहारी वाजपेयी केवल एक कुशल राजनीतिज्ञ या प्रधानमंत्री नहीं थे, बल्कि वे भारतीय सनातन संस्कृति के जीवंत प्रतिनिधि थे। लेखक मानते हैं कि अटल जी की सोच, भाषा, व्यवहार और निर्णयों में भारतीय सभ्यता के शाश्वत मूल्य सहिष्णुता, समन्वय, मानवता, करुणा और राष्ट्रप्रेम स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। पुस्तक में यह स्थापित किया गया है कि अटलजी का राष्ट्रवाद आक्रामक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास से उपजा हुआ था।

वासुदेव देवनानी अपनी इस पुस्तक में सनातन संस्कृति की परिभाषा को संकीर्ण धार्मिक दायरे से बाहर निकालकर एक व्यापक जीवन–

वासुदेव देवनानी, विधानसभा अध्यक्ष, राजस्थान।

दर्शन के रूप में प्रस्तुत करते हैं। उनके अनुसार सनातन का अर्थ है जो शाश्वत है, जो समय के साथ बदलता नहीं, बल्कि समय को दिशा देता है। अटल बिहारी वाजपेयी इसी सनातन चेतना के वाहक थे। चाहे संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में दिया गया उनका ऐतिहासिक भाषण हो या विपक्ष में रहते हुए भी लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन–हर प्रसंग में लेखक सनातन मूल्यों की झलक दिखाते हैं।

पुस्तक की एक बड़ी विशेषता यह है कि इसमें अटल जी के प्रमुख राजनीतिक निर्णयों को सांस्कृतिक दृष्टि से समझने का प्रयास किया गया है। पोखरण परमाणु परीक्षण को केवल सामरिक निर्णय न मानकर लेखक उसे राष्ट्र की आत्मसम्मान और स्वाभिमान से जोड़ते हैं। इसी प्रकार, सड़क, संचार और आधारभूत ढांचे से जुड़ी योजनाओं को 'राष्ट्र निर्माण के यज्ञ' के रूप में देखा गया है। लेखक यह तर्क देते हैं कि अटल जी का विकास मॉडल केवल भौतिक उन्नति तक सीमित नहीं था, बल्कि वह सांस्कृतिक और मानवीय विकास को भी समान महत्व देता था।

शैली की दृष्टि से पुस्तक सरल, प्रवाहपूर्ण और प्रभावशाली है। भाषा न तो अत्यधिक दार्शनिक है और न ही शुष्क राजनीतिक। यही कारण है कि यह पुस्तक सामान्य पाठकों, विद्यार्थियों और युवा पीढ़ी के लिए भी सहज रूप से पठनीय बन जाती है। लेखक का अनुभव और वैचारिक स्पष्टता हर अध्याय में महसूस होती है। कई स्थानों पर अटल जी के विचार, कथन और घटनाएं पाठक को भावनात्मक रूप से भी जोड़ती हैं।

पुस्तक का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसमें अटल बिहारी वाजपेयी को एक आदर्श लोकतांत्रिक नेता के रूप में प्रस्तुत किया गया है। लेखक बताते हैं कि सत्ता में रहते हुए भी अटल जी ने कभी अहंकार को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। विरोधियों के प्रति सम्मान, संवाद की संस्कृति और संसदीय मर्यादाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आज के राजनीतिक परिदृश्य में और अधिक प्रासंगिक प्रतीत होती है।

पुस्तक अप्रत्यक्ष रूप से यह प्रश्न भी उठाती है कि क्या आज की राजनीति अटल जी के मूल्यों से कुछ सीख लेने को तैयार है? हालाँकि, पुस्तक का वैचारिक झुकाव स्पष्ट है और यह अटल जी के व्यक्तित्व का अत्यंत सकारात्मक चित्र प्रस्तुत करती है। आलोचनात्मक विश्लेषण की अपेक्षा करने वाले पाठकों को यह पक्ष थोड़ा सीमित लग सकता है। फिर भी, पुस्तक का उद्देश्य आलोचना नहीं, बल्कि प्रेरणा देना है–और इस कसौटी पर यह पूरी तरह सफल होती है।

निष्कर्ष रूप में 'सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि' एक प्रेरक, विचारोत्तेजक और समयानुकूल कृति है। यह पुस्तक अटल बिहारी वाजपेयी को समझने के साथ–साथ भारतीय संस्कृति और राष्ट्रिचंतन को भी गहराई से समझने का अवसर देती है। जो पाठक अटल जी के विचारों, सनातन संस्कृति के मूल्यों और भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को जानना चाहते हैं, उनके लिए यह पुस्तक अवश्य पठनीय है। यह केवल अटल जी को स्मरण करने की पुस्तक नहीं, बल्कि उनके विचारों को आत्मसात करने का आमंत्रण है।

(पुस्तक समीक्षक-गोपेन्द्र नाथ भट्ट स्वतन्त्र लेखक और सलाहकार विधानसभाध्यक्ष, राजस्थान है।)

जिला कलैक्टर ने ग्राम उत्थान शिविर का किया निरीक्षण

कलैक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि ग्रामीणों को केंद्र व राज्य सरकार की विकास योजनाओं की जानकारी प्रदान कर लाभांवित कराया जाए

अलवर, (निसं)। जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने उपखण्ड क्षेत्र राजगढ़ के गिरदारवर सर्किल ढिगावडा में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर का निरीक्षण कर विभिन्न विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किसानों को वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की।

जिला कलैक्टर ने शिविर में कृषि, पशुपालन, कॉपरेटिव, राजस्व, ऊर्जा, चिकित्सा विभाग सहित 12 विभागों की लगाई गई स्टालों का निरीक्षण कर शिविरि प्रभारी को निर्देश दिये कि आमजन के मूलभूत कार्यों को शिविर में ही सम्पादित करायें। उन्होंने निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाये कि किसी भी आवेदक को अनावश्यक परेशानी न हो। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि ग्रामीणों को केंद्र व राज्य सरकार की तारबंदी, डिग्गी, पाइपलाइन, फार्म पॉण्ड, फव्वारा एवं ड्रिप, प्लास्टिक मल्च, सौर पंप संयंत्र की स्वीकृतियां, बैलों से खेती करने पर 30 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि, फसल बीमा एवं एमएसपी की जानकारी, आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन, सॉइल हेल्थ कार्ड वितरण, सोलर पंप एवं पॉलीहाउस के आवेदन तैयार करने सहित बीज एवं मिनी किट वितरण का सत्यापन, पीएमएफएमई के आवेदन तैयार करना, मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना के आवेदनों का निस्तारण, मुख्यमंत्री किसान निधि का डीबीटी, किसान क्रेडिट कार्ड आवेदन, नवीन गोदाम निर्माण, डीसीएस द्वारा सहकारी बैंक में खाते, स्वयं सहायता समूहों के ऋण, 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना, सहकारिता सदस्यता आवेदन अभियान, सहकारी ऋण योजना की जानकारी एवं कस्टम हायरिंग सेंटर, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना अंतर्गत पंजीकरण, पशुओं की प्राथमिक चिकित्सा एवं कृमिनाशक औषधि पिलाना, क्लासिकल स्वाइन फीवर रोग प्रतिरोधक टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, फर्टिलिटी किट का वितरण, पशु आहार एवं खनिज मिश्रण वितरण तथा गौशाला विकास योजनाओं की जानकारी प्रदान कर लाभांवित कराया जाए। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि ग्राम उत्थान शिविरों में पहुंचकर योजनाओं का लाभ लें।

राशिफल

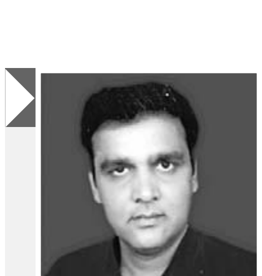

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 7 फरवरी, 2026

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, चित्रा नक्षत्र रात्रि 2:28 तक, शूल योग रात्रि 11:40 तक, गर करण दिन 2:07 तक, चन्द्रमा आज दिन 1:32 से तुला राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य–मकर, चन्द्रमा–कन्या, मंगल–मकर, बुध–कुम्भ, गुरू–मिथुन, शुक्र–कुम्भ, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 2:28 से सूर्योदय तक है। रवियोग रात्रि 2:28 से आरम्भ होगा। महापात योग रात्रि 9:37 से रात्रि 2:22 तक है। भद्रा रात्रि 2:55 से आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:35 से 9:57 तक, चर 12:41 से 2:03 तक, लाभ–अमृत 2:03 से 4:47 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:13, सूर्यास्त 6:09

मेष
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

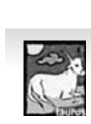

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मिथुन
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
परिवार शुभ–मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यक्तिगत प्रयासों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

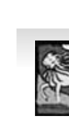

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

तुला
व्यावसायिक यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

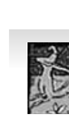

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

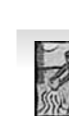

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

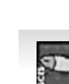

मीन
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 186 प्रभात जयपुर, शनिवार 7 फरवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

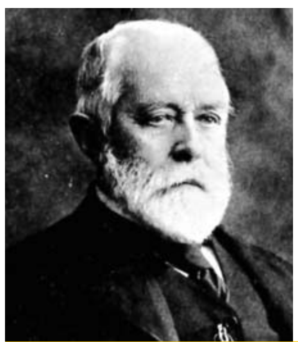

It's Madrasian Culture...

Robert Bruce Foote sent his collections to England for analysis and learnt that he had indeed found something unique: a highly skilled prehistoric society that once inhabited Madras! His findings were supportive of Darwin's theory

Crazy Things That Were Considered Normal

संसद में कांग्रेस की मुख्य रणनीतिकार के रूप में उभरीं प्रियंका

पहली बार संसद में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन बेहद असरदार नज़र आया

- सूत्रों ने बताया कि, कहाँ बैनर लगाने हैं, कौनसे नारे बोलने हैं, सब प्रियंका गांधी ने तय किया। यहाँ तक कि अब तक चुप रहने वाले सांसदों को बोलने का अवसर दिया गया।
- इसमें सबसे प्रभावी रूप से उभरे नागालैण्ड के एक सांसद, जिन्हें कोई नहीं जानता था, प्रियंका ने उन्हें किरेन रिजीजू को जवाब देने के लिए आगे किया था, उनका भाषण बहुत प्रभावी रहा।
- सूत्रों ने बताया, प्रियंका गांधी ने ही महिला सांसदों से, प्रधानमंत्री जहाँ बैठते हैं, उस जगह का घेराव करवाया और उनकी ही नीति थी कि कांग्रेस सांसद स्पीकर के कक्ष में जाकर जवाब मांगें। इस प्रभावी रणनीति की वजह से ही पहली बार प्रधानमंत्री लोकसभा में नहीं बोल पाए, उन्हें मजबूरन राज्यसभा में जवाब देना पड़ा।
- सूत्रों ने कहा कि प्रियंका गांधी ही राहुल को भूपिंदर हुड्डा के लंच कार्यक्रम में ले गईं, जो वे हर वर्ष मीडिया व विभिन्न नेताओं के लिए आयोजित करते हैं। इस कार्यक्रम में राहुल और प्रियंका आकर्षण का केन्द्र बने रहे।
- पर, इससे राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले उन नेताओं को अवश्य भारी ईर्ष्या हुई, जो अब तक संसद में पार्टी की गतिविधियों को मैनेज करते रहे हैं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। प्रियंका गांधी संसद में, खास तौर पर लोकसभा में, कांग्रेस पार्टी की नई ''पॉइन्ट्स पर्सन'' के रूप में उभरकर सामने आई हैं।

पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि नरेन्द्र मोदी और भाजपा के खिलाफ जो विरोध प्रदर्शन हाल के दिनों में देखने को मिले, वे पूरी तरह सुनियोजित और प्रभावी थे, और उनके पीछे मुख्य भूमिका प्रियंका गांधी की रही। बैनर कहां लगाए जाएं, नारे कैसे हों, अब तक चुप और हाशिये पर पड़े सांसदों को साथ लेना, महिला सांसदों को उस बैंच का घेराव करने भेजना, जहां प्रधानमंत्री बैठते हैं, जिसके चलते प्रधानमंत्री लोकसभा में जवाब नहीं दे पाए और उन्हें राज्यसभा में जाना पड़ा, और अंततः स्पीकर के कक्ष तक पहुंच जाना, जिससे वे असहज और शर्मिंदा नज़र आए-यह सब रणनीति का हिस्सा था।

नागालैंड के एक ऐसे सांसद, जिन्हें अब तक न तो खास जाना जाता था और न ही महत्व दिया गया था, ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को जोरदार जवाब दिया, और ऐसे कई अन्य उदाहरण सामने आए।

जहां राहुल गांधी सरकार पर लोकसभा में बोलने की अनुमति न मिलने को लेकर लगातार हमला बोलते

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असम के मु.मंत्री के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, शिक्षाविदों, डॉक्टरों, लेखकों और सेवानिवृत्त नौकरशाहों सहित, 40 से अधिक सूचित नागरिकों (इन्फॉर्म्ड सिटीज़न्स) ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय से असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा एक विशेष समुदाय के खिलाफ दिए गए

- 40 से ज्यादा प्रबुद्धजनों, जिनमें डॉक्टर, शिक्षाविद्, लेखक व पूर्व नौकरशाह शामिल हैं, ने हिमन्ता बिस्वा सरमा के खिलाफ अपील की है और हेट स्पीच के लिए स्वतः संज्ञान लेने की मांग की है।

हालिया बयानों पर स्वत: संज्ञान (सुओ मोटो) लेने का आग्रह किया है।

उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि ''संवैधानिक उल्लंघनों के खिलाफ चुप्पी या निष्क्रियता'' से ''स्वयं संविधान की नैतिक प्रामाणिकता क्षीण हो सकती है।

गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश अशुतोष कुमार को लिखे पत्र में नागरिकों ने उच्च न्यायालय का ध्यान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश के हालात पर कब तक तटस्थ रहेगा भारत?

बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ निरंतर बढ़ती हिंसा को लेकर भारत में यह सवाल पूछा जा रहा है

- चुनाव नज़दीक आने के साथ हिंसा और तेज हो गई है। पर, भारत ने अपने बॉर्डर सील कर रखे हैं, बांग्लादेशी हिंदुओं के पास बचने का कोई रास्ता नहीं बचा है।
- लेकिन मुद्दा यह है कि अगर ऐसे ही हिंसा बढ़ती रही तो भारत को अंततः बॉर्डर खोलना पड़ेगा, इससे भारत में भी नई समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। जैसे-जैसे बांग्लादेश में राष्ट्रीय चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, हिंसा बढ़ रही है, खासकर अल्पसंख्यकों पर हमले तेज हो गए हैं। देश की कुल आबादी का लगभग 8 प्रतिशत हिस्सा रखने वाले हिंदू लगातार बढ़ते हमलों का सामना कर रहे हैं।

भारत के लिए बांग्लादेश में बिगड़ती स्थिति गंभीर चिंता का कारण बन रही है, क्योंकि अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले भारत में भी तनावपूर्ण हालात पैदा कर रहे हैं। कई लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि बांग्लादेशी हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए भारत को सबसे अच्छा कदम क्या उठाना चाहिए।

अब तक भारत ने अपनी सीमाएं बंद रखी थीं और हमलों का शिकार कोई अल्पसंख्यक अपने उत्पीड़न से बच नहीं पाया था। अगर स्थिति और ज्यादा खराब होती है, तो भारत के लिए सीमाएं खोलना और पीड़ित अल्पसंख्यकों को पार आने देना अपरिहार्य हो सकता है।

ऐसी स्थिति पूर्वी भारत के राज्यों पर भारी दबाव डाल सकती है। जैसे-जैसे बांग्लादेश की हालत दिन-प्रतिदिन खराब हो रही है, भारत को, बढ़ते संकट को रोकने के लिए मामले को अपने हाथ में लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

देश कुल मिलाकर अनिश्चितता का सामना कर रहा है और प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता छोड़ने के बाद, सत्ता संभालने वाली अंतरिम सरकार शासन की ठीक व्यवस्था देने में बुरी तरह असफल रही है।

आज, शुक्रवार 6 फरवरी को, बांग्लादेश में सरकारी कर्मचारियों ने वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार वेतन संशोधन की मांग को लेकर बड़ा प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन हिंसक हो गया और भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस, साउंड ग्रेनेड और अन्य डराने वाले तरीकों का इस्तेमाल किया गया।

तथापि, गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बैरिकेड तोड़ दिए और अंतरिम सरकार के प्रमुख, मोहम्मद यूनुस के आवास के पास पहुंच गए। जब प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा घेरा तोड़ दिया, तो पुलिस ने उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी।

इस बीच, बांग्लादेश में 12 फरवरी को राष्ट्रीय चुनाव होने वाले हैं और इस्लामी संगठन किसी भी तरह सत्ता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। इस्लामी जमात पार्टी ज्यादा समर्थन पाने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रैपिड रेल के लिए देश भर में भारी रूझान

दिल्ली के बाद केरल में भी रैपिड रेल योजना को मंजूरी दी गई

- केरल सरकार ने तिरूवनन्तपुरम् और कासरगोड के बीच 583 किलोमीटर लम्बे रैपिड रेल कॉरिडोर को मंजूरी दी, जिसमें मौजूदा मैट्रो सिस्टम को भी जोड़ा जाएगा।
- दिल्ली में अभी नई दिल्ली और मेरठ को जोड़ने वाले रैपिड रेल कॉरिडोर का औपचारिक उद्घाटन होना बाकी है। पर, शहरी आवास एवं नगर विकास मंत्रालय ने दिल्ली-बावल के बीच 93 किलोमीटर के रैपिड रेल कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है।
- संसद में प्रस्तुत इकोनॉमिक सर्वे रिपोर्ट में 2900 किलोमीटर लम्बे रेल मार्ग पर रैपिड रेल कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव रखा गया है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। भले ही नई दिल्ली और मेरठ के बीच 82 किमी दूरी को जोड़ने वाली भारत की पहली रैपिड रेल का औपचारिक उद्घाटन होना अभी बाकी है, लेकिन यह अवधारणा राजनीतिक नेताओं और नीति-निर्माताओं का आकर्षण पैदा कर चुकी है। 29 जनवरी को मेट्रो और शहरी रेल परिवहन की नोडल एजेंसी, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने पहले चरण में 93 किमी लंबे दिल्ली-बावल रैपिड रेल ट्रांसपोर्ट सिस्टम को मंजूरी दी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 32,000 करोड़ रुपये है और इसमें 22 स्टेशन होंगे, जो मानेसर और बावल जैसे औद्योगिक केन्द्रों को सेवा देंगे। दूसरे चरण में बावल से बहरोड़ तक लाइन का विस्तार किया जाएगा। हरियाणा सरकार पहले ही दिल्ली-शाहजहांपुर-नीमराना-बहरोड़ और दिल्ली-पानीपत परियोजनाओं को मंजूरी दे चुकी है।

वामपंथी शासित केरल सरकार ने भी तिरुवनंतपुरम से कासरगोड को जोड़ने वाले 583 किमी लंबे आरआरटीएस कॉरिडोर के निर्माण की योजना को स्वीकृति दी है, जिसमें मौजूदा मेट्रो प्रणालियों के साथ एकीकरण की योजना है और चरणबद्ध

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रशांत किशोर की याचिका खारिज

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर द्वारा स्थापित जन सुराज पार्टी की उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि 2025 के बिहार

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, चुनाव हारने के बाद आप चुनाव को रद्द करवाना चाहते हैं, जब यह योजना चल रही थी, तब हमारे पास कोई नहीं आया, और वैसे भी आपको हाई कोर्ट जाना चाहिए।

विधानसभा चुनावों से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए एक राज्य कल्याण योजना का दुरुपयोग किया गया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश के लिए पदक जीत चुके पैरालंपिक खिलाड़ी निहाल सिंह को ढाई साल बाद भी नियुक्ति नहीं

राजस्थान सरकार के युवा मामलात एवं खेल विभाग ने उन्हें 29 सितंबर 2023 को ''असिस्टेंट एक्साइज़ ऑफिसर'' के पद पर नियुक्ति देने की घोषणा की थी

- हैरानी की बात यह है कि आबकारी विभाग ने पद नहीं होने का हवाला देकर निहाल सिंह को नौकरी देने से मना कर दिया।
- पिछले ढाई साल में सरकार और कोर्ट में लगातार चक्कर काटने के बावजूद पीड़ित को न्याय नहीं मिला, जबकि, हाई कोर्ट में भी कई बार सुनवाई हो चुकी है।
- निहाल सिंह का कहना है कि, राजस्थान सरकार ने पैरालंपिक खिलाड़ी, अवनी लेखरा, सुंदर गुर्जर और देवेन्द्र झांझड़िया को तो ''असिस्टेंट कन्ज़र्वेटर फॉरेस्ट'' के पद पर नियुक्तियां दे दीं, परंतु मेरे साथ भेदभाव किया जा रहा है।''

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 6 फरवरी। भारत की ओर से पेरिस पैरालंपिक गेम्स-2024 तथा एशियन पैरा गेम्स 2023 में भाग लेकर मैडल जीत चुके निहाल सिंह को राजस्थान सरकार ने ढाई साल बाद भी ''असिस्टेंट एक्साइज़ ऑफिसर'' के पद पर नियुक्ति नहीं दी है। जबकि खेल एवं युवा मामलात मंत्रालय ने उनकी नियुक्ति के लिए 29 सितंबर 2023 को ही आदेश जारी कर दिए थे। परंतु ढाई साल बाद भी राज्य सरकार के वित्त, आबकारी और अन्य संबंधित विभागों द्वारा इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गयी। ऐसे में अब निहाल सिंह ने राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इस प्रकरण में न्यायाधीश समीर जैन ने सुनवाई के बाद मामले की अगली तारीख 9 फरवरी तय की है। उन्होंने इस मामले को पूरक सूची (सप्लीमेंट्री लिस्ट) में सूचीबद्ध किया है, ताकि मामले की सुनवाई अवश्य हो।

इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता तनवीर अहमद पैरवी के लिए पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि निहाल सिंह, भारत की पैरालंपिक टीम के सदस्य हैं। उनकी टीम ने 20 से ज्यादा पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। वे खुद भी पेरिस पैरालंपिक गेम्स-2024 तथा एशियन पैरा गेम्स 2023 में भाग लेकर मैडल जीत चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि पर राजस्थान सरकार ने उन्हें ''ए-श्रेणी'' के खिलाड़ियों में दर्ज किया था। साथ ही गत 29 सितंबर 2023 को ''असिस्टेंट एक्साइज़ ऑफिसर'' के पद पर नियुक्ति देने की घोषणा की थी। परंतु 4 दिसंबर 2023 को ही अतिरिक्त आबकारी आयुक्त ने पद नहीं होने का हवाला देकर नियुक्ति देने से इनकार कर दिया। इसके बाद जब मामला विशेष योग्यजन आयुक्त के पास पहुंचा तो उन्होंने 12 नवंबर 2024 को आबकारी कमिश्नर को पत्र लिखकर इस संबंध में नियुक्ति की कार्रवाई करने के लिए कहा। परंतु

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसओजी ने पटवार परीक्षा के मूल अभ्यर्थी व उसके डमी को गिरफ्तार किया

जयपुर, 6 फरवरी। पटवारी भर्ती परीक्षा-2021 में फर्जीवाड़े के सम्बंध में एसओजी ने बड़ा खुलासा किया है। एसओजी ने धोखाधड़ी कर पटवारी बने

- वर्ष 2021 में डमी से परीक्षा दिलाकर गीतेश जादौन का फ़र्ज़ी तरीके से चयन हो गया और वह सरकारी सेवा में कार्यरत भी हो गया।

मूल अभ्यर्थी और उसके स्थान पर परीक्षा देने वाले डमी कैंडिडेट (फर्जी अभ्यर्थी), दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि वर्ष 2021 की पटवार भर्ती परीक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ में बदलाव अचानक नहीं हुआ

यह लम्बी चली बैक चैनल वार्ताओं, अहम् के टकराव, रणनीतिक तालमेल की कहानी है

- बाज़ार जिसे बड़ी सफलता बता रहे हैं, वह असल में खुले टकराव के बाद आई कूटनीतिक शांति का नतीजा है।
- भारत व अमेरिका के बीच पिछले साल भारी तनाव उत्पन्न हो गया था, जब डॉनल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत दंडात्मक टैरिफ लगाया था। उन्होंने भारत पर, बाज़ार, खासकर कृषि एवं डेयरी सैक्टर, नहीं खोलने व रूस से तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध को फंड देने का आरोप लगाया।
- पर, भारत ने इसके लिए टकराव के बजाय बातचीत से समाधान का रास्ता चुना, साथ ही यह संकेत भी दिया कि भारत किसी दबाव में नहीं आएगा। धीरे-धीरे भारत के रणनीतिक प्रयासों का असर दिखने लगा और ट्रंप का रूख नरम पड़ा और अंततोगत्वा उन्होंने 18 प्रतिशत टैरिफ के साथ ट्रेड डील घोषित कर दी।
- लेकिन ध्यान देने वाली महत्वपूर्ण बात यह है कि टैरिफ में बदलाव भारत की मंज़िल नहीं है, यह मंज़िल के रास्ते का एक पड़ाव अवश्य है, अभी एक लंबा रास्ता तय करना है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। भारत-अमेरिका टैरिफ रीसेट अचानक नहीं हुआ, यह पीछे के दरवाज़ों, आहत अहंकार और रणनीतिक पुनर्संतुलन के जरिए धीरे-धीरे सामने आया। बाजारों ने जिसे बड़ी उपलब्धि बताया, वह असल में खुले टकराव के बाद, शांत कूटनीति का परिणाम था और यह इस बात की याद दिलाता है कि भारत का पश्चिमी देशों के साथ तालमेल न तो अपने-आप होता है और न ही बिना शर्त होता है।

इस तनाव की झलक पिछले साल दिखी, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत तक दंडात्मक टैरिफ लगा दिए। उन्होंने नई दिल्ली पर ज्यादा संरक्षणवाद अपनाने और कच्चे तेल की खरीद के जरिए रूस के युद्ध को फंड देने का आरोप लगाया। इसके बाद सार्वजनिक बयानबाजी भी हुई, जिसमें भारत को मरी हुई अर्थव्यवस्था कहा गया। हालांकि, पर्दे के पीछे, नई दिल्ली ने टकराव की जगह संबंध सुधारने का रास्ता चुना। सितंबर में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को स्पष्ट संदेश के साथ वॉशिंगटन भेजा गया कि भारत दबाव में नहीं आएगा, लेकिन वह रिश्ते को स्थिर करना चाहता है। भारत ने आकलन किया कि ट्रंप अस्थायी हो सकते हैं, लेकिन अमेरिकी पूंजी, तकनीक और रणनीतिक सहयोग स्थायी हैं।

संबंधों में सुधार धीरे-धीरे हुआ। ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन पर किया गया फोन और उसके बाद हुई नेता स्तर की कई बातचीत ने संबंध सुधार के संकेत दिए। इसका औपचारिक नतीजा इस सप्ताह सामने आया। भारतीय निर्यात के ज्यादातर सामानों पर अमेरिकी टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया, रूसी तेल से जुड़े अतिरिक्त दंड को हटा दिया गया और द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को नई गति मिली। भारत के लिए, जो अपने कुल निर्यात का लगभग पांचवां हिस्सा अमेरिका भेजता है, यह राहत वास्तविक है।

लेकिन यह पूरी जीत नहीं थी और न ही कोई व्यापक समझौता था। टैरिफ दरों का यह पुनर्निर्धारण सीमित है। स्टील, एल्युमिनियम और तांबा अभी भी सेक्शन 232 के तहत 50 प्रतिशत टैरिफ में फंसे हुए हैं। कई ऑटो पार्ट्स पर अभी भी लगभग 25 प्रतिशत शुल्क लगता है। यह छूट नहीं मिलने से उन मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों को नुकसान होता है, जिन्हें भारत उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं के जरिए बढ़ाना चाहता है। चीन से सप्लाई-चेन को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट जज ने जिंदा बम प्रकरण की सुनवाई से खुद को अलग किया

जयपुर, 6 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ के एक जज ने शहर में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के बीच जिंदा मिले बम को लेकर मिली आजीवन कारावास की सजा के खिलाफ अपील पर सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया। ऐसे में एक्टिंग सीजे अन्य खंडपीठ का गठन करेंगे।

- जस्टिस शर्मा सीरियल बम ब्लास्ट पर खंडपीठ का हिस्सा रह चुके हैं।

दरअसल, सरवर आजमी और शाहबाज हुसैन की अपील पर सुनवाई के दौरान खंडपीठ के जज समीर शर्मा ने स्वयं को अलग कर लिया। जस्टिस समीर जैन उस खंडपीठ का हिस्सा रहे हैं, जिन्होंने पूर्व में सीरियल बम ब्लास्ट मामले में आरोपियों को निचली अदालत से मिली फांसी की सजा को रद्द करते हुए उन्हें बरी कर दिया था।

संक्षिप्त

बाबा श्याम का दो दिवसीय पाटोत्सव आगाज आज

निवाई। इंदिरा कॉलोनी में स्थित श्याम मंदिर में श्याम बाबा का दो दिवसीय 12वां पाटोत्सव 7 फरवरी से शुरू होगा। श्याम सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। श्याम धर्मार्थ संस्थान के अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने बताया कि पाटोत्सव को लेकर मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी लाइटों, गुब्बारों व फूलों से सजाया जा रहा है। वहीं आयोजन की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। महोत्सव को लेकर 7 फरवरी सुबह 8 बजे से कलकत्ता के सुप्रसिद्ध भजन गायक मनीष शर्मा के सानिध्य में श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ का आयोजन किया जाएगा। 8 फरवरी को सुबह 9 बजे कंकाली माता मंदिर से विशाल निशान यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा बैंड-बाजों और ढोल-नगाड़ों के साथ शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए श्याम मंदिर पहुँचेगी। जहाँ श्रद्धालु बाबा श्याम को निशान अर्पित करेंगे। रात्रि में विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा। जिसमें खलीलाबाद उत्तर प्रदेश के सुप्रसिद्ध गायक हरमिंदरसिंह रोमी व मध्य प्रदेश की सुप्रसिद्ध भजन गायिका कनिका ग्रोवर सहित कई गायक व गायिका बाबा के भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। समिति के सदस्यों ने बताया कि भक्तों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

कक्षा कक्ष का निर्माण शुरू

मनोहरपूर। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खोरा लड़खानी में वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक भुरामल जाट की प्रेरणा से भामाशाह प्रकाश चंद योगी पुत्र जगदीश प्रसाद योगी ने बरामदे सहित कक्षा कक्ष का निर्माण कार्य शुरू करवाया इस अवसर पर भामाशाह प्रकाश चंद योगी उनके बहनोई धावाराम राम योगी भानु योगी प्रहलाद मिस्त्री रामेश्वर कपूरिया राजस्थान पुलिस प्रधानाचार्य संतोष सिंह कपूरिया भुरामल जाट वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक सहित विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

शिविर में बांटे व्यापारियों को 48 लाईसेन्स

टोंक। राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान शुद्व आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत खाद्य कारोबार के लिए लाईसेंस और रजिस्ट्रेशन शिविर शुक्रवार को अस्पताल परिसर देवली में लगाया गया। शिविर में 49 थोक/फुटकर व्यापारियों के आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 48 व्यापारियों को हाथों हाथ लाईसेंस मिले। शिविर में खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ0 मदन लाल गूजर ने लाईसेंस और रजिस्ट्रेशन वितरित किये गये साथ ही शिविर में मोटे अनाज की उपयोगिता के बारे में भी जानकारी दी गई। शिविर के दौरान लाईसेंस पंजीकरण के साथ-साथ मोबाईल फूड टैस्टिंग लैब वाहन द्वारा आमजन को सुरक्षित खाद्य पदार्थो के संदर्भ में जागरूक किया गया।

वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आज

निवाई। विश्व भारती माध्यमिक विद्यालय मे शनिवार को वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन होगा। जिसमें नन्हें मुन्ने बालक साँस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देंगे। संस्था निदेशक रामेश्वरप्रसाद जांगिड़ ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा होंगे व कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सरपंच प्रेमचंद बोहरा करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जैन समाज के कोषाध्यक्ष त्रिलोकचंद जैन, भामाशाह राधेश्याम जांगिड़, सीताराम वर्मा व जांगिड समाज के विवाह सम्मेलन अध्यक्ष महेंद्र जांगिड़ होंगे। उन्होंने बताया कि समारोह में अतिथियों द्वारा प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा।

प्रशिक्षण शुरू

निवाई। आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालय भगत सिंह कॉलोनी में चार दिवसीय स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस प्रशिक्षण का आयोजन शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण का शुभारंभ सीबीईओ मंजू मीणा व एसीबीईओ मीना भदौरिया ने सरस्वती पूजन करके किया। दक्ष प्रशिक्षक रामकिशन गुर्जर ने बताया कि प्रशिक्षण में तीन बैच हुए। इस अवसर पर रामकिशन बहादुरपुरा, सूर्यप्रकाश कंवरिया, दिनेश गोयल, राजेश पारीक, शिवप्रसाद शर्मा, हंसराज राठौड, शिविर प्रभारी रामकिशन बैरवा व ओमप्रकाश गौतम सहित कई प्रशिक्षक मौजूद थे।

राज्य सरकार क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयासरत है : धनकड़

- विराटनगर विधानसभा को मिली विकास की बड़ी सौगात, कई सड़कों सहित विभिन्न कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास

विधायक कुलदीप धनकड ने सड़क निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

पावटा। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति देते हुए विधायक कुलदीप धनकड द्वारा विभिन्न स्थानों पर सड़क निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। इन कार्यों से क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान सम्पर्क सड़क आमलोदा का विधिवत शिलान्यास किया गया। इस सड़क के निर्माण से आमलोदा क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी तथा आसपास के गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से मजबूत होगा।

इसके साथ ही स्वामियों की ढाणी से धवाली सड़क के शिलान्यास के साथ क्षेत्रवासियों को लंबे समय से चली आ रही सड़क समस्या से राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

इसी क्रम में पालड़ी ग्राम पंचायत में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। इन कार्यों के अंतर्गत ग्रामीण आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के साथ-साथ जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की शुरुआत की गई, जिससे स्थानीय लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीणों ने इन विकास कार्यों के लिए जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान विराटनगर से पापड़ी सड़क का भी शिलान्यास किया गया। यह सड़क क्षेत्र के आवागमन को सुगम बनाने के साथ ही व्यापार, कृषि एवं सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सड़क निर्माण से आसपास के गांवों को भी बड़ी सुविधा मिलने की संभावना जताई जा रही है।

इस अवसर पर विराटनगर विधायक धनकड ने कहा कि राज्य सरकार क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक मजबूत सड़क नेटवर्क पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा,सड़क विकास किसी भी क्षेत्र की प्रगति की रीढ़ होती है। सड़कों के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं।

कार्यक्रम के दौरान भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और क्षेत्र की आम जनता उपस्थित रही। ग्रामीणों ने माला व साफा पहनाकर विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया और विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण

फुलेरा। जोबनेर रोड स्थित सेठ सूरजमल अग्रवाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शीतकाल को ध्यान में रखते हुए कक्षा 1 से 7 तक के समस्त विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में स्वेटर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को सर्दी से बचाव के लिए स्वेटर प्रदान किए गए। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कार्यवाहक संस्था प्रधान मुकेश कुमार सोनी ने बताया कि विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई है, ताकि ठंड के मौसम में बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। कार्यक्रम में बतौर अतिथि एसडीएमसी सदस्य शक्ति सिंह रहें। विद्यालय परिवार की ओर से शिक्षक विनोद कुमार वर्मा, राजेन्द्र जितरवाल, सुशीला तंवर, सीता माली एवं देवेन्द्र सिंह ओला ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। आगंतुक अतिथियों एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सा संस्थानों को किया सम्मानित

कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ शैलेन्द्र सिंह चौधरी ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

टोंक। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सा संस्थानो को सीएमएचओ कार्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ शैलेन्द्र सिंह चौधरी ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

- पीएचसी करेडाबुजुर्ग ने प्रथम पुरूष्कार प्राप्त किया

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शैलेन्द्र सिहं चौधरी ने बताया कि अधिकतम लाभार्थी के अवार्ड मापदण्ड में जिसमें जिला अस्पताल टोंक ने प्रथम, पीएचसी मण्डावर को द्वितीय व यूपीएचसी हाउसिंग बोर्ड ने तृतीय पुरूष्कार प्राप्त किया। 12 सप्ताह एएनसी सेवाऐं अवार्ड मापदण्ड में यूपीएचसी सौलगपुरा व रजबन को प्रथम, पीएचसी राणोली को द्वितीय व पीएचसी सुनारा ने तृतीय पुरूष्कार प्राप्त किया। चार या चार से अधिक सेवाओं के अवार्ड मापदण्ड में पीएचसी करेडाबुजुर्ग को प्रथम, पीएचसी बंमोर को द्वितीय, जिला अस्पताल मालपुरा ने तृतीय पुरूष्कार प्राप्त किया। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का चिन्हिकरण हेतु अवार्ड मापदण्ड में पीएचसी देवपुरा को प्रथम, पीएचसी बंमोर को द्वितीय व पीएचसी बगडी ने तृतीय पुरूष्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ शैलेन्द्र सिहं चौधरी, पीएमओ डॉ हनुमान बैरवा, आरसीएचओ डॉ. गोपाल जांगिड, डीटीओ डॉ हिमांशु मित्तल, मेडिकल ऑफिसर्स सहित कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहें।

शिविर में योजनाओं का मिला त्वरित लाभ

भरतपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेशभर में आयोजित किए जा रहे ग्राम उत्थान शिविर ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र ग्रामीणों तक सीधे पहुंचाया जा रहा है तथा उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है।

इसी क्रम में ग्राम पंचायत अलीपुर में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर में महमदपुर निवासी बिजेन्द्र सिंह पुत्र देवी सिंह ने कृषि विभाग के समक्ष कृषि यंत्र रोटावेटर से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। शिविर के दौरान सहायक कृषि अधिकारी एवं कृषि पर्यवेक्षक द्वारा रोटावेटर का भौतिक सत्यापन किया गया। सत्यापन उपरांत योजना के तहत कृषक को रोटावेटर की खरीद पर लगभग 50 हजार रुपये की अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। इससे खेती की लागत कम होगी।

अंतरराष्ट्रीय स्तर की 'अलवर टाइगर मैराथन' 8 को

- मैराथन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा होगें मुख्य अतिथि और उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी होंगी विशेष अतिथि

अलवर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया' मिशन, भारत में टाइगर एवं पर्यावरण संरक्षण तथा अलवर के पर्यटन को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से अलवर में 8 फरवरी 2026 को अलवर सांसद खेल उत्सव के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय स्तर की 'अलवर टाइगर मैराथन' का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें दुनिया के कई देशों के साथ देशभर से ख्याति-प्राप्त धावक भाग ले रहे हैं।

केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने दुनिया के विभिन्न देशों से अलवर आ रहे ख्यातिनाम खिलाडियों एवं धावकों का अभिनंदन कर कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की टाइगर मैराथन का आयोजन अलवरवासियों के लिए गौरव के क्षण लेकर आया है। उन्होंने कहा कि मैराथन के आयोजन से अलवर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभरेगा, यह हमारे पर्यटन, सांस्कृतिक विरासत के प्रचार और खेलों के मैदान पर एक अमिट छाप छोडऩे का अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमें 'फिट है तो हिट है' का मंत्र दिया है, और अलवर उस दिशा मेंलृ निरंतर आगे बढ़ रहा है।

अलवर टाइगर मैराथन के संयोजक अरुण जैन ने धावकों का स्वागत करते हुए बताया कि अलवर में देश की पहली टाइगर संरक्षण को समर्पित मैराथन का आयोजन गर्व का विषय है। उन्होंने यह विश्वास जताया कि अलवर एक सफल मैराथन कराने के लिए तैयार है और फरवरी 8 को लगभग 18 हजार धावक अलवर मेंलृ एक साथ दौडक़र इतिहास रचने को तैयार हैं। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की अलवर टाइगर मैराथन में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा होंगे और विशेष अतिथि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी होंगी। उन्होंने कहा कि अलवर 8 फरवरी को विकास और वन संरक्षण की एक अनूठी दौड़ लगाएगा। उन्होंने केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री तथा अलवर के लोकप्रिय सांसद श्री भूपेंद्र यादव का इस आयोजन के लिए विशेष धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर वी-शक्ति संस्थापक प्रज्ञा यादव ने धावकों का स्वागत करते हुए कहा कि अलवर अपने सुनहरे भविष्य की ओर 8 फरवरी को यह दौड़ लगाने जा रहा है। मैराथन का 18,500 से अधिक धावक हिस्सा बनेगें। पिछले वर्ष की अपेक्षा यह 100 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी है। अलवर के सभी लोगों को, विशेषकर अपने मीडिया साथियों को मैं इसके लिए विशेष बधाई देती हूँ। मुझे बहुत खुशी है की करीब 500 दिव्यांगजन पैरा मैराथन में भाग ले रहे हैं।

अलवर टाइगर मैराथन के संयोजक अरुण जैन ने बताया कि 21.097 किलोमीटर की हाफ मैराथन एलिट पुरुष का कॉल टाइम सुबह 5 बजे एवं प्रारंभ समय सुबह 6 बजे प्रताप ऑडिटोरियम के बाहर से रहेगा, 21.097 किलोमीटर की हाफ मैराथन एलिट महिला का कॉल टाइम सुबह 5 बजे एवं प्रारंभ समय सुबह 6:02 बजे प्रताप ऑडिटोरियम के बाहर से रहेगा, 21.097 किलोमीटर की फोर्स रन (पुरुष एवं महिला) का कॉल टाइम सुबह 5:20 बजे एवं प्रारंभ समय सुबह 6:20 बजे प्रताप ऑडिटोरियम के बाहर से रहेगा।

भरतपुर में भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष ने ताखा में की रात्रि चौपाल

भरतपुर। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शंकर गौरा के पहली बार भरतपुर आगमन पर युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं द्वारा तहेदिल से स्वागत किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष ने ताखा गांव में आयोजित की जाने वाली रात्रि चौपाल में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता प्रदान की। रात्रि चौपाल की अध्यक्षता सरपंच कुशलपाल सिंह ने की। कार्यक्रम में विशिश्ठ अतिथि जिला उपाध्यक्ष जगदीश अजान, जिला मीडिया प्रभारी डॉ. वीरेन्द्र पचौरी, जिला प्रवक्ता अनुराग तमरौली और मण्डल अध्यक्ष प्रह्लाद सरपंच रहे। वहां युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सौरभ ताखा के नेतृत्व में ताखा गांव की सरदारी ने प्रदेश अध्यक्ष शंकर गौरा के लिए पलक पावडे बिछाकर और चांदी का मुकुट पहनाकर आत्मीय सम्मान किया।

51 मीटर लंबा साफा बांधकर उनकी दीर्घ कार्य शैली को समर्थन दिया। गांव की सरदारी द्वारा तलवार भेंट कर यह कामना की गई कि यदि आपकी उत्तम कार्य शैली के मार्ग में कोई बाधा आती है तो उसको हरने का काम यह तलवार करेगी। प्रदेश अध्यक्ष के साथ आये सभी प्रदेश पदाधिकारियों का एवं जिला पदाधिकारियों का गांव की सरदारी ने स्वागत किया। उसके बाद प्रदेश अध्यक्ष शंकर गोरा ने सभी गांव वासियों से पंचायत चुनाव में कमल का फूल खिलाने पर चर्चा की और भजनलाल सरकार की उपलब्धियो का बखान करते हुए कहा कि भजनलाल की भरोसेमंद सरकार में आज तक एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है सरकार पूरी ईमानदारी एवं मुस्तैदी से कार्य कर रही है उन्होंने आगे कहा कि आप तो अपने बच्चों को पढ़ाइए नौकरी सरकार देगी। आगे बजट पर चर्चा करते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने किसानों का हितकारी बजट जारी किया है। आने वाला राज्य बजट भी किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए कल्याणकारी होगा।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष जगदीश अजान, जिला मीडिया प्रभारी डॉ. वीरेन्द्र पचौरी, जिला प्रवक्ता अनुराग तमरौली, मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सरपंच, सुनील सहनावली, दीपू पंडित, कृष्णा जाट, सुरेन्द्र सांतरूक, पंकज शर्मा, अंकित सिंह हरि चतुर्वेदी, दुष्यन्त ताखा, भूपेन्द्र ताखा, तोता, खरघा, बघेल, रामभरोसी, कुमरपाल सिंह पूर्व सरपंच सहित हजारों की संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

ग्राम पंचायत दांतिल गिरदावर सर्किल में ग्रामीण उत्थान शिविर का आयोजन

एसडीएम ने कृषक साथी सहायता योजना के तहत 2 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की।

- डॉ. साधना शर्मा, तहसीलदार लोकेन्द्र मीणा एवं मंडी समिति सचिव रामफूल गुर्जर ने संयुक्त रूप से आवेदक को सहायता राशि का चैक सौंपा

पावटा। उपखंड पावटा क्षेत्र के ग्राम पंचायत दांतिल गिरदावर सर्किल में ग्रामीण उत्थान शिविर का आयोजन उपखंड अधिकारी पाव टा डॉ. साधना शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। ग्रामीण उत्थान शिविर के दौरान कृषक साथी सहायता योजना के अंतर्गत मृतक कृषक मिश्री देवी के पति तेजपाल सैनी को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

शिविर में उपखण्ड अधिकारी पावटा डॉ. साधना शर्मा, तहसीलदार लोकेन्द्र मीणा एवं मंडी समिति सचिव रामफूल गुर्जर ने संयुक्त रूप से आवेदक को सहायता राशि का चैक सौंपा। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित कृषक साथी सहायता योजना का उद्देश्य कृषकों और उनके परिवारों को कठिन परिस्थितियों में आर्थिक संबल प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उन्हें राहत मिल सके।

तहसीलदार लोकेन्द्र मीणा ने कहा कि प्रशासन आमजन तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा ग्रामीण उत्थान शिविरों के माध्यम से विभिन्न योजनाओं की जानकारी और लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। मंडी समिति सचिव रामफूल गुर्जर ने बताया कि कृषक वर्ग के हित में संचालित योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

वही ग्राम प्रशासक एवं ग्रामीणों ने एकत्रित होकर उपस्थित अधिकारी को अवगत करवाया कि गिरदावर सर्किल बस स्टैण्ड पर विश्राम स्थल उपलब्ध नही है। शिविर प्रभारी एंव सह प्रभारी ने प्रशासक एवं ग्रामवासियों से ज्ञापन प्राप्त कर उपस्थित अधिकारियों को ज्ञापन दिया।

शिविर प्रभारी ने उक्त आवेदन का निस्तारण करने के लिए संबंधित अधिकारी यथा तहसीलदार द्वारा उक्त प्रकरण जॉच कर मौका स्थान पर जगह चिन्हित कर उपलब्ध करवा दी गई है। विश्राम स्थल दांतिल गिरदाव सर्किल के ग्राम दांतिल में 2515 का स्थान चिन्हित कर उपखण्ड अधिकारी डॉ साधना शर्मा, पटवारी दांतिल, गिरदावर, तहसीलदार के द्वारा सहमति दी गई ।

130 करोड़ राशि की प्रशासनिक स्वीकृति जारी

शाहपुरा । जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह की अनुशंसा पर डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउण्डेशन ट्रस्ट योजना के तहत बानसूर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए एक सौ तीस करोड़ राशि की प्रशासनिक स्वीकृति जारी हुई। फर्नीचर निर्माण कार्य के लिए 15 लाख, जोधपुरा स्टेडियम नारायणपुर में दर्शक दीर्घा मय टीन शेड निमार्ण कार्य, हाल निर्माण कार्य, बोरिंग मय टंकी निर्माण कार्य, शौचालय निर्माण कार्य एवं मंच स्थल निर्माण कार्य के लिए 50 लाख, खेल मैदान रा.उ.मा.वि. बानसूर में दर्शक दीर्घा मय टीन शेड निमार्ण कार्य, हाल निर्माण कार्य, बोरिंग मय मंजिल निर्माण कार्य, शौचालय निर्माण कार्य एवं मंच निर्माण कार्य, पुस्तकालय भवन मय कंप्यूटर, फर्नीचर निर्माण कार्य के लिए 50 लाख, रा.उ.मा.वि. रायली में पुस्तकालय भवन मय कम्प्यूटर, फर्नीचर निर्माण कार्य के लिए 15 लाख समेत बानसूर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए कुल एक सौ तीस लाख रूपये राशि की स्वीकृति जारी की गई।

सार-समाचार

जिला कांग्रेस अध्यक्ष इन्द्राज गुर्जर का बानसूर में भव्य स्वागत

पावटा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष इन्द्राज गुर्जर का बानसूर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बामनवास जाते समय कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा जगह-जगह गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और साफा पहनाकर उनका अभिनंदन किया तथा संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस दौरान पूर्व मंत्री शकुंतला रावत एवं मुंडावर विधायक ललित यादव भी उनके साथ मौजूद रहे। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूती देने और आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए मिलकर कार्य करने का आ ान किया। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेता राजेश बागड़ी, मुकेश यादव, एनएसयूआई के पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश चौधरी, रामस्वरूप मुक्कड़, बानसूर ब्लॉक अध्यक्ष भीम सिंह, नारायणपुर ब्लॉक अध्यक्ष राजेन्द्र रैगर, नारायणपुर नगर अध्यक्ष सुभाष सैनी, बानसूर नगर अध्यक्ष राहुल आर्य, पूर्व मंडी अध्यक्ष माडाराम अंधाना, सरपंच अमरसिंह अधाना, रमेश गुर्जर, पंचायतराज प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव प्रदीप यादव, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अजय यादव सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष इन्द्राज गुर्जर ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती और जनता की सेवा कांग्रेस की प्राथमिकता है तथा आगामी समय में पार्टी जनहित के मुद्दों को लेकर मजबूती से कार्य करेगी।

बाल विवाह रोकने के लिए विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

शाहपुरा । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष भँवरलाल बुगालिया एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय राजपुरा, तहसील शाहपुरा में नालसा योजना 2016 के अंतर्गत बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 भारत मे बाल विवाह को रोकने, पीड़ितों को सुरक्षा देने, विवाह समारोह में शामिल लोगों को दंडित करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को इस कानून की जानकारी के लिए सभी सरकारी प्राइवेट स्कूलों के माध्यम से जानकारी हेतु शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर की अध्यक्षता महिला उत्पीड़न समिति की अध्यक्ष सुनिता देवी सैनी द्वारा की गई। अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि नाबालिग लड़की की उम्र 18 वर्ष और 21 वर्ष का लड़का नाबालिग कहलाते है। अगर नाबालिग की शादी करने वाले अभिवावकों को 2 वर्ष कठोर कारावास और 1 लाख रूपया जुर्माना दोनों लागू होते है। साइबर ठगों से बचाव के लिए आपको किसी भी अनजान व्यक्ति को फोन पर अपने बैंक खाते, आधारकार्ड, एवं परिवार के सदस्यों के मोबाईल फोन नम्बर नहीं बतावे। आपके बैंक खाते से रूपये निकल सकते है। अगर आपके बैंक से रूपये साइबर ठगों द्वारा निकाल लेने पर त्वरित 1930 पर सुचित करे और बैंक खाते को   करवाना अनिवार्य है।

यूजीसी कानून को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

टोंक। उनियारा में यूजीसी-कानून के विरोध में ग्रामीणो ने बाजार बंद कर प्रदर्शन किया तथा रैली निकाली गई। इस दौरान बाजार बंद रखे गए, वहीं दोपहर तक व्यापारियों ने दुकानें भी नहीं खोली। इसके बाद उपखण्ड अधिकारी उनियारा पूजा मीणा को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। उनियारा व्यापार संघ अध्यक्ष संदीप गुप्ता ने बताया कि यूजीसी कानून के विरोध में उनियारा शहर में सैकड़ों शहरवासियों ने नगर पालिका स्थित कटला बाजार से प्रदर्शन करते हुए हाथों में तख्तियां लेकर सदर बाजार अस्पताल रोड होते हुए बस स्टैंड पहुंचे, जहां विरोध प्रदर्शन करते हुए उपखंड कार्यालय पहुचंकर उपखंड अधिकारी पूजा मीणा को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि यूजीसी कानून जो की केंद्र सरकार द्वारा लगाया गया है इसको वापस नहीं लेने पर समस्त लोग इसका विरोध करते हुए आगामी दिनों में धरना प्रदर्शन करेंगे। यूजीसी कानून छात्र विरोधी है, इसको शीघ्र वापस लिया जाए।

जिला कलेक्टर ने उप जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

निवाई। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने उप जिला अस्पताल निवाई का निरीक्षण किया। जिला कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान रोगियों एवं उनके परिजनों से उपचार की जानकारी ली। उन्होंने निरीक्षण के दौरान वार्डो में जाकर चिकित्सा व्यवस्था की स्थिति को देखा। उन्होंने दवा वितरण केन्द्र में दवाओं की उपलब्धता की जानकारी ली एवं चिकित्सा प्रभारी को दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में सफाई व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए। इस दौरान उपखंड अधिकारी प्रीति मीणा, चिकित्सा अधिकारी रामजीलाल बैरवा, डॉक्टर पीएन बैरवा सहित कई चिकित्साकर्मी व नर्सिंग कर्मी मौजूद रहे। इसके बाद जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने ग्राम बडोदिया में रीको को आंवटित 80 हैक्टेयर सिवायचक भूमि का अवलोकन किया। उन्होंने तहसीलदार नरेश गुर्जर को 15 मार्च तक नवीन औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए रीको को भूमि सुपुर्द करने के निर्देश दिए। इस दौरान रीको के क्षेत्रीय प्रबन्धक सीताराम मीना व एसडीओ प्रीति मीना मौजूद रहे।

नाट्य महोत्सव 9 फरवरी तक

टोंक। कम्युनिटी थिएटर सोसायटी एवं एक्स्ट्रा इन ऑर्गेनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में 7 से 9 फरवरी तक त्रिदिवसीय नाट्य प्रस्तुतियों का आयोजन एक्सपेरिमेंट स्टूडियो, टोंक में किया जायेगा। जिसमें टोंक एवं प्रयागराज के रंगकर्मियों द्वारा विविध और विचारोत्तेजक नाट्य प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी। कार्यक्रम में लखनऊ से वरिष्ठ कला समीक्षक एवं 'नाद रंग' के संपादक आलोक पराड़कर तथा जयपुर के लेखक एवं वरिष्ठ नाट्य आलोचक राघवेंद्र रावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। नाट्य प्रस्तुतियों की श्रृंखला में आज शाम 5.00 बजे प्रयागराज के रंग समूह द्वारा दारियो फो द्वारा लिखित नाटक 'कांट पे वांट पे' का मंचन किया जाएगा। वही 8 फरवरी को अतिथियों के वक्तव्य आयोजित होंगे, जिसके पश्चात रबींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित नाटक 'डाकघर' एवं धर्मवीर भारती द्वारा लिखित नाटक 'नदी प्यासी थी' का मंचन किया जाएगा। इसी क्रम में 9 फरवरी को "टोंक में रंगमंच की चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ" विषय पर रंग संवाद का आयोजन किया जाएगा। इसी दिन शाम को फ़्रांज काफ्का एवं प्रफुल्ल राय की कहानियों पर आधारित, राजकुमार रजक द्वारा निर्देशित नाटक 'भूखवासी भांड' का मंचन किया जाएगा। आयोजन की सभी नाट्य प्रस्तुतियाँ कम्युनिटी थिएटर टोंक के एक्सपेरिमेंट स्टूडियो में प्रस्तुत की जाएँगी।

ग्राम सिंगोद कलां और मोरीजा में नलकूप की मिली स्वीकृति

चौमूं / कालाडेरा । जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा विधानसभा क्षेत्र चौमूं की ग्राम पंचायत सिंगोद कलां और मोरीजा में पेयजल समाधान हेतु नए नलकूप की स्वीकृति जारी की है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्री कन्हैया लाल चौधरी को पत्र लिखकर पेयजल के समाधान हेतु नलकूप स्वीकृति की माँग की थी, जिस पर विभाग द्वारा बंजारों की ढाणी सिंगोद कलां के लिए 17.89 लाख रुपए और ग्राम पंचायत मोरीजा के लिए 17.69 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और जलदाय विभाग मंत्री कन्हैया लाल चौधरी का आभार जताया।

पूर्व सांसद जन्मोत्सव पर कन्या जन्म के 2100 रुपए

बहरोड़/ नीमराना। 6/2/2026 पूर्व सांसद डॉक्टर करण सिंह यादव के 81वें जन्मदिवस पर 7 फरवरी 2026 को आयोजित रक्तदान शिविर में 1 फरवरी 2026 को कन्या जन्म देने वाली माताओं को 2100 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। जन कल्याण युवा संस्था राजस्थान द्वारा 1 से 8 फरवरी तक स्वेच्छिक रक्तदान शिविरों एवं स्वास्थ्य गोष्ठियों के आयोजन के तहत 7 फरवरी शनिवार को सुरभि मैरिज हॉल पुरानी कचहरी के पीछे रक्तदाताओं के सम्मान व बहरोड़ एवं नीमराना तहसील में 1 फरवरी 2026 को जन्म लेने वाली बेटियों की माताओं को संस्था की ओर से 2100 रू की प्रोत्साहन राशि के चैक प्रदान किए जायेंगें।

मानसून से पूर्व जर्जर विद्यालय भवनों के कायाकल्प की पहल

2000 विद्यालय भवनों की मरम्मत, 21 हजार स्कूलों में वाटर प्रूफिंग

जयपुर (कासं)। प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों की सुरक्षा के लिए राजस्थान शिक्षा विभाग विद्यालयों की आधारभूत स्थिति सुधारने में जुटा हुआ है। गत वर्ष मानसून के दौरान झालावाड़ के पीपलोदी में विद्यालय भवन गिरने की दुर्घटना के बाद प्रदेश में जर्जर भवनों में चल रहे राजकीय विद्यालयों को चिह्नित करने का काम युद्धस्तर पर किया गया।

शिक्षा विभाग की ओर से चिह्नित 2 हजार से अधिक विद्यालय भवनों में मरम्मत के कार्य लगातार जारी हैं और मार्च माह तक सभी भवन नई मजबूती के साथ तैयार हो जाएंगे। साथ ही एसडीआरएफ की ओर से प्रदेश के 21 हजार विद्यालयों में करवाए गए वाटरप्रूफिंग व मरम्मत के कार्य भी पूर्ण हो चुके हैं। इससे आगामी मानसून के

दौरान बच्चे सुरक्षित माहौल में पढ़ाई कर पाएंगे। गत बजट घोषणा के अनुरूप 175 नए विद्यालय भवन भी निर्माणाधीन हैं जो एक वर्ष में बनकर तैयार हो जाएंगे। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की सिविल शाखा के अनुसार प्रदेश के सभी विद्यालयों में बालिका शौचालय, 900 विद्यालयों में 2250 से अधिक साइंस लैब, 229 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में डायनिंग कम स्टडी हॉल, सात जिलों के डाइट सेंटर्स में हॉस्टल सहित अन्य निर्माण कार्य व 3000 से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत प्रक्रियाधीन हैं।

- **अगले एक वर्ष में प्रदेश को मिलेंगे 175 नवीन विद्यालय भवन**

पीपलोदी में पहले से बड़ा स्कूल बन रहा

पीपलोदी में हुई दुर्घटना के बाद शिक्षा विभाग ने तुरंत कार्यवाही करते हुए विद्यालय की जर्जर इमारत को ध्वस्त कर विद्यालय के नवनिर्माण की शुरूआत कर दी थी। ग्रामवासियों की मांग पर विद्यालय भवन के लिए दूसरी जमीन चिह्नित की गई जो आकार में पुरानी जमीन से काफी बड़ी है। इस प्रक्रिया में भवन निर्माण के कार्य में थोड़ा विलंब हुआ लेकिन अब भवन निर्माण कार्य लगातार जारी है।

कैप्चा सॉल्विंग के नाम पर ठगों का नया जाल

जयपुर। घर बैठे आसान कमाई का सपना देखने वालों के लिए एक खतरनाक जाल बिछाया जा रहा है। महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम के निर्देशन में साइबर क्राइम थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट ने एक ऐसे ट्रेंड का खुलासा किया है, जो कैप्चा सॉल्विंग के नाम पर मासूम लोगों की मेहनत की कमाई डकार रहा है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक साइबर क्राइम विकास शर्मा ने बताया कि ठगों की कार्यप्रणाली बेहद शातिर है। ये जालसाज फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म्स पर लुभावने विज्ञापन चलाते हैं। विज्ञापन में दावा किया जाता है कि आपको केवल स्क्रीन पर दिखने वाले कैप्चा कोड टाइप करने हैं और बदले में आप हर महीने हजारों रुपये कमा सकते हैं। न्यूनतम प्रयास और अधिकतम लाभ का लालच बेरोजगार युवाओं और गृहणियों को आसानी से अपनी ओर खींच लेता है। जैसे ही कोई व्यक्ति इनके झांसे में आता है, उसे एक फर्जी जॉब एग्रीमेंट दिखाया जाता है ताकि सब कुछ असली लगे। इसके बाद शुरू होता है वसूली का खेल। कभी सॉफ्टवेयर चार्ज, कभी ट्रेनिंग फीस तो कभी सिक्योरिटी डिपॉजिट के नाम पर पीड़ित से हजारों रुपये जमा करवा लिए।

70 करोड़ की व्यवसायिक भूमि से हाऊसिंग बोर्ड ने हटाया अतिक्रमण

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । इंदिरा गांधी नगर सेक्टर-1 में राजस्थान आवासन मण्डल की अधिग्रहित एवं 7000 वर्ग मीटर भूमि व्यावसायिक भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण पर शुक्रवार को कार्रवाई की गई। इस बेशकीमती जमीन पर लगभग 2 म्में अवैध रूप से किए गए फाउंडेशन निर्माण किया जा रहा था।

यह कार्रवाई मण्डल की लगभग 70 करोड़ मूल्य की बहुमूल्य व्यावसायिक भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा नियोजित शहरी विकास को बाधित होने से बचाने के उद्देश्य से की गई।

इस संबंध में राजस्थान आवासन मण्डल सचिव गोपाल सिंह ने कहा कि, राजस्थान आवासन मण्डल की अधिग्रहित भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण या अतिक्रमण स्वीकार्य नहीं है।

मण्डल की बहुमूल्य सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। भविष्य में भी यदि कहीं अवैध अतिक्रमण पाया जाता है, तो नियमानुसार सख्त एवं त्वरित कार्रवाई की जाएगी। राजस्थान आवासन मण्डल ने स्पष्ट किया है कि शहरी विकास योजनाओं के अनुरूप भूमि का नियोजित उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा तथा सार्वजनिक संपत्ति पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा।

राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड की टीम ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी नगर सेक्टर-1 में सरकारी जमीन पर किए जा रहे अवैध निर्माण को ध्वस्त कर बेशकीमती जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाया।

मनमर्जी से खड़े नहीं होंगे वाहन

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के सबसे व्यस्त प्रवेश द्वारों में से एक ट्रांसपोर्ट नगर और घाट की गुणी क्षेत्र को जाम मुक्त करने के लिए जयपुर पुलिस ने कमर कस ली है। सुरक्षित और सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देशों पर शुक्रवार को नई व्यवस्था लागू की गई। इसके तहत सड़क पर अवैध रूप से खड़े होकर सवारी बैठाने वाले वाहनों को हटाकर उन्हें निर्धारित स्थानों पर रुकने के लिए पाबंद किया गया है।

लेक्चरर सुसाइड मामले में परिजनों ने किया धरना समाप्त

जयपुर । महेश नगर थाना इलाके में अर्जुन नगर फाटक पर निलंबित लेक्चरर के सुसाइड मामले में परिजनों की संविदा पर नौकरी सहित अन्य मांगों पर सहमति बन गई। जिसके बाद परिजनों ने धरना समाप्त कर दिया। इस मामले में मृतक के परिजनों के साथ पूर्व मंत्री सुखरा विश्नोई भी धरने में शामिल हुए थे।

धरना समाप्त होते ही मृतक के चचेरे भाई ठकाराम ने बताया कि प्रशासन ने संविदा नौकरी के साथ ही सेवाकाल के सारे परिलाभ और दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज कर निष्पक्ष जांच की मांगे मान ली है। जिससे परिजनों का आक्रोश शांत हुआ है। धरने पर बैठे मृतक मनोहर लाल के परिजन से

- **संविदा पर नौकरी सहित अन्य मांगों पर बनी सहमति**

डिप्टी रामकिशन विश्नोई ने आपसी समझाईश कर मामला शांत कराया। मृतक मनोहर लाल ने आत्महत्या करने से पहले अपने सुसाइड नोट में एसओजी के दो अधिकारियों पर जबरन धमकी देने व पैसे वसूलने का आरोप लगाया था। सुसाइड नोट की जानकारी मिलने के बाद मृतक के परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाने से इनकार करते हुए सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर के बाहर धरना प्रदर्शन शुरु कर दिया था। बताया जा रहा है कि मनोहर के खिलाफ 2021 में बजाज नगर थाना इलाके में रीट परीक्षा में डमी बैठाने के मामले में उसकी गिरफ्तारी हुई थी। 2022 में उदयपुर के सवीना थाना क्षेत्र में भी डमी कैंडिडेट के प्रयास के आरोप में उसे पकडा गया था। वर्ष 2024 में स्कूल व्याख्याता भर्ती परीक्षा में भी उसका नाम सामने आया था।

ये था परिजनों का आरोप

गुरुवार को मृतक के परिजनों ने एसओजी के दो अधिकारियों श्यामसुंदर और मुकेश सोनी पर गंभीर आरोप लगाए। परिजनों का आरोप था कि मनोहर को लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। आरोप है कि किसी भी मामले में किसी के पकड़े जाने पर मनोहर का नाम जबरन जोड़ दिया जाता था। मनोहर ने दोस्तों को भेजे सुसाइड नोट में खुद को निर्दोष बताया था। मनोहरलाल भादू (35) जालोर जिले के सांचौर निवासी थे। उनके 3 बच्चे हैं, जो पत्नी के साथ गांव में रहते हैं। निलंबन के बाद वह जयपुर महेश नगर में किराए से रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। बुधवार शाम उन्होंने अर्जुन नगर रेलवे फाटक के पास ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली थी। जिसके बाद सुसाइड नोट की बात सामने आने पर मृतक के परिजन धरने पर बैठ गए और संविता कर्मी और सेवाकाल के सभी लाभ की मांग पर धरने पर थे।

सार-समाचार

डॉ. लीलाधर के काव्य संग्रह का विमोचन

जयपुर । सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सेवानिवृत उप निदेशक डॉ. लीलाधर दोचानिया के नव प्रकाशित कविता संग्रह "जिन्दगी मुस्कुराती रहे..." का विमोचन शुक्रवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में संपन्न हुआ। विमोचन वरिष्ठ साहित्यकार और फिल्म लेखक त्रिलोक चंद कौशिक, महाराष्ट्र के वरिष्ठ साहित्यकार मनीषा खटाते ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि डॉ. लीलाधर अपनी कविताओं के जरिये एक मुस्कुराते हुए समाज का स्वप्न देखते है और उन चीजों की गहरी पड़ताल करते है जो हमें निरंतर अमानुष बना रही है। कविताएं नकारात्मक माहौल में सकारात्मक सन्देश देती है। जीवन की सहज अनुभूतियों और संवेदनाओं को प्रकट करता कविता संग्रह समाज और जीवन की विसंगतियों और सच्चाइयों को रेखांकित करती है। कवि की गहन सोच शब्दों के माध्यम से प्रकट होती है। ऐसा लगता है कविताएं उनके मन की अकुलाहट और चिंतन का साक्षात परिणाम है। समारोह में लीलाधर ने भी अपनी कुछ रचनाओं का वाचन किया। समारोह का संयोजन सीमा वालिया ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ रंगकर्मी, नाटककार और जाने माने कलाकार ईश्वर दत्त माथुर, वरिष्ठ लेखक और पत्रकार बाल मुकुंद ओझा, वरिष्ठ साहित्यकार नन्द भारद्वाज, वरिष्ठ जनसम्पर्ककर्मी और कवि गोविन्द शर्मा, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी कनिष्क सैनी, कमांडेंट सतवीर सिंह, दलीप सिंह सहित अनेक प्रमुख लोग उपस्थित थे।

न्यू लोहा मंडी तक हटाए अतिक्रमण

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते ने सीकर रोड पर 200 फीट बाईपास से न्यू लोहामंडी क्षेत्र तक करीब 2 किलोमीटर दूरी में अवैध अतिक्रमणों को ध्वस्त किया। यह कार्रवाई 100 फीट सड़क पर सुगम यातायात मुहैया करवाने के उद्देश्य से की गई। इसके अलावा करीब 5 बीघा निजी खातेदारी की जमीन पर बसाई जा रही अवैध कॉलोनी को भी ध्वस्त किया। इसी प्रकार सड़क मोड से मुख्य दिल्ली रोड आमेर, कुण्डा चैक पोस्ट तक भी अतिक्रमण हटाए गए। जे.एल.एन. मार्ग पर बिरला मंदिर से रामनिवास बाग तक दोनों तरफ सड़क सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया। महानिरीक्षक पुलिस राहुल कोटोकी ने बताया सीकर रोड पर 100 फीट सड़क सीमा में अवैध अतिक्रमणों के कारण लोगों को आवाजाही में भारी परेशानी हो रही थी। इसके लिए शुक्रवार को 200 फीट बाईपास से न्यू लोहा मण्डी तक 100 फीट सड़क सीमा में आ रहे चबूतरे, सीढ़ियां, लोहे के गेट, बाउण्ड्रीवाल, लोहे के ऐंगल, टीनशेड, रेलिंग, थडियां, ठेले, बांस-तम्बू, तिरपाल, काउण्टर, टेबल कुर्सियां, होर्डिंग औश्र साईन बोर्ड हटाए गए। इसके अलावा बस्सी के ग्राम भवासाई ईशरवाला में 5 बीघा निजी खातेदारी की कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन और बिना भू रूपान्तरण करवाए काटी जा रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया। यहां पर अवैध कॉलोनी के लिए भूमि समतल करके मिट्टी-ग्रेवल की सड़कें, बाउण्ड्रीवाल और अन्य अवैध निर्माण कर लिए गए थे।

महेन्द्र सिंह बने कार्यवाहक प्रांतीय अध्यक्ष

जयपुर । जल भवन में राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ का विशाल प्रांतीय अधिवेशन संपन्न हुआ। इस अधिवेशन ने प्रदेश की कर्मचारी राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया, जहाँ श्रीगंगानगर से जैसलमेर और धौलपुर से बाड़मेर तक, राजस्थान के प्रत्येक जिले से आए हजारों कर्मचारियों के सैलाब ने संगठन की अटूट एकता का प्रदर्शन किया। प्रदेश प्रवक्ता बलराम गुर्जर ने बताया कि अधिवेशन के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों को प्राथमिकता देते हुए, प्रांतीय अध्यक्ष राजेश पारीक ने संघ के संविधान की धारा 12(घ) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग किया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह की गूँजती तालियों और नारों के बीच महेन्द्र सिंह धायल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षा विभाग) को कार्यवाहक प्रांतीय अध्यक्ष मनोनीत करने की घोषणा की। राजेश पारीक ने प्रदेश की समस्त जिला एवं ब्लॉक स्तरीय कार्यकारिणी को तत्काल भंग करने का आदेश जारी किया।

भ्रामक विज्ञापन पर सलमान खान को राहत

जयपुर (कासं)। राज्य उपभोक्ता आयोग ने राजश्री पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन से जुडे मामले में फिल्म अभिनेता सलमान खान को राहत दी है। इसके साथ ही आयोग ने जिला उपभोक्ता आयोग, द्वितीय को कहा है कि अवमानना करने वाले व्यक्ति पर यदि जमानती वारंट की तामील नहीं हो तो उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं किए जाए। आयोग पुनः जमानती वारंट जारी कर सकता है, लेकिन गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं किया जाए। आयोग अध्यक्ष देवेन्द्र कच्छावा और सदस्य सुरेन्द्र सिंह व करुणा जैन ने यह आदेश राजश्री पान मसाला की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

सोशल मीडिया पर हथियार के साथ फोटो डालने वाला युवक गिरफ्तार

जयपुर । सोशल मीडिया पर रसूख दिखाने के लिए अवैध हथियारों के साथ फोटो अपलोड करने वाले युवाओं के खिलाफ जयपुर पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन आग के तहत कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध देशी कट्टा बरामद किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) हनुमान प्रसाद ने बताया कि शहर में अवैध हथियारों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत पुलिस की साइबर टीम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ऐसे लोगों की निगरानी कर रही थी। जिन्होंने हथियारों के साथ अपनी फोटो पोस्ट की थी। निगरानी के दौरान एक युवक का फोटो देशी कट्टे के साथ मिला। जिसे पुलिस ने तुरंत चिन्हित किया।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार गुप्ता और एसीपी (झोटवाड़ा) आलोक सैनी के सुपरविजन में थानाधिकारी वीरेन्द्र कुरील के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने रोड नंबर 9 स्थित सेंट्रल कॉलोनी में शनि देव मंदिर के सामने घेराबंदी की। वहां मौजूद संदिग्ध राजकुमार उर्फ गुड्डू (22) की तलाशी लेने पर उसके पास से एक अवैध देशी कट्टा बरामद हुआ। पुलिस द्वारा हथियार

का लाइसेंस मांगने पर वह कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका।

गिरफ्तार आरोपी राजकुमार उर्फ गुड्डू मूलतः अनाह गेट (भरतपुर) का रहने वाला है और वर्तमान में मुरलीपुरा के सीकर रोड स्थित रोड नंबर 8 पर किराए से रह रहा था। अब पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी यह हथियार कहां से लेकर आया था और उसका उद्देश्य क्या था। इस सफल कार्रवाई में थानाधिकारी वीरेन्द्र कुरील के साथ हेड कांस्टेबल बाबूलाल, कांस्टेबल लोकेश, कान सिंह और महेश की विशेष भूमिका रही।

पीएम कुसुम योजना में प्रदेश ने 3 हजार मेगावाट क्षमता अर्जित की

राजस्थान अक्षय एवं सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पीएम कुसुम योजना (कम्पोनेन्ट ए तथा सी) में राजस्थान ने तीन हजार मेगावाट की क्षमता अर्जित की है। डबल इंजन सरकार के विजन से किसान 'अन्नदाता' के साथ 'ऊर्जादाता' और प्रदेश ऊर्जा के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर' बन रहा है। मुख्यमंत्री ने पीएम कुसुम योजना की इस उपलब्धि के लिए मेहनती किसानों, ऊर्जा विभाग और राजस्थान डिस्कॉम्स के कार्मिकों को बधाई दी है। राजस्थान अक्षय ऊर्जा एवं सौर ऊर्जा के साथ-साथ पीएम कुसुम योजना कम्पोनेन्ट ए तथा सी में देश का अग्रणी राज्य है। राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश के 22 जिलों में किसानों को अब दिन में बिजली मिल रही है। साथ ही, सौर ऊर्जा के क्षेत्र में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कम्पोनेन्ट बी में सोलर पम्पसेट लगाने पर अनुदान भी दिया जा रहा है। इसके साथ ही पीएम-कुसम योजना के कम्पोनेन्ट-सी के अन्तर्गत विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर चुके प्रदेश के ऊर्जादाताओं तथा डवलपरों के लिए केन्द्रीय वित्तीय सहायता स्वीकृत हुई है। केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने प्रथम चरण में 46 करोड़ 64 लाख़ रूपए की केन्द्रीय वित्तीय सहायता जारी करने की मंजूरी प्रदान कर दी है।

साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए बताए गए उपायों के लिए क्या किया?

राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से इस प्रकरण में जवाब मांगा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि प्रदेश में साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए अदालत की ओर से पूर्व में बताए उपायों के लिए अब तक क्या कार्रवाई की गई है। वहीं शेष काम कब तक पूरा कर लिया जाएगा। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने यह आदेश साइबर अपराध से जुड़े मामले में दायर जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में एसीएस गृह भास्कर ए. सावंत, डीजी कानून व्यवस्था संजय संजय अग्रवाल, एडीजी साइबर क्राइम वीके सिंह सहित विधि सचिव अदालत में हाजिर हुए। अदालत ने कहा कि वे मामले में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हैं, लेकिन पुलिस कमिश्नर को बुलाने के बाद भी अब तक ऐसे मामलों में कुछ नहीं किया गया। अदालती आदेश के बावजूद साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर नहीं बना है। इस पर एसीएस भास्कर सावंत ने कहा कि इसके लिए करीब दस हजार वर्गफीट जगह चाहिए। मामला मुख्यमंत्री के संज्ञान में भी है। उन्होंने भी सेंटर बनाने का आश्वासन दिया है। इस पर अदालत ने कहा कि कोई समस्या हो तो बताओ, हम न्यायिक आदेश जारी कर देते हैं। आप बिल्डिंग चिन्हित करो, आदेश हम कर देते हैं। वहीं एफएसएल विंग में कर्मचारियों की कमी को लेकर वीके सिंह ने कहा कि आरपीएससी की परीक्षा में योग्य उम्मीदवार नहीं मिले। इस पर अदालत ने कहा कि सालों से जो संविदा पर काम कर रहे हैं, उनकी सेवाएं ली जा सकती हैं। जिला मुख्यालय पर साइबर अपराध विशेषज्ञ सरकारी वकील की नियुक्ति पर एसीएस ने कहा कि हर जिला मुख्यालय पर एक और हाईकोर्ट की दोनों पीठ में एक-एक विशेषज्ञ सरकारी वकील नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। इसकी स्वीकृति भी मिल गई है। पन्द्रह दिन में सभी नियुक्तियां हो जाएगी। अदालती की ओर से डिजिटल उपकरणों की खरीद के मामले में जानकारी देते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि अधिकतर केस सिम कार्ड और बैंक खातों से जुडे हैं, लोग अपने सिम कार्ड और बैंक खाते इन्हें बेच देते हैं। इन्हे चिन्हित कर ब्लॉक करने का काम भी चल रहा है। अदालत ने चिंता जताई की गीग वर्कर्स के रूप में घरों में कौन घुस रहा है, किसी को पता नहीं है। पंजीकृत एक व्यक्ति है, लेकिन आता दूसरा है। सुनवाई के दौरान अदालत ने हल्के अंदाज में कहा कि आज भी हाईकोर्ट को बम से उडाने की धमकी मिली है, लेकिन हमेशा कोर्ट को ही यह धमकी क्यों मिल रही है। आज तक पुलिस के भवन में बम धमाका करने की ई-मेल किसी ने नहीं भेजी।

रीको के 24 नए औद्योगिक क्षेत्रों में मिलेगा पेयजल

जयपुर । रीको द्वारा प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। रीको के 24 नवीन औद्योगिक क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगभग 143 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इन औद्योगिक क्षेत्रों में पेयजल की व्यवस्था पीएचईडी के माध्यम से करवाई जाऐगी।

रीको के नवीन औद्योगिक क्षेत्र

- **इस प्रोजेक्ट पर करीब 143 करोड़ रुपए खर्च होंगे**

बड़गांव (सिरोही), मसूदा, किशनगढ़-6 एवं खोडा (अजमेर), रामा आसपुर (डूंगरपुर), प्रतापगढ़ एक्सटेंशन (प्रतापगढ़), कोटड़ा (धौलपुर), करनपुरा, उखालिया, फतेहपुरा समेलिया (भीलवाड़ा), मलसीसर (झुन्झुनूं), खुडियाला एवं तिंवरी (जोधपुर), सियामाली एवं बडी सीड (फलौदी), हरसौर (नागौर), श्रीराम जानकी राजास (डीडवाना-कुचामन), डोला जागीर, नाडोल एवं वरकाना (पाली), स्टोन पार्क मासलपुर (करौली), श्रीराम जानकी जटलाव गोठड़ा (सवाई माधोपुर), मऊ एवं नीमकाथाना-द्वितीय (सीकर) में कार्यरत इकाइयों को पेयजल उपलब्ध हो सकेगा । रीको प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने बताया कि रीको द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में उद्यमियों व कामगारों को आधारभूत सुविधाएं भी उपलब्ध की जा रही है। रीको का हरसंभव प्रयास रहा है कि निवेशकों को रीको औद्योगिक क्षेत्रों में अपनी उत्पादन इकाइयां स्थापित करने एवं उनके संचालन में किसी प्रकार की असुविधा ना हो ताकि वे निर्बाध रूप से अपने उद्योगों को संचालन कर सकें। इसी उद्देश्य से रीको प्रदेश में औद्योगिक ढांचे के सर्वांगीण विकास में जुटा है।

दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाले एनसीसी कैडेट्स का सम्मान

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राष्ट्रीय कैडेट कोर को विद्यार्थी जीवन को गढ़ने वाला बताते हुए कहा कि यह देश का अनुशासित, राष्ट्र प्रतिबद्ध सैन्य प्रशिक्षण से ही जुड़ा संगठन नहीं है बल्कि आपदा काल में देश सेवा से जुड़ा भी प्रमुख संगठन है। उन्होंने गणतंत्र दिवस परेड में राजस्थान कैडेट्स के परेड में भाग लेने और सांस्कृतिक आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

राज्यपाल बागडे शुक्रवार को लोकभवन में दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाले एनसीसी कैडेट्स के सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं के चरित्र निर्माण के साथ-साथ सेवा और एकता की भावना जगाने वाला संगठन है। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेट्स एक बार इसमें आता है तो फिर हमेशा राष्ट्र के लिए समर्पित हो जाता है। उन्होंने सभी को देश को समृद्ध बनाने में भूमिका निभाने का आव्हान किया।

उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने एनसीसी को चरित्र निर्माण की

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को लोकभवन में आयोजित समारोह में एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया।

पाठशाला बताते हुए कहा कि राज्य सरकार इस संगठन के विकास के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। उन्होंने एनसीसी कैडेट्स को सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के लिए कार्य करने का आव्हान किया। इससे पहले राज्यपाल बागडे ने एनसीसी के विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त कैडेट्स सीनियर अंडर ऑफिसर मोनिका, सलोनी यादव, नमन चौधरी, आयुषी जैन और अंडर ऑफिसर युवराज राठौड़ को लोकभवन में सम्मानित किया। उन्होंने चयनित

- **राष्ट्रीय कैडेट कोर विद्यार्थी जीवन को गढ़ने वाला : बागड़े**
- **समारोह में कैडेट्स ने लोक संस्कृति से जुड़ी प्रस्तुतियां दी**

कैडेट्स को उपहार भी प्रदान किए। कर्नल नितिन ने गणतंत्र दिवस परेड में राजस्थान के एनसीसी कैडेट्स के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका और राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी उपस्थित रहे। छात्र-छात्राओं ने इस अवसर पर राजस्थान की लोक संस्कृति और परम्पराओं से जुड़ी नृत्य और संगीत प्रस्तुतियां दी। बिड़ला बालिका विद्यापीठ, पिलानी की छात्राओं ने गणतंत्र दिवस परेड के दौरान प्रस्तुत राष्ट्र भक्ति से जुड़ी मधुर धुनें बैंड पर पेश की।

Rose Day: Celebrating Love and Affection

Rose Day, celebrated every year on February 7, marks the beginning of Valentine's Week and is a special occasion to express love, friendship, and admiration. Exchanging roses has become a timeless tradition, with each colour conveying a unique message, red for love, yellow for friendship, pink for gratitude, and white for peace. Beyond romantic gestures, Rose Day also celebrates bonds with family and friends, reminding us that small acts of affection can brighten someone's day. From gifting fresh blooms to sending thoughtful notes, the day encourages heartfelt connections and the simple joy of sharing love through roses.

#STORYTELLING

It's Not Water It's Feelings

They estimated that this tap water was worth over Rs. 1000 dollars. Why? Because now, they were not buying water. They were buying feelings

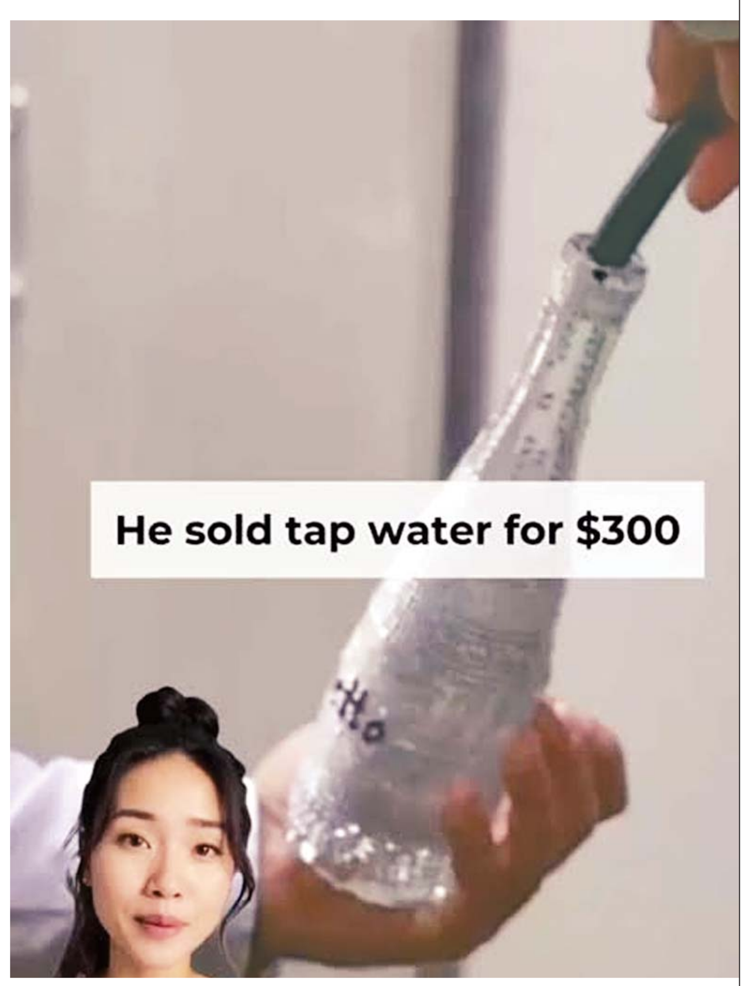

I filled wine bottles with tap water and sold them for 1000 dollars and people actually paid for it. An Australian creator Stanley Chen said this when he was trying to prove something weird about how our brains work. So, he created a fake luxury water brand Acqua di Rubinetto, which literally means tap water in Italian.

He filled empty wine bottles with water straight from the sink. He was attempting to test how much does storytelling and perception change brand value. He then brought these bottles to a water tasting event he hosted in an upmarket gallery, where wine sommeliers swirl, sniff and judge like its fine wine. He told the judges these waters came from secret springs in Japan, Antarctica, rare glaciers. The judges swirled it, smelled the vapour, and tasted drops from their hands. They estimated that this tap water was worth over Rs. 1000 dollars. Why? Because now, they were not buying water. They were buying feelings.

Standford researchers found that when people think something costs more is more expensive, their brain actually experiences more pleasure, even when the product is identical. They tested this with wine, painkillers, and energy drinks. In one study, 85 per cent of people felt less pain when they were given an expensive sugar pill, compared to only 61 per cent, when given cheap one. Same sugar pill, different price tags, different results. Your customers are not buying your product. They are buying the story you tell them about it, the feeling that they get owning it. The person they become on using it.

Stanley proved that with enough context, the right bottle, the right words, and the right atmosphere, even tap water becomes priceless. So, stop competing on features and price. Start building feelings because there is nothing stronger than storytelling.

It's Madrasian Culture...

Foote was a geologist by training, and he could have dismissed it as a passing distraction. However, his intellectual curiosity and scientific temper drove him to pursue this random event to its logical end. Sitting in far off India, he had kept himself abreast of developments in geology, biology, anthropology and archaeology. And so, he was able to connect the dots and recognise the scientific importance of what he had discovered. He made his first international presentation in 1866. He was admitted as a Fellow of the Geological Society of London in 1867, and later, a Member of the Royal Anthropological Institute.

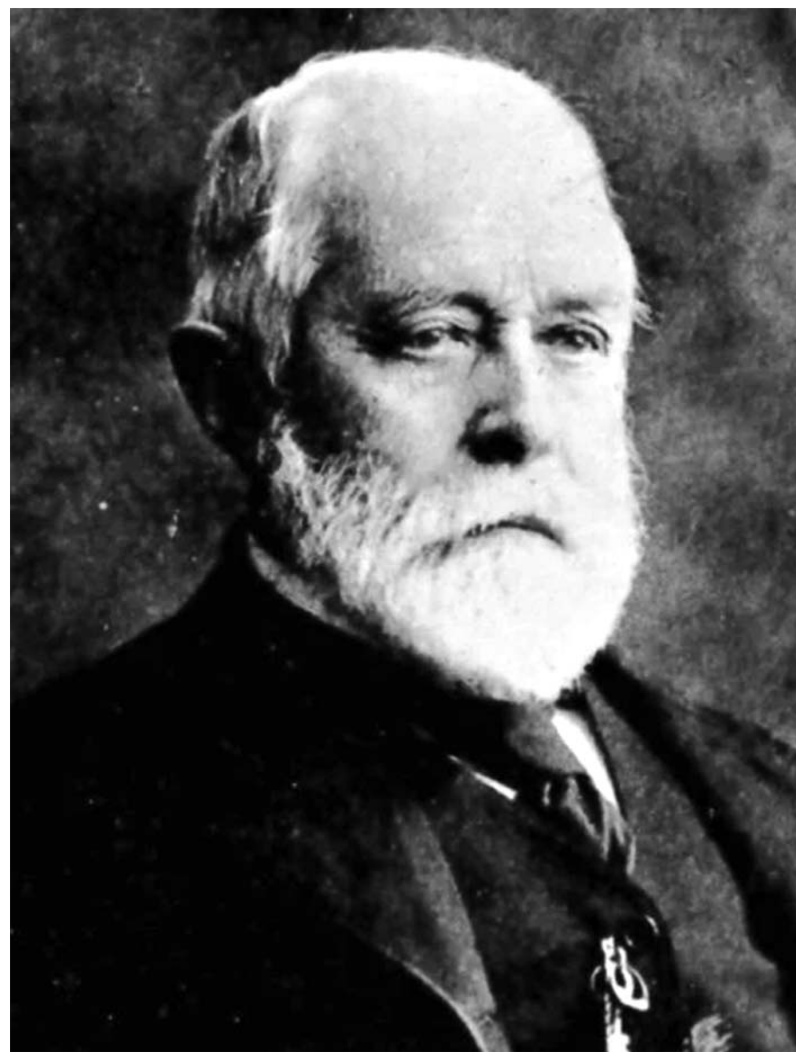

Robert Bruce Foote.

First batch of geologists employed by GSI.

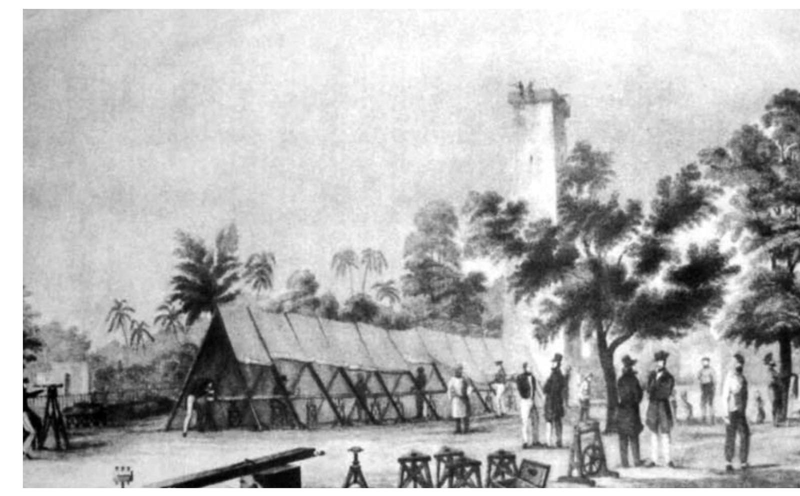

#WONDERS

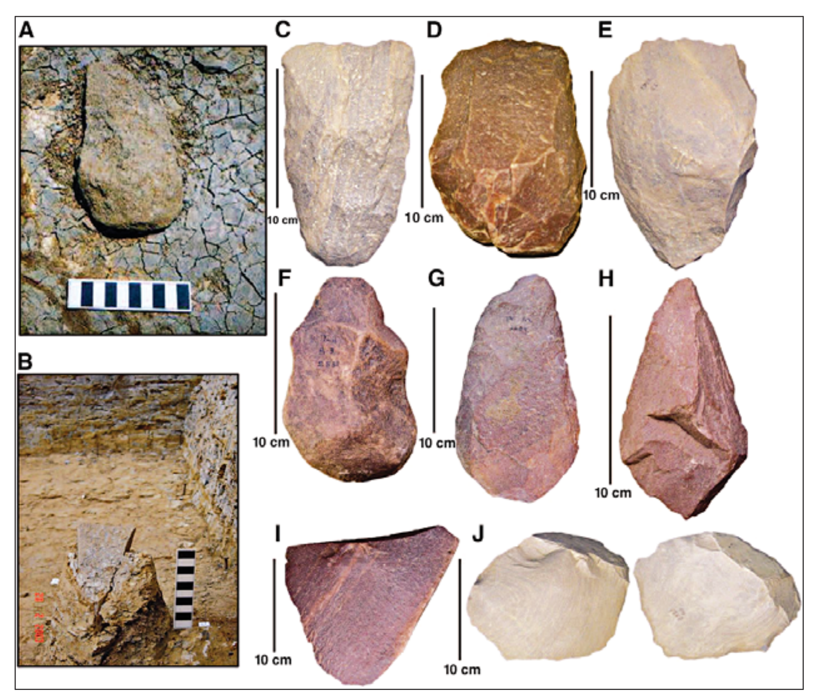

Acheulean tools excavated from Attirampakkam.

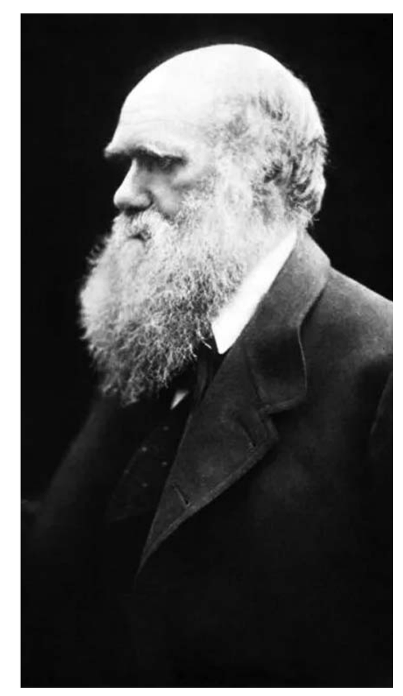

Charles Darwin.

• Kshema Jatuhkarana

Why is Robert Bruce Foote, an Englishman, considered to be the 'father of Indian prehistory?' What is the significance of 'Madrasian Culture?' Read on for the fascinating story of a man who made Madras an unforgettable name in anthropology.

This August, Madras (present-day Chennai) will be 384 years old. And Madrasian Culture will be 1.5 million years old. Wait, what kind of convoluted calculation is this? Well, 'Madrasian Culture' is the scientific name of a prehistoric civilization that practised the cutting-edge technology of the Lower Palaeolithic period (early stone age), called 'Madrasian Industry.' What could have qualified as cutting-edge technology then? Making stone hand tools with sharp cutting edges, of course. Puns aside, that really was an industry then. One of the earliest proofs of such a tool-making society was unearthed near Chennai by a brilliant British scientist. So significant was the discovery that Madrasian Culture became the standard against which similar discoveries were benchmarked! This is the story of the man who made Madras an unforgettable name in anthropology!

How old is the Earth? Till about the early 19th century, Western scientists might have said 'about 6000-7000 years.' This was based on a certain interpretation of the Bible. But in 1858, Charles Darwin jolted the scientific establishment with a theory that proposed a gradual geological and biological evolution that took millions, not thousands, of years. While the debate was on, a young scientist named Robert Bruce Foote joined the Geological Survey of India (GSI). He was already familiar with Darwin's work.

Charles Darwin

The GSI had been formed in 1851, mainly to map India's mineral wealth, so that the British could exploit it. But it also spawned some scholarly research by passionate scientists like Foote. When Foote reached Madras in 1858, the GSI was surveying the rocks of Trichy (335 km away). One of the team members had died of a heatstroke on the field, and Foote was the replacement. Not an ideal start to a career. The team successfully completed their task and returned to Madras after three years. He also made a friend in William King Jr., a colleague with whom he would later make outstanding discoveries.

At Madras, he began to deliver lectures at the College of Engineering (which is now in Guindy). He also met Peter Percival, a university teacher who gave up his missionary profession to pursue a career in Indology. He was a progressive thinker, a Tamil and Telugu scholar who had published dictionaries for both languages and translated the works of the ancient Tamil poet Avvaiyar. The mutual admiration between the two intellectuals led to a close bonding and Foote was a frequent visitor to the Percival home at Luz, Mylapore. There, he met Percival's daughter, Elizabeth Anne. They were married at St. Thomas Church in Santhome in 1862.

The year 1863 was a turning point in Foote's life. He was blessed with a son, Henry (who would later assist him in his geological expeditions). And he made an amazing discovery near the parade ground at the cantonment in Pallavaram, then a village outside Madras, but now part of the greater metropolitan Chennai. He spotted a piece of quartzite stone and realised it was not a natural shape: it had been worked upon by human hands. It looked like the head of an axe or a cleaver that a prehistoric human would have used for digging roots, or cutting meat. It was a 'bi-face' or a tool which had a sharp edge on both sides: which would have been a technological breakthrough for its times. Foote had read about a similar find in Saint Acheul in France before Darwin's theories had gained widespread acceptance, so, it rang a bell. Just four months later at Attirampakkam (on the banks of the Kortalaiyar river, about 60 kms from Madras), Foote and King found more prehistoric artefacts. This enthused Foote to return to Pallavaram and search more rigorously. Lo and behold, he found a few more tools. He sent his collections to England for analysis and learnt that he had indeed found something unique: a highly skilled prehistoric society that once inhabited Madras! His findings were supportive of Darwin's theory.

Foote was a geologist by training, and he could have dismissed it as a passing distraction. However, his intellectual curiosity and scientific temper drove him to pursue this random event to its logical end. Sitting in far off India, he had kept himself abreast of developments in geology, biology, anthropology and archaeology. And so, he was able to connect the dots and recognise the scientific importance of what he had discovered. He made his first international presentation in 1866. He was admitted as a Fellow of the Geological Society of London in 1867, and later, a Member of the Royal Anthropological Institute. Foote worked tirelessly till his retirement. He worked at the Billa Surgam cave complex (aka the Grand Canyon of India) near Kurnool in Andhra, discovered a neolithic stone tool factory at Sanganakallu hill in Bellary (Karnataka) and many other sites. He identified new gold mines in Kolar, Karnataka. He opened up over 450 sites in all the southern states, TN, Andhra-Telangana, Karnataka, Kerala, Odisha and even Lakshadweep. It is estimated that he must have covered over 53,000 kms on horseback! Whenever he studied a site, he tried to understand the terrain, the vegetation and its local culture. He was a perfectionist. His notes not only classified and catalogued the materials he excavated, but also analysed the technology used, specified the exact location of the find, and jotted every other connected fact. And if that was not enough, he was also an accomplished landscape artist and illustrator too. He became the director of GSI in 1887 and retired in 1891.

Post retirement, he briefly served the Indian kingdoms of Baroda and Mysore as the chief geologist and later settled down at Yercaud. He died in 1912 on an assignment in Calcutta (Kolkata), and was cremated there.

He had left behind a comfortable nest egg for his family. Unlike many scientists, he had a good understanding of the commercial world. He had invested wisely in shares of blue chip companies of Madras. His investment portfolio included Parry & Co (its Indian avatar is flourishing even today), Bank of Madras (which eventually became part of the State Bank of India), Mysore Gold Mines and Spencer & Co (India's first departmental store).

After he became famous, there had been many international offers for his collection of ancient artefacts. Foote firmly believed that these should never leave the country. So, he sold them to the Madras Museum in 1904. The price was a princely Rs. 33,000 (comparable to Rs. 2 million today). It was a lot of money for a retired government geologist, but he had truly earned it. The superintendent of the museum, Dr. Edgar Thurston (a medical officer turned anthropologist) had no hesitation in paying it, because that single transaction made the Madras Museum the greatest treasure house of Madrasian Culture.

PS. We regard Foote as 'the father of Indian prehistory.' How are we so sure that the hand-tools of Attirampakkam are 1.5 million years old? Could the 19th century dating techniques have been too approximate? Eminent geologist Dr. Shanti Pappu, who has studied the works of Foote deeply, decided to find out. She sent samples from Attirampakkam to a hi-tech lab in France. They used two tests: Palaeomagnetic and Cosmogenic nuclide. Both affirmed that they were 1.5 million years old.

Palaeomagnetic tests are based on the fact that the Earth has reversed its magnetic pole many times. These reversals leave definite imprints on rocks and these are analysed to determine the age of a stone tool. Cosmogenic nuclide tests are based on the fact that the Earth is constantly bombarded by cosmic rays (high energy charged particles) from outer space. These impact stones on the surface or close to the surface of the Earth. By studying the impact pattern on the stones, scientists can estimate the age of a stone.

Darwin was right. Scientists now estimate that the Earth is 4.54 billion years old. And Madras has been part of it for the last 1.5 million years!

rajeshsharma1049@gmail.com

Government Museum, Chennai.

Hand axe found at Saint Acheul, France.

The Government Museum in Egmore is exhibiting artefacts from renowned geologist Robert Bruce Foote's collection.

#PAST

Crazy Things That Were Considered Normal

Parents refrained from giving their child a name until they were sure that the child would survive into their fifth year

History is full of practices and norms that seem downright bizarre or even cruel by today's standards. What we now consider common sense, such as the importance of childhood or the idea that children should be protected and nurtured, wasn't always universally accepted. In fact, the concept of childhood, as we know it today, is a relatively modern development. Let's take a look at some of the strange and unsettling practices that were once considered perfectly normal in the past.

1. Children Were Not Named Until They Reached Five

In pre-modern times, high child mortality rates were a grim reality for families, and many cultures adapted to this harsh reality in surprising ways. One such practice was the custom of not naming children until they reached five years old. In societies where infant mortality was high, sometimes as high as 30% or more, parents refrained from giving their child a name until they were sure that the child would survive into their fifth year. The belief was that naming a child before this age would be tempting fate, as many babies didn't live long enough to reach a proper name day.

2. Childhood Didn't Really Exist for Many Children

In the past, childhood as we know it, a period of protection, education, and development, didn't really exist for most children. Until the 19th century, children were often viewed primarily as economic assets rather than innocent, carefree beings. For many, especially in lower social classes, childhood was a time of hard work rather than play.

By the age of five or six, many children were already contributing to the household or family business. For example, young boys were sent to work as apprentices, often in physically demanding jobs such as working in farms, factories, or as laborers. They were expected to grow up quickly and start pulling their weight in the family economy. This was a sharp contrast to modern expectations, where childhood is a time for education and leisure.

Girls, too, were often put to work at a very young age. Instead of receiving an education, they were tasked with household chores, caring for younger siblings, or helping with family-run businesses. Weaving, sewing, and cooking were typical tasks for young girls. While some did receive some form of education, it was often informal and geared towards preparing them for domestic life rather than intellectual development.

Conclusion: A Look Back at the Past

When we look at the way people lived in the past, it's hard to imagine a time when child mortality was so high, or when children were expected to work at such young ages. The idea of childhood as a time for education, play, and nurturing is a relatively modern concept. These historical practices, however harsh or strange they may seem to us today, were simply the realities of life in eras where survival was a daily struggle, and resources were scarce.

As society has evolved, we've come to value the protection and well-being of children in ways that would have been unimaginable in the past. Modern concepts of childhood, education, and gender equality have drastically changed the world, and while the past may seem harsh, it also serves as a reminder of how far we've come in ensuring that children can enjoy a safe and nurturing environment as they grow up.

THE WALL

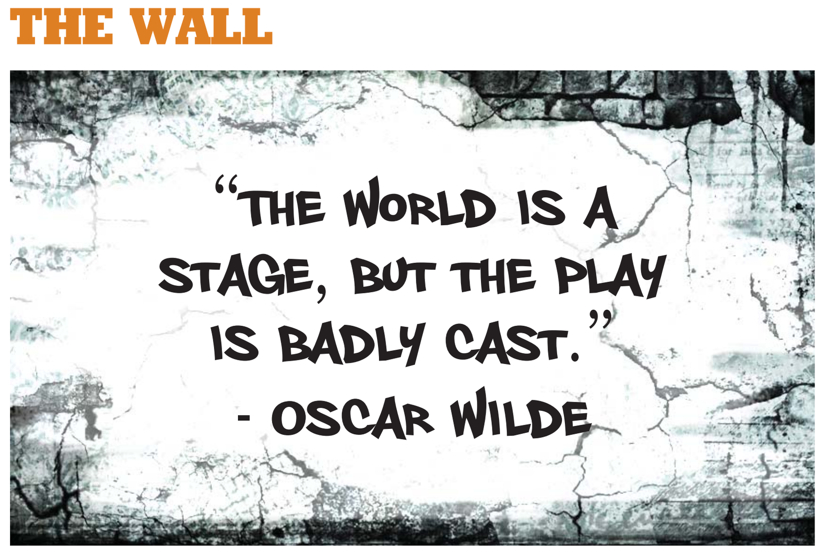

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

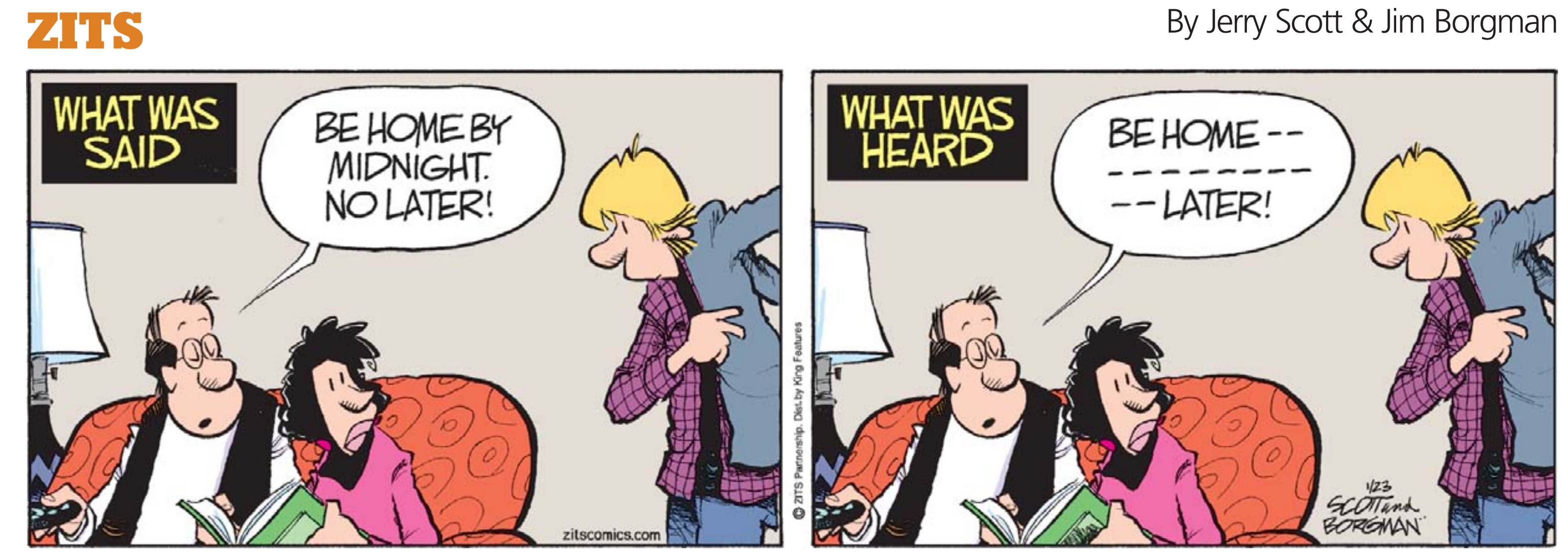

समसा शिक्षा विभाग के दो इंजीनियरों को 23,400 की रिश्वत लेते पकड़ा

एसीबी ने धीरेन्द्र श्रीवास्तव, कनिष्ठ अभियंता (सिविल) मुख्यालय और राकेश कुमार गुप्ता, कनिष्ठ अभियंता कुम्हेर ब्लॉक (संविदाकर्मी) को पकड़ा

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर एसीबी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो इंजीनियरों को 23,400 रुपये रिश्वत की राशि लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए धीरेन्द्र श्रीवास्तव, कनिष्ठ अभियंता (सिविल) मुख्यालय और राकेश कुमार गुप्ता, कनिष्ठ अभियंता कुम्हेर ब्लॉक (संविदाकर्मी) को पकड़ा है। एसीबी की टीम दोनों आरोपी से पूछताछ जारी है।

एसीबी के एडिशनल एसपी अमित कुमार ने बताया कि एसीबी चौकी भरतपुर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी द्वारा किये गये कार्यों के संदर्भ में जो एसडी (सुरक्षा जमा राशि जमा कराई थी, उक्त एसडी को देने की एवज में धीरेन्द्र श्रीवास्तव कनिष्ठ अभियंता (सिविल) मुख्यालय व राकेश कुमार गुप्ता कनिष्ठ अभियंता कुम्हेर ब्लॉक (संविदाकर्मी) द्वारा परिवादी से 7.1 प्रतिशत के हिसाब से कुल 23.400 रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है। एसीबी भरतपुर द्वारा ट्रेप कार्रवाई करते हुए आरोपी धीरेन्द्र श्रीवास्तव कनिष्ठ अभियंता (सिविल) मुख्यालय व राकेश कुमार गुप्ता कनिष्ठ अभियंता कुम्हेर ब्लॉक (संविदा कभी) कार्यालय एडीपीसी समग्र शिक्षा समसा भरतपुर को 23,400 रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में दोनों आरोपियों से पूछताछ की गई।

- **जमा एसडी देने की एवज में कनिष्ठ अभियंता (सिविल) मुख्यालय व कनिष्ठ अभियंता कुम्हेर ब्लॉक (संविदाकर्मी) द्वारा परिवादी से 23.400 की रिश्वत मांगी**

राजकीय चिकित्सालय कर्मचारियों ने की गलत जांच : उदयपुर के गोगुन्दा थाना पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर सरकारी चिकित्सालय के कर्मचारियों के खिलाफ रोगी की गलत जांच करने का मामला दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित महेन्द्र पुत्र मोहनलाल पालीवाल निवासी चाटिया खेड़ी गोगुन्दा ने आरोपी गोगुन्दा चिकित्सालय में कार्यरत लेब टेक्नीशियन लता हरिजन, अशोक चौधरी, दिव्यांग व अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि मेरे मौसी के लड़के जसवंतगढ़ निवासी श्रवण कुमार को 31 जनवरी को गोगुन्दा चिकित्सालय में उपचार कराने लाया था। जहां चिकित्सकों ने परामर्श दिया तथा आरोपियों ने उसकी जांच की तथा रिपोर्ट में नॉर्मल बताया था। वहां से दवा लेकर घर चले गए। इसके बावजूद स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर उदयपुर पहुंच कर निजी लेब में श्रवण की जांच करवाई, जहां उसकी किडनी में रोग होने का खुलासा हुआ। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

वृद्धा की नथ छीनने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार : उदयपुर के खेरोदा थाना पुलिस ने वृद्धा की सोने की नथ छीनने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित कालीबाई पत्नी गंगाराम निवासी गायरों को मोहल्ला खेरोदा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। कि 24 जनवरी को मैं व भुभुत गायरी दोनों 4 तालाब की पाल पर गरियां चरा रहे थे। इस दौरान बाइक पर आए दो व्यक्ति तालाब की पाल पर आकर खडे रहै। इस दौरान भुभुत लकड़ियां काटने गया इसको देख दोनों बदमाश मेरे नाक से सोने की नथ नाक से छिन ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजेन्द्र जैन के सुपरविजन में खेरोदा थानाधिकारी सुरेश विश्नोई के नेतृत्व में गठित दल ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी फतहनगर पुलिस थाने के हिस्ट्रीशिटर पंकज पुत्र जीतमल उर्फ जीतु निवासी जेवाणा, किशनलाल पुत्र मांगीलानल निवासी सनवाड़ रोड़ फतहनगर तथा प्रकाश पुत्र हजारी लाल निवासी खरताणा फतहनगर को गिरफ्तार किया। पंकज ने पूछताछ में साथियों के साथ वारदात करना कबूल किया था।आरोपी पंकज ने साथियों के साथ मिल कर वल्लभनगर, भीण्डर, भोपालसागर, मंगलवाड़, कपासन, मावली, कांकरोली, गारियावास, राजसमन्द, मोरचणा राजसमन्द में भी चोरी एवं लूट की वारदातें करना कबूल किया है।

भीलवाड़ा : 50 वर्ष से बसे 50 घुमंतु परिवारों को बेदखल करने की कोशिशें तेज

जन अधिकार समिति ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

- **आरोप है कि स्थानीय महात्मा गांधी विद्यालय द्वारा इन परिवारों को नोटिस दिए गए और प्रशासन की मदद से उनकी सिंचित खड़ी फसल को बर्बाद कर दिया गया**
- **फसल उजाड़ने के बाद अब इन 50 परिवारों के आशियानों को भी जमींदोज करने की धमकी दी जा रही है**

भीलवाड़ा, (निसं)। माण्डल स्टेशन नगर के सामने सल्जर फैक्टरी के पास स्थित रंगास्वामी घुमन्तु बस्ती के परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पिछले 50 वर्षों से यहां निवास कर रहे और खेती के जरिए अपना पेट पाल रहे करीब 50 परिवारों को बेदखल करने की कोशिशें तेज हो गई हैं। जन अधिकार समिति, भीलवाड़ा ने इस मामले में गहरा रोष व्यक्त करते हुए जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।

समिति के जिला संयोजक जगदीश दास रंगास्वामी ने बताया कि स्थानीय महात्मा गांधी विद्यालय द्वारा इन परिवारों को नोटिस दिए गए और प्रशासन की मदद से उनकी सिंचित खड़ी फसल को बर्बाद कर दिया गया। ये परिवार पिछले 45-50 वर्षों से इसी जमीन पर खेती कर अपना गुजारा कर रहे थे। फसल उजाड़े जाने से इन गरीब परिवारों के सामने अब रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। इससे बस्ती के निवासियों में भय व्याप्त है। फसल उजाड़ने के बाद अब इन 50 परिवारों के आशियानों को भी जमींदोज करने की धमकी दी जा रही है। जन अधिकार समिति का कहना है कि राज्य सरकार की नीति के अनुसार, किसी भी घुमन्तु परिवार को तब तक विस्थापित नहीं किया जा सकता जब तक कि उनके लिए वैकल्पिक आवास या पुनर्वास की व्यवस्था न कर दी जाए। विद्यालय प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों की यह कार्यवाही सीधे तौर पर मानवाधिकारों और सरकारी नियमों का उल्लंघन है।

जिला कलैक्टर को दिये ज्ञापन में बस्ती के ध्वस्तीकरण पर तुरंत रोक लगाने, गरीब परिवारों की खड़ी फसल उजाड़ने वाले दोषियों की जांच कर सख्त कार्यवाही करने, इन परिवारों को राज्य सरकार की योजनांतर्गत पट्टे आवंटित कर स्थायी रूप से बसाया जाने की मांग की गई। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि इन निर्दोष परिवारों को न्याय नहीं मिला और विस्थापन की कार्यवाही नहीं रोकी गई, तो संगठन आंदोलन के लिए मजबूर होगा। इस दौरान संयोजक अजमेर संभाग राजकुमार मालावत, जन अधिकार कार्यसमिति भागचंद झाझावत, भंवरनाथ, गोपीदास, राहुलदास, धर्मदास, भंवर कंजर, रघुवीर सांसी, भैरूदास, कालूदास, विक्रमदास, सत्तुदास, मदनदास, रतनदास, राजूदास, सीता बाई सांसी, सीता बाई, गीता बाई, जमना बाई, मंजू बाई, डगली बाई आदि उपस्थित रहे।

42 घंटे बाद मिला एनिकट में डूबे किसान का शव

एसडीआरएफ टीम ने शव को घटना स्थल से करीब 20 मीटर आगे से निकाला।

टोंक, (निसं)। पचेवर थाना क्षेत्र में माशी नदी पर बने एनीकट में डूबे किसान का शव शुक्रवार को 42 घंटे बाद एसडीआरएफ टीम को शव घटना स्थल से करीब 20 मीटर आगे मिला। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

एसडीआरएफ टीम प्रभारी राजेंद्र गुर्जर ने बताया कि मृतक कानाराम (27) पुत्र सकराम बावरीनिवासी बाछेड़ा जो बंटाई पर खेती करता था, जो गत बुधवार को नहाते समय गहरे पानी में चला गया, जिसकी पानी में डुबने से मौत हो गई। बाद में सूचना पर पंहुची एसडीआरएफ टीम व सिविल डिफेंस की टीम ने लगातार प्रयास के बाद तीसरे दिन शुक्रवार सुबह ने घटना स्थल से करीब 20 मीटर दूर कानाराम का शव बरामद कर लिया। शव को पचेवर थाना पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक चालक की मौत : उदयपुर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में ट्रेलर की टक्कर से बाइक चालक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतापनगर थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में बाइक चालक चेनराम (44) पुत्र लच्छीराम डांगी निवासी वालाथल वल्लभनगर की मौत हो गई। चेनराम बाइक पर अम्बेरी से गांव जा रहा था। जहां बीच रास्तें में ट्रेलर ने उसे चपेट में ले लिया, जिससे वह पुलिया से निचे जा गिरा। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना मिलने पर एएसआई सुनिल विश्नोई ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

वहीं गत दिनों आलाव तापते समय झुलसी किशोरी किरण (16) पुत्री मनोहर ढोली निवासी डुंगरी फला पडूणा टीडी की एमबी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। एएसआई बीहारीलाल ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

लाखों के जेवर व नकदी चोरी : उदयपुर शहर केभुपालपुरा थाना क्षेत्र में स्थित सूने मकान का चोर ताला तोड़ कर लाखों के जेवर व नकदी चुरा ले गए। भुपालपुरा थाना क्षेत्र सरदारपुरा निवासी चतरलाल सोमानी परिवार सहित 5 फरवरी को भीलवाड़ा गए थे। दूसरे दिन मकान का ताला टूटा होने की सूचना मिली। इस पर घर लौट कर देखा तो ताले टूटे हुए एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी ली तो करीब 20 तोला सोने के जेवर, डेढ किलो चांदी के जेवर व नकदी गायब थी।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

रामगंजमंडी, (निसं)। रामगंजमंडी क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। उंडवा सड़क मार्ग पर ओम साईंनाथ कोल्ड स्टोरेज के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में मृतक की पहचान मुकेश प्रजापति (35 वर्ष) निवासी संधारा के रूप में हुई है। वहीं गंभीर रूप से घायल युवक भेरूलाल, निवासी कलाकोट बताया गया है। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद रामगंजमंडी अस्पताल से हालत गंभीर होने पर झालावाड़ रेफर किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों युवक इंडस्ट्रियल एरिया में मशीन ऑपरेटर के रूप में कार्यरत थे। गुरुवार रात करीब 10 बजे ड्यूटी समाप्त कर वे बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मुकेश प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही रामगंजमंडी पुलिस मौके पर पहुंची और कार को कब्जे में ले लिया। हालांकि हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है तथा मामले की जांच की जा रही है। बताया गया है कि मृतक मुकेश प्रजापति अपने परिवार का एकमात्र सहारा था।

आश्वासन के बाद सुलझा मामला

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के सवीना थाना क्षेत्र में गुरुवार को चाकूबाजी के बाद एक घंटे तक एंबुलेंस में तड़पने के बाद युवक की मौत हो गई थी। मामले में शुक्रवार को दूसरे दिन भी धरना-प्रदर्शन के बाद उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा के हस्तक्षेप से समाज एवं परिजनों के साथ हुए समझौते के बाद परिजनों को शव सौंप दिया गया।

गुरुवार को प्रेम गमेती (32) को बदमाशों ने लूटने की कोशिश की थी। वारदात के दौरान उस पर चाकू से वार भी किया था। एंबुलेंस से उसे हॉस्पिटल ले जाना था लेकिन उसे थाने ले गए।थाने के बाहर एंबुलेंस एक घंटा तक खडी रही। आखिरकार उसने दम तोड दिया। प्रशासन और परिजनों के बीच हुए समझौते के तहत मृतक की पत्नी को संविदा पर नौकरी तथा नियमानुसार आर्थिक सहायता के आश्वासन के बाद पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया।

बाजरे के कट्टों से भरा ट्रक पलटा

निवाई/ गुंसी, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर स्थित गांव मूंडिया के समीप गुरुवार रात करीब साढ़े दस बजे एक गाय को बचाने के प्रयास में बाजरे के कट्टों से भरा हुआ ट्रक असंतुलित होकर करीब दस फीट गहरी खाई में पलट गया, जिससे बाजरे की बोरियां बिखर गई। हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंचाी और घटना की जानकारी ली।

सदर थाना प्रभारी हीरामन मीणा ने बताया कि गांव भीमाना तहसील पाली निवासी शैतान गरासिया ट्रक में भरतपुर से बाजरे की बोरियां भरकर गुजरात जा रहा था। इसी दौरान मूंडिया बायपास पर अचानक एक गाय ट्रक के सामने आ गई। जिसको बचाने के प्रयास में ट्रक असंतुलित होकर सड़क मार्ग से नीचे जाकर करीब दस फीट गाहरी खाई में पलट गया। पुलिस ने राहगीरों की सहायता से चालक को सकुशल बाहर निकाला और क्रेन की सहायता से ट्रक को खड़ा करवाया।

अजमेर के बोराड़ा टोल पर ग्रामीणों का हंगामा

- **20 किलोमीटर दायरे के गांवों को टोल मुक्त करने की मांग, प्रदर्शन के बाद आश्वासन मिला**

अराई/ अजमेर, (निसं)। अराई-सरवाड़ राज्य राजमार्ग पर बोराड़ा में स्थित टोल टैक्स को लेकर शुक्रवार को आसपास के ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने टोल प्लाजा पर धरना प्रदर्शन करते हुए जमकर हंगामा किया और स्थानीय लोगों को टोल से मुक्त करने की मांग की। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही अरांई व बोराड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए ग्रामीणों से समझाइश के प्रयास किए।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि टोल बूथ पर कार्यरत कर्मचारियों द्वारा उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। इसके साथ ही आसपास के गांवों के वाहनों से भी जबरन टोल वसूला जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि टोल प्रशासन द्वारा ग्रामीणों को किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जा रही, जिससे रोजमर्रा की आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धरना दे रहे ग्रामीणों की प्रमुख मांग है कि बोराड़ा टोल टैक्स के आसपास के लगभग 20 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सभी गांवों को टोल मुक्त किया जाए, ताकि किसानों, मजदूरों और विद्यार्थियों को राहत मिल सके।

काशीर सरपंच भागचंद चौधरी ने बताया कि उन्होंने केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के पुत्र व भाजपा नेता सुभाष चौधरी को दूरभाष पर पूरे मामले से अवगत कराया। इस पर सुभाष चौधरी ने टोल मैनेजर से बातचीत कर 20 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सभी वाहनों को टोल फ्री करने के निर्देश दिए। टोल फ्री करने के निर्देश मिलने के बाद ग्रामीणों ने कुछ हद तक संतोष जताया, हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन नहीं होता, तब तक वे आंदोलन के लिए तैयार रहेंगे।

इस दौरान समाजसेवी सांवरलाल भामू, बोराड़ा के पूर्व सरपंच शक्ति प्रताप सिंह राठौड़, सीपीएस स्कूल के श्रवण चौधरी, शंकर चौधरी काशीर, दीपक खटीक गोठियाना, कुलदीप सिंह गोठियाना, पंकज वैष्णव बोराड़ा, मोहन चौधरी रिंगनोट, खुशीराम चौधरी लापड़ा, कैलाश बैरवा गोठियाना, प्रधान गोठियाना, मेघराज चौधरी लापड़ा सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

बाइक चोरी का फरार आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। बिजौलिया पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में 18 महीने से फरार चल रहे एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की गई बाइक बरामद कर चुकी थी।

जानकारी के अनुसार मामला अगस्त 2024 का है। 30 अगस्त को फरियादी मांगीलाल शर्मा विन्ध्यावासनी माताजी मंदिर दर्शन करने गए थे, जहां बाहर खड़ी उनकी हीरो स्प्लेंडर बाइक चोरी हो गई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उस समय दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बाइक बरामद कर ली थी, लेकिन तीसरा आरोपी अजय सिंह तब से पुलिस की गिरफ्त से दूर था।

थानाधिकारी स्वागत पांड्या के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने मुखबिर की सूचना और तकनीकी सहायता से आरोपी अजय सिंह पुत्र हनुमान सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मूल रूप से बूंदी जिले के लाम्बा पीपल का रहने वाला है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी स्वागत पांड्या के साथ हैड कांस्टेबल विजय सिंह, हरिसिंह और कांस्टेबल दलवीर की अहम भूमिका रही।

जैसलमेर के धोरों में सुपर कारों का इवेंट "द डेजर्ट स्टॉर्म" शुरू

- **चार दिन तक चलने वाले इस इवेंट में देश की सबसे महंगी 13 करोड़ रुपए की लेम्बोर्गिनी कार भी शामिल है**

जैसलमेर, (निसं)। जिले को पर्यटन मानचित्र में दुनिया में सिरमौर बनाने हेतू धोरों में शुक्रवार से सुपर कारों का इवेंट द डेजर्ट स्टॉर्म शुरू हुआ। चार दिन तक चलने वाले इस इवेंट में देश की सबसे महंगी 13 करोड़ रुपए की लेम्बोर्गिनी कार भी शामिल है। ये कार महज ढाई सेकेंड में ही 100 किलोमीटर प्रतिघंटे की स्पीड पकड़ लेती है। इस इवेंट में 14 सुपर लग्जरी कारें शामिल हैं, जिनकी कीमत ढाई करोड़ से शुरू हो रही है। खास बात ये भी है कि इसमें माधुरी दीक्षित के पति डॉ. नेने से खरीदी गई पोर्शे कार भी शामिल है।

जानकारी के अनुसार यह टूर 4 दिनों का है, जिसमें कुल 33 सदस्य (28 प्रतिभागी और 5 क्रू मेंबर) शामिल हैं। मुंबई, पुणे और गुजरात के बड़े उद्यमी इस सफर का हिस्सा हैं। ये कारें जैसलमेर के सोनार किला, हवेलियों और रेगिस्तानी कैंपों में जाएंगी। इस इवेंट को मुंबई के 43 साल के इवेंट कंपनी मालिक जैन रईस करवा रहे हैं। इसका नाम द डेजर्ट स्टॉर्म है। वे फैशन इंडस्ट्री से भी जुड़े हैं। इसकी शुरुआत साल 2019 में हुई थी। जैन रईस ने 2019 में अपनी पहली लग्जरी कार पोर्शे खरीदी थी। इस कार की स्पीड से उन्हें आइडिया आया कि क्यों न इसे केवल ड्राइविंग तक सीमित न रखकर भारत के टूरिस्ट प्लेस को प्रमोट किया जाए। साल 2025 में उन्होंने द सुपर कार रूट की शुरुआत की। आज इनके ग्रुप में 150 लोग शामिल हैं। जैन रईस का मानना है कि इन सुपर कार को देश के ऐसी जगहों पर ले जाना है, जहां का एनवॉयरमेंट और वहां की परस्थितियां इन कारों के लिए चुनौती हों। यही कारण रहा कि वे हिमाचल, सतारा के कास पठार और सिक्किम के गंगटोक जैसी दुर्गम जगहों पर इन कारों को ले जा चुके हैं। इस बार इन्होंने इन सुपर कारों के लिए जैसलमेर को चुना है।

खेजड़ी बचाओ आंदोलन : सरकार के लिखित आश्वासन पर आमरण अनशन खत्म, महापड़ाव जारी

खेजड़ी बचाने के लिए बीकानेर से शुरू हुआ आंदोलन हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर और जालोर तक पहुंच गया है

बीकानेर, (निसं)। खेजड़ी बचाने के लिए बीकानेर से शुरू हुआ आंदोलन हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर और जालोर तक पहुंच गया है। इन जिलों में लोगों की ओर से धरने दिए जा रहे हैं। हालांकि बीकानेर में ही खेजड़ी काटने का मामला सामने आया है। इधर, बीकानेर में बिश्नोई धर्मशाला के सामने चल रहना आमरण अनशन सरकार के लिखित आश्वासन पर शुक्रवार को चौथे दिन खत्म हो गया। महापड़ाव अब भी जारी है। आंदोलनकारियों ने साफ किया है कि कानून बनने तक धरना और क्रमिक अनशन चलता रहेगा। धरने पर बैठे रामगोपाल विश्नोई ने बताया कि घोषणा से पहले अधिकारियों से चर्चा की बात कही गई थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। यदि हमारी मांगों के अनुरूप एक्ट नहीं आता है तो हमारा महापड़ाव जारी रहेगा। अब भी खेजड़ी लगातार काटी जा रही है। हम कैसे विश्वास करें कि खेजड़ी कटाई पर रोक लग जाएगी। हमारी मांग है कि खेजड़ी कटाई पर पूरे राजस्थान में रोक लगाई जाए। पिछले 4 दिन में 100 से ज्यादा अनशनकारियों की तबीयत बिगड़ गई थी। इनमें से 14 आंदोलनकारियों को पीबीएम में एडमिट किया गया था, जिसमें से 7 अब भी एडमिट है। शुक्रवार को महापड़ाव में संतों के साथ समाज के महिला और पुरुष भी बैठे हैं। धरने पर बैठी महिला ने बताया कि केवल दो संभागों में खेजड़ी पर रोक लगाई थी। हमारी मांगों का गला घोंटा गया।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार को सरकार के मंत्री केके बिश्नोई और जसवंत की मौजूदगी में संतों ने अनशन तोड़ा था। इस दौरान पूरे राजस्थान में खेजड़ी कटाई पर रोक की बात को लेकर विवाद का माहौल बन गया था। इसके बाद रात करीब एक बजे सभी अनशनकारियों ने भी अपना अनशन तोड़ दिया था। बीकानेर में शुक्रवार को भी विश्नोई धर्मशाला में महापड़ाव जारी है। यहां अब बारी-बारी से लोग इसमें शामिल होंगे। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे परसराम बिश्नोई ने बताया कि क्रमिक अनशन में प्रतिदिन नए पर्यावरण प्रेमी शामिल होंगे। आमरण अनशन के दौरान अनशनकारियों की संख्या 537 तक पहुंच गई थी। इस दौरान कई अनशनकारियों की तबीयत बिगड़ गई थी, जिन्हें इलाज के लिए हॉस्पिटल भेजना पड़ा था। वहीं महिला ने बताया कि गुरुवार को सरकार के मंत्री और प्रतिनिधि आए थे। दो संभागों में खेजड़ी नहीं काटी जाएगी। पाली जिले में भी खेजड़ी काटी गई। हम सरकार के प्रतिनिधियों पर कैसे भरोसा करें। हमारे आश्वासनों का गला घोंटा गया। जब तक ट्री एक्ट लागू नहीं हो जाता हमारा संघर्ष और धरना जारी रहेगा।

- **आंदोलनकारियों ने साफ किया है कि कानून बनने तक धरना और क्रमिक अनशन चलता रहेगा**

खेजड़ी बचाओ आंदोलन में मंच पर संत भी मौजूद है। संतों का कहना है कि जब तक एक्ट लागू नहीं हो जाता, तब तक उनका आंदोलन चलता रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह लड़ाई केवल एक पेड़ की नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित पर्यावरण की है। बीकानेर पश्चिम से विधायक जेठानंद व्यास महापड़ाव स्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार इस विषय पर जल्द ही कानून बनाएगी। खेजड़ी बचाओ आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि यह आंदोलन केवल खेजड़ी के संरक्षण का ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण आंदोलन है। अनशनकारी मुकेश ने कहा कि 1730 में मां अमृता देवी के नेतृत्व में पर्यावरण की रक्षा के लिए 363 लोगों ने बलिदान दिया था। आज हम उस इतिहास को फिर से दोहराने के लिए तैयार है। खेजड़ी काटने पर कम से कम सात साल की जेल और 4-5 लाख रुपए के जुर्माने के साथ कठोर कानून बनाया जाना चाहिए।

महापड़ाव के दौरान मंच से ममता बिश्नोई ने कहा कि बीकानेर के गंगाशहर क्षेत्र में गुरुवार रात मना करने के बावजूद खेजड़ी का पेड़ काट दिया गया। पेड़ काटने वालों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। अगर प्रशासन कार्रवाई नहीं करता है, तो शाम को उसी जगह अनशन किया जाएगा। ममता बिश्नोई ने कहा कि अगर खेजड़ी आडे आ रही थी तो यहां साधु-संतों से परमिशन लेकर जानी चाहिए थी। अगर मुझे पता चल जाता तो मैं अकेली ही काफी थी। उसको वहां से जिंदा ही नहीं जाने दी।

खेजड़ी बचाने के लिए जालोर के सांचौर में बिश्नोई समाज के लोगों ने शुक्रवार को क्रमिक अनशन शुरू किया है। आंदोलन को सांचौर ऑटो टैक्सी यूनियन ने समर्थन दिया है। बार एसोसिएशन सांचौर ने भी आंदोलन को अपना समर्थन देते हुए खेजड़ी संरक्षण को समय की आवश्यकता बताया। हनुमानगढ़ में अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन के तत्वावधान में 'खेजड़ी बचाओ-पर्यावरण बचाओ' आंदोलन शुरू किया है। कलेक्टर ऑफिस के सामने अनिश्चितकालीन धरना दिया जा रहा है। धरने में शामिल लोग खेजड़ी की कटाई के खिलाफ सख्त कानून बनाने, सोलर कंपनियों को लगातार दिए जा रहे भूमि आवंटन पर रोक लगाने और भूमिहीनों को जमीन आवंटित करने की मांग कर रहे हैं। महापड़ाव पर शुक्रवार को लॉ स्टूडेंट भी पहुंचे।

आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। डबोक थाना पुलिस ने युवक का अपहरण कर उसके साथ मारपीट कर उसे आत्महत्या के लिए प्रेरित करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार किशनसिंह पुत्र रतनसिंह निवासी रेला डबोक ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मेरी पुत्री जशोदा व मेरे पुत्र निर्भयसिंह का आटा साटा विवाह गोविन्दसिंह निवासी खेजड़ी का कगुआ तरपाल गोगुन्दा के पुत्र जितेन्द्रसिंह व पुत्री का अण्छा कुंवर के साथ दिसंबर 2025 में करवाया था। पुत्री जशोदा के साथ उसका पति मारपीट किया करता था। इससे परेशान होकर एक सप्ताह पूर्व वह घर चली आई थी। 27 जनवरी के रात में मेरा जमाई जितेन्द्रसिंह व उसका भाई पर्वतसिंह व साथी कार लेकर घर रेला आये तथा जशोदा के संबंध में पूछा। इनकार करने पर मेरे पुत्र सुरेन्द्र को कार में डालकर अपहरण कर ले गए। जहां गोंगुन्दा के जंगल में उसके साथ मारपीट की। जिससे परेशान होकर सुरेन्द्र ने सैल्फोस का सेवन कर आत्महत्या कर ली। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, सहायक पुलिस अधीक्षक आशिमा वासवानी के सुपरविजन में डबोक थानाधिकारी हुकमसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने कार्यवाही करते हुए आरोपी खेजड़ियों का गुड़ा मालीयों की मादड़ी गोगुंदा निवासी जितेन्द्रसिंह पुत्र गोविंदसिंह व पर्वतसिंह पुत्र गोविन्दसिंह को गिरफ्तार किया।

संत, मुनि और महंत समाज को दिशा देते हैं : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लाडनूं में सुधर्मा सभा प्रवचन हॉल का लोकार्पण किया व आचार्यश्री महाश्रमण से आशीर्वाद लिया

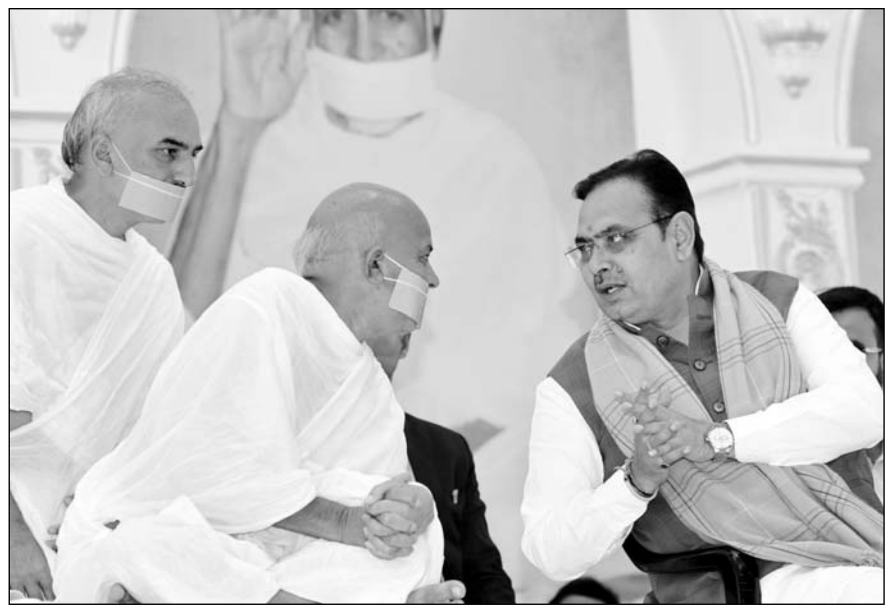

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आचार्यश्री महाश्रमणजी से आशीर्वचन प्राप्त किए।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जैन दर्शन ने ''जियो और जीने दो'' का जो मूलमंत्र दिया है, वह आज पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा आधार बन चुका है**

डीडवाना-कुचामन, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जैन धर्म केवल एक धर्म नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पूर्ण कला है। इस धर्म के पंच महाव्रत आज के भौतिकवादी युग में भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने सदियों पहले थे। उन्होंने कहा कि संत, मुनि, महंत समाज को दिशा देने का काम करते है तथा हमारी समृद्ध संस्कृति को दुनियाभर में पहुंचाते है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को लाडनूं के जैन विश्व भारती परिसर में आयोजित सुधर्मा सभा प्रवचन हॉल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी का पधारना राजस्थान के लिए अत्यंत सम्मान और गौरव का विषय है। जैन विश्व भारती द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में सुधर्मा सभा का लोकार्पण भी हो रहा है। यह आने वाले समय में मानवीय मूल्यों और धार्मिक शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन धर्म अहिंसा का संदेश देकर प्रकाश स्तंभ की तरह मानवता को दिशा दिखा रहा है। जैन दर्शन ने 'जियो और जीने दो' का जो मूलमंत्र दिया है, वह आज पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा आधार बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस धर्म की यह विशेषता रही है कि इसने हमेशा प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चलने की शिक्षा दी है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन से चिंतित है, तब जैन धर्म के सिद्धांत हमें यह बताते हैं कि संयम और सादगी के बिना मानवता का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी मानवीय मूल्यों के जीवंत प्रतीक हैं। इनकी साधना, ज्ञान और त्याग लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। इन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मानव कल्याण और धर्म प्रचार के लिए समर्पित कर दिया है। उन्होंने कहा कि आचार्यजी ने जैन धर्म की प्राचीन परंपराओं को आधुनिक समय के साथ जोड़कर एक नई दिशा दी है। उनका यह योगदान केवल जैन समाज के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए वरदान है। उनकी शिक्षाओं में जो सरलता और व्यावहारिकता है, वह हर वर्ग के लोगों तक पहुँचती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन विश्व भारती ने पिछले कई दशकों में धर्म, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान दिया है। आचार्य तुलसी के बाद आचार्य महाप्रज्ञ ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि इस संस्थान ने जैन दर्शन का प्रचार-प्रसार के साथ ही आधुनिक शिक्षा को मानवीय मूल्यों के साथ जोड़कर एक नई दिशा दी है। यहाँ संचालित शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान के साथ जीवन जीने की कला भी सिखाई जाती है। विश्व भारती ने अहिंसा और शांति के संदेश को घर-घर तक पहुँचाने का काम किया है। यह संस्थान विदेशों में भी भारतीय संस्कृति और जैन दर्शन का प्रतिनिधित्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि सुधर्मा सभा मानवीय मूल्यों का एक मंदिर है। यहाँ से सत्य, अहिंसा और करुणा का संदेश दूर-दूर तक फैलेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आचार्यश्री महाश्रमणजी से आशीर्वचन प्राप्त किए। शर्मा ने जैन विश्व भारती में नवनिर्मित सुधर्मा सभा प्रवचन हॉल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभा, मुनि महावीर कुमार, साध्वी वर्या सम्बुद्ध यशा, जैन विश्व भारती के अध्यक्ष अमरचंद लुंकड़ सहित जैन मुनि साध्वी, जैन विश्व भारती के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

पावटा में महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

पावटा, (निसं)। क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। महिला अपने ससुराल स्थित घर में फांसी के फंदे पर लटकी हुई मिली। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। वहीं पीहर पक्ष ने महिला की मौत को संदिग्ध बताते हुए ससुराल पक्ष के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतका रेखा का विवाह कृपा शंकर निवासी भांकरी के साथ वर्ष 2004 में हुआ था। उनके परिवार में दो पुत्रियां तनुजा (18) व ज्योति (12) तथा एक पुत्र ब्रजेश (15) है। मृतका महिला के भाई घनश्याम पुत्र फूलचंद निवासी मोरोड़ी ने मामला दर्ज कराते हुए ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग, मारपीट और प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। परिजनों ने आशंका जताई है कि घटना को आत्महत्या का रूप दिया गया है। महिला को ससुराल पक्ष द्वारा लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। परिजनों का कहना है कि उनकी बेटी की मौत आत्महत्या नहीं बल्कि संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पीहर पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने ससुराल पक्ष के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी हुई है। पुलिस ने शव को अस्पताल पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद दोनों पक्षों की सहमति के बाद शव ससुराल पक्ष को सौंप दिया।

सड़क हादसे में तीन की मौत

उदयपुर, (कासं)। जिले के कुराबड़ थाना क्षेत्र में आमने-सामने दो बाइक की भिड़ंत में घायल दो युवकों सहित तीन जनों की मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार रात में कुराबड़ थाना क्षैत्र लाली वली से अडिंदा रोड़ पर दो बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक चालक हुक्मीचंद (22) पुत्र शंकरलाल निवासी लाली वली, साथी हेमराज (17)पुत्र चेनराम निवासी लालीवली कुराबड़ तथा चेतन (20) पुत्र मोहनलाल मीणा निवासी वासा थाना गींगला सलूम्बर की मौत हो गई। हुक्मीचंद के साथ हेमराज बाइक पर लालीवली से अडिंदा की तरफ जला रहे थे। जहां बीच रास्ते में सामने से आ रही चेतन की बाइक से भिड़ंत हो गई। हादसे में गंभीर घायल तीनों को एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई भगवतसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

7.83 लाख का डोडा-चूरा जब्त, तीन गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। बपावर कला पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए एक कार से तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ 52.200 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 7 लाख 83 हजार रूपये करीब बताई गई है। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा के निर्देशन में पुलिस उप अधीक्षक सांगोद नरेन्द्र जैन के सुपरविजन में थानाधिकारी मदनलाल ढाका के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने बारां-झालावाड़ राष्टीय राजमार्ग खानपुर तिराहा पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। वाहन चैकिग के दौरान एक कार की तलाशी लेने पर कार में से अवैध मादक पदार्थ 52.200 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद हुआ। पुलिस ने कार्रवाई कर माल एवं कार को जब्त किया।

अलवर में भाई ने कुल्हाड़ी से हमला कर भाई की हत्या की

- **पिता को बचाने पहुंचे बेटे पर भी आरोपियों ने हमला कर दिया, तीन महिलाओं को भी चोटें आई हैं**
- **हत्या के बाद आरोपी और उसका परिवार फरार हो गया, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची**

अलवर, (निसं)। अलवर में पेड़ काटने को लेकर हुए विवाद में भाई ने कुल्हाड़ी से हमला कर भाई की हत्या कर दी।

बेटा अपने पिता को बचाने पहुंचा तो आरोपियों ने उस पर भी हमला कर दिया। हमले में परिवार की तीन महिलाओं को भी चोटें आई हैं। हत्या के बाद आरोपी और उसका परिवार फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सबूत जुटाए और लोगों से भी घटना की जानकारी ली। हत्या के बाद गांव में तनाव का माहौल है। मामला बगड़ तिराया थाना इलाके का है।

अकरम हुसैन निवासी बेरे गांव ने बताया कि एक दिन पहले मेरे पिता के चचेरे भाई फकरु और उसके बेटों ने हमारे नीम के पेड़ की डालियां काट दी थी, जिसे लेकर कहासुनी हुई थी। सुबह नौ बजे फकरू अपने बेटों और परिवार के साथ में दोबारा पेड़ काटने आया। मेरे पिता बली (65) ने विरोध किया तो फकरु ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिसके कारण उनके सिर से खून बहने लगा।

हुसैन ने बताया कि विवाद होने पर मैं मौके पर पहुंचा तो उन लोगों ने मुझ पर भी हमला कर दिया। मेरे सिर में भी गंभीर चोट आई है, परिवार की तीन महिलाएं भी घायल हो गई। पिता को गंभीर हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन ज्यादा खून बहने के कारण उनकी मौत हो गई।

मृतक के भाई इमामुद्दीन ने बताया कि घर और खेत के पास स्थित एक नीम का पेड़ बली के हिस्से में आता था, लेकिन फकरू जबरन पेड़ काटना चाहता था।

इसको लेकर पिछले कई दिनों से दोनों के बीच कहासुनी चल रही थी। फकरू ने शुक्रवार सुबह पेड़ काटना शुरू कर दिया। बली ने उसे रोकने की कोशिश की तो फकरू ने कुल्हाड़ी के सिर पर हमला कर दिया।

इमामुद्दीन ने बताया कि कुल्हाड़ी बली के सिर में फंस गई थी और खून बहने लगा था। हमले के बाद फकरू और उसका परिवार भाग गया। हमने बली के सिर से कुल्हाड़ी निकाली और गंभीर हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बगड़ तिराया थाना पुलिस ने बताया कि मामले में अस्पताल में मौजूद परिजनों से रिपोर्ट ली गई है।

घटना के बाद आरोपी और उसका परिवार फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

आर्मी जवान ने व्यापारी से मांगी थी दो करोड़ की फिरौती

श्रीगंगानगर, (निसं)। छुट्टी पर घर आया आर्मी का जवान दो करोड़ की फिरौती मांगने का मास्टरमाइंड निकला। साथी के साथ मिलकर उसने राहगीरों से मोबाइल लूटे और फिर अलग-अलग नंबरों से व्यापारी को धमकी देकर दो करोड़ की फिरौती मांगी थी।

व्यापारी को धमकाने के बाद आरोपी उन मोबाइल को फेंक देते थे, ताकि ट्रेस न हो सके और पुलिस की पकड़ में नहीं आए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी मदद से जानकारी जुटाकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामला रामसिंहपुर और श्रीविजयनगर थाना इलाके का है।

एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि 28 जनवरी को श्रीविजयनगर थाना क्षेत्र के एक व्यापारी को फोन पर धमकी भरा कॉल आया। फोन करने वाले ने व्यापारी से दो करोड़ रुपए फिरौती मांगी थी और नहीं देने पर बेटे को जान से मारने की धमकी दी।

एसपी ने बताया कि व्यापारी की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फोन लूटकर व्यापारी से 2 करोड़ मांगने वाले आर्मी के जवान गुरलाल सिंह उर्फ लाली (33) निवासी तरनतारन (पंजाब) और दिलप्रीत सिंह (18) निवासी 47 जीबी, रामसिंहपुर (श्रीगंगानगर) को गिरफ्तार किया है।

एसपी ने बताया कि पूछताछ में खुलासा हुआ कि वारदात का मास्टरमाइंड आरोपी गुरलाल सिंह एक फौजी है, जो जम्मू-कश्मीर में तैनात है। वह चार-पांच दिन पहले छुट्टी लेकर दिलप्रीत सिंह के पास आया और दो करोड़ की फिरौती की पूरी प्लानिंग रची।

अमृता दुहन ने बताया कि जांच में सामने आया कि आरोपियों ने 28 जनवरी को रावला-खाजूवाला रोड पर ओमप्रकाश का मोबाइल लूटा और उसी से व्यापारी को धमकी दी। इसके बाद 30 जनवरी को सूरतगढ़-अनूपगढ़ रोड पर ढाबे से फोन लूटकर धमकी दी गई। 31 जनवरी को रामसिंहपुर थाना क्षेत्र में करनैल सिंह का फोन लूटा। 1 फरवरी को चन्दूराम का फोन लूटकर फिर से व्यापारी को धमकी दी।

फौजी ने लूटे फोन से ही कॉल करके फिरौती की मांग की। पुलिस ने मोबाइल लूट की घटनाओं को गंभीरता से लिया और सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज के साथ ही मुखबिरों की सूचनाओं के आधार पर जांच शुरू की और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

जांच में सामने आया कि आरोपी दिलप्रीत व्यापारी के यहां काम कर रहा था। गुरलाल की दिलप्रीत से जान-पहचान थी। गुरलाल को पैसों की जरूरत थी तो उसने दिलप्रीत के साथ मिलकर व्यापारी से फिरौती मांगने की प्लानिंग की।

Jodhpur Development Authority, Jodhpur
E-Auction Programme of Residential, Commercial & Farm House Plots in Jodhpur (FEB. -MAY. 2026)

क्रमांक :–एफ46 / नीलामी / 2026 / फरवरी / 20349231 — दिनांक :– 05.02.2026

भूखण्डों की भव्य ई–नीलामी
दिनांक 25.02.2026 से 07.05.2026 तक

150 आवासीय, व्यावसायिक एंव फार्म हाउस भूखण्ड

राजीव गांधी नगर में कुल भूखण्ड (190.80 वर्ग मीटर से 352 वर्ग मीटर) — 15
ग्राम उजलिया, फार्म हाउस में कुल भूखण्ड (1500 वर्ग मीटर से 2580.22 वर्ग मीटर) — 10
खसरा संख्या–701 ग्राम चौखा में कुल भूखण्ड (72 वर्ग मीटर से 340.77 वर्ग मीटर) — 09
पंडित दीन दयाल उपाध्याय विहार में कुल भूखण्ड (41.82 वर्ग मीटर से 198.99 वर्ग मीटर) — 20
अरणा विहार ग्राम बड़ली में कुल भूखण्ड (324 वर्ग मीटर से 351 वर्ग मीटर) — 10
झरणा विहार ग्राम बड़ली में कुल भूखण्ड (150 वर्ग मीटर से 172.5 वर्ग मीटर) — 10
महात्मा गांधी नगर में कुल भूखण्ड (167.29 वर्ग मीटर से 306.56 वर्ग मीटर) — 05
मण्डलनाथ आवास में कुल भूखण्ड (72.49 वर्ग मीटर से 354.08 वर्ग मीटर) — 14
विज्ञान नगर में कुल भूखण्ड (92.00 वर्ग मीटर से 679.83 वर्ग मीटर) — 30
सुन्दर सिंह भण्डारी नगर में कुल भूखण्ड (41..81 वर्ग मीटर से 462.12 वर्ग मीटर) — 25
पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर बासनी तम्बोलिया में कुल भूखण्ड (250.83 वर्ग मीटर से 501.66 वर्ग मीटर) — 02

ईएमडी जमा दिनांक: 25 फरवरी 2026 से प्रारम्भ
ऑनलाईन बिड — प्रारम्भ तिथि: 25 फरवरी 2026 — अंतिम तिथि: 07 मई 2026

प्रभारी अधिकारी (नीलामी शाखा)
जोधपुर विकास प्राधिकरण
जोधपुर

अधिक जानकारी के लिए QR स्कैन करें।

निदेशक वित्त
जोधपुर विकास प्राधिकरण
जोधपुर
फोन:– 0291–2656355, 2656356

नीलामी के समस्त भूखण्डों की विस्तृत जानकारी एंव नीलामी की शर्ते जोधपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट : joda.rajasthan.gov.in पर देखें या कार्यालय में सम्पर्क करें।
नीलामी की प्रक्रिया SSO ID के जरिये Urban Services के माध्यम से की जाएगी।

राज.संवाद/सी/24/19366

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा, जालोर
क्रमांकः- जिशिअ / मु./माध्य./जा/लेखा/2026/66 — दिनांक-04.02.2026
ई- निविदा सूचना संख्या-4/बोर्ड परीक्षा 2026
इस कार्यालय से बोर्ड परीक्षा-2026 के परीक्षा केन्द्रो की वीडियोग्राफी प्रतिष्ठित फर्मो/अनुभवी वीडियोग्राफर से कराने हेतु ई- निविदा जारी की जाती है जिसकी अनुमानित लागत 25 लाख रूपये है। ई-निविदा दिनांक 09-02-2026 को दोपहर बाद 12:30 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 09-02-2026 को दोपहर बाद 01:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा संबंधी विस्तृत विवरण htpp://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इन निविदाओं में भाग लेने वाले संवेदको को निविदा इलेक्ट्रोनिक फॉरमेट में वेबसाईट htpp://eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करवानी होगी।
UBN NO. EDU2526SLOB00133
जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक, जालोर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड, बाड़ी
पता :- बाईपास किला बाडी-328021 फोन नं. 05647-274684 ई मेल-ee pwdbari@rediffmail.com
क्रमांकः 1050-53 — UBN No. PHD2526RFP0005 — दिनांकः 27.01.2026
निविदा सूचना संख्या : 10/2025-2026
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से बाडी जिला धौलपुर में कुल 2 नं. पर सडक कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों, राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए" ए"बी"सी" एवं डी" श्रेणी संवेदकों एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजसथान सरकार के "एए","ए"बी"सी" एवं डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट "www.eproc.dipronline.org" व http://www.pwd.rajasthan.gov.in/, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं "www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
(पूरन सिंह) अधिशाषी अभियन्ता सानिवि खण्ड बाडी
DIPR/C/2451/2026

TEL NO:-07469-230595 — EMAIL:- xenphedhnd@yahoo.in
कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वा0 अभि0 विभाग खण्ड हिण्डौन
Notice Inviting Bid
Bids for Various work in PHED Dn. Hindaun is invited from interested bidders. Other particulars of the bids may be visited on the procurement portal sppp.raj.nic.in of the state and http://eproc.rajasthan.gov.in departmental website.
NIB No. PHE2526A5746

S.No.	NIT No.	UBN No.
1.	40/2025-26	PHE2526SLOB12051
2.	41/2025-26	PHE2526WSOB12054
3.	42/2025-26	PHE2526WSOB12055
4.	43/2025-26	PHE2526WSOB12056
5.	44/2025-26	PHE2526WSOB12057
6.	45/2025-26	PHE2526WSOB12058
S.No.	Total Work	
1.	Total Estimated Cost	15.86 Lacs
2.	Tender Submission Start Date	04.02.2026 Upto 12:00 PM
3.	Tender Submission End Date	12.02.2026 Upto 6:00 PM
4.	Technical Bid Opening Date	13.02.2026 Upto 12:00 PM

(जय नारायण चेतीवाल) अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा. अभियांत्रिक विभाग, खण्ड हिण्डौन सिटी
DIPR/C/1981/2026

कार्यालय जिला खेल अधिकारी, करौली
क्रमांकः पंच गौरव/खेल/निविदा/2025-26/211 — दिनांक-30.01.2026
निविदा सूचना संख्याः 01/2025-26
पंच गौरव खेल के अन्तर्गत मुंशी त्रिलोक चंद माथुर स्टेडियम एवं राजीव गांधी खेल संकुल, करौली में हाई मास्ट लाईट कार्य हेतु केन्द्र / राज्य सरकार में विद्युत कार्य के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों द्वारा विद्युत कार्योहेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेंगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipr.rajasthan.gov.in http://www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत	राशि 60.00 रू लाख
कुल धरोहर राशि	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत अथवा नियमानुसार
निविदा आवेदन / डाउनलोड करने की तारीख व समय	31/01/2026से 10/02/2026 दोपहर 1.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा जमा कराने की तारीख व समय	31/01/2026 से 10/02/2026 दोपहर 1.00 बजे तक
तकनिकी बिड खोलने की तारीख व समय	10/02.2026 अपरांह 03.00 बजे से

NIB NO. CKL2526A0020
UBN NO. CKL2526WSOB00030
जिला खेल अधिकारी करौली
DIPR/C/2403/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर
एन.एच. 68, PHED Campus, सॉचौर (जालोर)
Te. Pho. No 02979-283624 — E-mail. eephedscr@gmail.com
क्रमांकः अ.अ./ जन स्वा./ सॉ/ निविदा/2025-26/1598 — दिनांकः- 27/01/2026
निविदा सूचना संख्या - 14/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Annual Rate contract for Transportation of water.(Block Sanchore and Chitalawa); Rewinding of Mono Block pump and-leakage removal
निविदा की कुल लागत (राशि लाखो में)	कुल निविदा 25 रु. 286.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	27.01.2026 से 16.02.2026 को 13.00 बजे तक
निविदाएं खोलने की तिथी व समय	17.02.2026 को 15.00 बजे से
UBN No	PHE2526WSRC11939, PHE2526WSRC11940, PHE2526WSRC11941, PHE2526WSRC11942, PHE2526WSRC11943, PHE2526WSRC11944, PHE2526WSRC11945, PHE2526WSRC11946, PHE2526WSRC11947, PHE2526WSRC11948, PHE2526WSRC11949, PHE2526WSRC11950, PHE2526WSRC11951, PHE2526WSRC11952, PHE2526WSRC11955, PHE2526WSRC11957, PHE2526WSRC11958, PHE2526WSRC11960, PHE2526WSRC11963, PHE2526WSRC11965, PHE2526WSRC11971, PHE2526WSRC11976, PHE2526WSRC11979, PHE2526WSRC11983, PHE2526WSRC119784, PHE2526WSRC119786

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे।
(पृथ्वीसिंह) अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड सॉचौर
DIPR/C/1963/2026

राजस्थान सरकार
कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) (पंचायत) करौली
क्रमांक :- पं0अ0चु0/2026/318 — दिनांकः- 02/02/2026
ई - बोली सूचना संख्या-11-22/2025-26
पंचायत आम चुनाव 2026 के लिए निम्नांकित समाग्री आपूर्ति / व्यवस्था कार्य के लिए इच्छुक फर्मों www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajsthan.gov.in प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन बोलियों निर्धारित प्रपत्र में आंमत्रित की जाती है।

क्र. सं.	बोली सूचना संख्या	सामग्री/व्यवस्था का नाम	अनुमानित राशि (लाखों)	Mode	UBN No.
1	11	स्टेशनरी/लेखन सामग्री की आपूर्ति	09.50	Offline	CKL2526 GSOB00017
2	12	मतदान / मतगणना सामग्री आपूर्ति	30.00	Offline	CKL2526 GSOB00018
3	13	माईक व्यस्वस्था	09.50	Offline	CKL2526 GSOB00019
4	14	कम्प्यूटर उपकरण/ स्टेशनरी की आपूर्ति	09.50	Offline	CKL2526 GSOB00020
5	15	फोटो स्टेट कार्य एवं पेन ड्राइव का कार्य	09.50	Offline	CKL2526 GSOB00021
6	16	मुद्रण कार्य	09.50	Offline	CKL2526 GSOB00022
7	17	मतपत्र मुद्रण	09.50	Offline	CKL2526 GSOB00023
8	18	अल्पाहार एवं भोजन व्यवस्था	50.00	Online	CKL2526 GSOB00024
9	19	विधुत/जनरेटर व्यवस्था	40.00	Online	CKL2526 GSOB00026
10	20	विडियोग्राफी/डिजीटल/फोटोग्राफी /सीसीटीवी कैमरा/एलईडी	150.00	Online	CKL2526 GSOB00027
11	21	वहनो के लिए किराये पर जीपीएस व्यवस्था	05.00	Offline	CKL2526 GSOB00028
12	22	टैन्ट/फर्नीचर कार्य व्यवस्था	50.00	Online	CKL2526 GSOB00029

नोट :- मूल डी.डी./बैंकर चैक दिनांक 09.02.2026 समय दोपहर 12 बजे तक कार्यालय में जमा करवानी होगी अन्यथा निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा।
(हेमराज परिडवाल) उप जिला निर्वाचन अधिकारी, करौली
DIPR/C/2459/2026

विदेशी एमबीबीएस डॉक्टरों को फर्जी सर्टिफिकेट बेचने वाला सरगना एसओजी के हत्थे चढ़ा

थाईलैंड और दुबई में छिपा था मुख्य आरोपी, कजाकिस्तान से लौटा डॉक्टर बना दलाल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) ने विदेश से एमबीबीएस की डिग्री लेकर आने वाले अभ्यर्थियों को फर्जी स्क्रीनिंग टेस्ट पास सर्टिफिकेट मुहैया कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एसओजी ने गिरोह के मुख्य सरगना सहित एक अन्य डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह उन डॉक्टरों को निशाना बनाता था जो भारत में प्रैक्टिस के लिए जरूरी विदेशी मेडिकल स्नातक परीक्षा (एफएमजीई) परीक्षा पास नहीं कर पाते थे।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि विदेश से एमबीबीएस की डिग्री लेकर आने वाले अभ्यर्थियों को फर्जी स्क्रीनिंग टेस्ट पास सर्टिफिकेट मुहैया कराने वाले मुख्य आरोपी भानाराम माली उर्फ भानू (30) निवासी ब्यावर पिछले काफी समय से फरार था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह थाईलैंड, श्रीलंका, दुबई, कजाकिस्तान और नेपाल जैसे देशों में ठिकाने बदल रहा था। एसओजी की टीम को सूचना मिली कि वह दिल्ली पहुंचने वाला है। जिस पर टीम ने जाल बिछाकर उसे एयरपोर्ट से दस्तयाब कर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी फिलहाल सात फरवरी तक पुलिस रिमांड पर है।

- विदेश से डिग्री लेकर आए 73 अन्य डॉक्टरों की भूमिका भी जांच रही एस.ओ.जी.

जांच में एक और चौंकाने वाला नाम सामने आया है। एसओजी ने डॉ. इन्द्रराज सिंह गुर्जर (27) निवासी करौली को भी गिरफ्तार किया है। इन्द्रराज खुद कजाकिस्तान से एमबीबीएस कर लौटा था, परंतु परीक्षा पास नहीं कर सका। उसने आरोपी भानाराम को पैसे देकर दिसंबर 2022 का कूटरचित एफएमजीई सर्टिफिकेट प्राप्त किया। इसी फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर उसने अलवर के राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज से इंटर्नशिप पूरी की और प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन भी हासिल कर लिया। बाद में वह अन्य अभ्यर्थियों को भी फर्जी सर्टिफिकेट दिलवाने के खेल में शामिल हो गया।

एसओजी की जांच में यह तथ्य सामने आया है कि इस गिरोह ने दर्जनों अभ्यर्थियों को फर्जी दस्तावेज बांटे हैं। वर्तमान में विदेश से डिग्री लेकर आए 73 अन्य डॉक्टरों की भूमिका की गहनता से जांच की जा रही है, जिन्होंने संभवत इसी गिरोह के माध्यम से कूटरचित प्रमाणपत्र हासिल किए हैं। पुलिस ने इनके खिलाफ धोखाधड़ी की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। इस कार्रवाई में डीआईजी परिस देशमुख के निर्देशन में अनुसंधान अधिकारी हरपाल सिंह और जितेंद्र नवारिया ने इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया।

32वां ध्रुवपद समारोह 10 को

जयपुर (कासं)। इन्टरनेशनल ध्रुवपद धाम ट्रस्ट एवं रसमंजरी संगीतोपासना केन्द्र, जयपुर द्वारा पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर की सहभागिता में राजस्थान की ध्रुवपद - विरासत के हस्ताक्षर ध्रुवपदाचार्य पद्मश्री पं लक्ष्मण भट्ट तैलंग की पुण्यतिथि 10 फरवरी को 32वां अखिल भारतीय ध्रुवपद नाद-निनाद विरासत समारोह जयपुर ध्रुवपद धरोहर आयोजित किया जाएगा। जवाहर कला केन्द्र के कृष्णायन सभागार में सायं 6 बजे से विभिन्न प्रस्तुतियां होंगी। इसका प्रारम्भ भारत के 150 वर्ष पूर्ण कर चुके राष्ट्रगीत वन्देमातरम् के गौरव-गान से होगा, उसकी गुण-बखान की विविधता के भाव के अनुरूप परम्परागत धुन को नवीन ध्रुवपद के छंद में कुछ नये स्वर - संयोजनों के सौन्दर्य के साथ विस्तार दिया जायेगा, जिसे ध्रुवपद - गायिका प्रो. मधु भट्ट तैलंग के निर्देशन में उनके शिष्य प्रस्तुत करेंगे।

तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कमिश्नरेट की स्पेशल टीम और सांगानेर थाना पुलिस ने एक शातिर नशा तस्कर कल्याण सिंह (22) निवासी राजगढ़ को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 589.95 ग्राम स्मैक बरामद की है। पकड़ी गई स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1 करोड़ 18 लाख रुपये है।

जलदायकर्मी 9 फरवरी को करेंगे प्रदर्शन

जयपुर। प्रान्तीय नल मजदूर यूनियन (इंटक) जयपुर के आव्हान पर 9 फरवरी को सैकड़ों कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर अधीक्षण अभियंता कार्यालय पानी पेच जयपुर पर विरोध-प्रदर्शन करेंगे। संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत एवं जिला अध्यक्ष ताराचन्द सैनी ने संयुक्त रूप से बताया कि विभाग द्वारा लंबे समय से जलदाय कर्मचारियों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है, जिससे कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। इसी के विरोध में यह प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि विरोध प्रदर्शन के दौरान मौके पर जलदाय कर्मचारियों की आम सभा भी आयोजित की जाएगी, जिसमें कर्मचारियों की मांगों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी तथा आगे के आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी।

वास्तुकार प्रमोद जैन को 12वाँ ऑल इंडिया स्टोन आर्किटेक्चरल अवॉर्ड

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रसिद्ध वास्तुकार प्रमोद जैन को उनके उत्कृष्ट प्रोजेक्ट मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर जोधपुर के लिए प्रतिष्ठित 12वाँ ऑल इंडिया स्टोन आर्किटेक्चरल अवॉर्ड (आइसा)- 2025 प्रदान किया। वास्तुकार प्रमोद जैन को बतौर पुरस्कार ट्रॉफी और 1 लाख की नकद राशि प्रदान की गई। उन्हें यह सम्मान जेईसीसी सीतापुरा में आयोजित इंडिया स्टोन मार्ट में शुक्रवार शाम को दिया गया।

पुरस्कार प्रशस्ति पत्र में वास्तुकार जैन को एक दूरदर्शी वास्तुकार बताते हुए पत्थर के अभिनव और उत्कृष्ट उपयोग के लिए उनकी सराहना की गई। जूरी ने विशेष रूप से मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर को जोधपुर की समृद्ध स्थापत्य विरासत से प्रेरित एक उत्कृष्ट भवन बताया। स्थानीय सूरसागर सैंडस्टोन से निर्मित यह भवन पारंपरिक पत्थर निर्माण तकनीकों को समकालीन और नवाचारी शैली में प्रस्तुत करता है। इसकी आकर्षक मुखाकृति, भव्य प्रवेश द्वार और सूक्ष्म पारंपरिक अलंकरणों की विशेष प्रशंसा की गई। इस पुरस्कार चयन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय जूरी द्वारा किया गया, जिसमें काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर (सीओए), नई दिल्ली, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स (आईआईए), इंडियन इंस्टीट्ययूट ऑफ इंटीरियर डिज़ाइनर्स (आई आईआईडी), मुंबई के अध्यक्ष तथा इंडियन सोसाइटी ऑफ लैंडस्केप आर्किटेक्ट्स (आइसोला) के अध्यक्ष शामिल थे।इससे पूर्व भी वास्तुकार प्रमोद जैन को लगातार राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) जयपुर के लिए डिज़ाइन स्केप अवॉर्ड-2024 तथा एमआईसी, जोधपुर के लिए वर्ष 2025 में मिल चुका है। उल्लेखनीय है कि जयपुर निवासी प्रमोद जैन को वास्तुकला के क्षेत्र में पाँच दशकों से अधिक का अनुभव प्राप्त है और उनका करियर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं से समृद्ध रहा है। जयपुर के प्रसिद्ध राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर की वास्तुकला डिजाइन भी उन्होंने ने ही की थी जिसकी गवाही सेंटर के बाहर लगा शिलालेख कर रहा है।

सीवर लाइन की मांग

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी विकास समिति ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर आसपास की शेष बची कॉलोनियों को सीवरेज लाइन से जोड़ने की मांग की है। पत्रकार कॉलोनी विकास समिति के अध्यक्ष अजीत तिवारी, संरक्षक श्याम सुंदर शर्मा, महासचिव नरेंद्र सर्वोदयी, उपाध्यक्ष डॉ. जे.पी. गुप्ता, तथा राजीव जैन ने यह जानकारी दी।

बिना आयोडिन का 92 हजार किलो नमक जब्त

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेशभर में मिलावट के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुद्ध आहार-मिलावट पर आहार अभियान के तहत शुक्रवार को 92 हजार किलो से अधिक नमक जब्त किया, जिसमें आयोडीन नहीं था। खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि शुद्ध आहार-मिलावट पर अभियान के तहत शुक्रवार को अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह के नेतृत्व में केंद्रीय दल के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने नावा सिटी स्थित नमक फैक्ट्री मैसर्स कस्तूरी कैमफूड प्रा.लि. पर कार्रवाई की गई।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य सुरेश शांह पुत्र श्री सिकन्दर शाह निवासी प्लाट नम्बर 222, हसनपुरा सी, जयपुर ने भूखण्ड संख्या 211 व 212 कमला नेहरू नगर, हसनपुरा सी, जयपुर के उत्तरी हिस्से 15x45 फिट क्षेत्रफल 75 वर्गगज को सत्यनारायण सैनी पुत्र स्व. चुन्नी लाल, निवासी-212, कमला नेहरू नगर, हसनपुरा सी, अजमेर रोड, जयपुर राजस्थान-302006 से क्रय करने का इकरारनामा किया है, किसी को कोई एतराज हो तो सात दिवस में आपत्ति पेश करे अन्यथा मेरा अभिभाष्य सम्पूर्ण भुगतान कर उक्त भूखण्ड क्रय की कार्यवाही करेगा।
जयपुर (सुरेश कुमार मिठारवाल) एडवोकेट
दिनांक:6.2.2026 मो.-9414062160, 8003372160

नाम परिवर्तन

मैं दीप्ति राजोरिया पत्नी गोविन्द सिंह निवासी फ्लैट नं.- एफ 2, प्लॉट नं.22, शिव विहार, नव भारती टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के पास, मान्यावास, जयपुर। मेरे दस्तावेजों में मेरा नाम दीप्ति राजोरिया व मेरे पासपोर्ट में दीप्ति सिंह दर्ज है। मैं घोषणा करती हूँ कि दोनों ही नाम मेरे स्वयं के हैं।

मैंने अपना नाम नमिता सिंह राठौड़ से बदलकर नमिता सिंह कर लिया है, नमिता सिंह पुत्री श्री पदम सिंह पत्नी जयदीप सिंह नरुका निवासी- प्लॉट नं ए-62, पदम विहार कॉलोनी, रजत पथ, न्यू सांगानेर रोड़ के सामने, मानसरोवर, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे।

I have changed my Name from Ruchika Agrawal to Ruchika Agarwal for all future purposes. Ruchika Agarwal w/o Shri Shubham Goyal R/o 4-R-1, sector no. 4, Jawahar Nagar, Jaipur-302004

खोया पाया

मेरे प्लॉट नंबर सी- 5 तिरुपति गार्डन पहाड़गंज गृहनिर्माण समिति जयपुर के पट्टे के कागज एवं अन्य कागजात दुकान नंबर 19, जनता कॉलोनी गोखले पार्क से जाते हुए खो गए है। मिलने पर सूचित करे- मीनाक्षी अग्रवाल- 9351384089

मेरा Flat No.-B/16/13 (T.F.) चिनाब अपार्टमेन्ट प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर के आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, भौतिक कब्जा पत्र, नो-ड्यूज व जमा रसीदे आदि कहीं गुम हो गयी है। मिलने पर सम्पर्क करें- प्रतिभा शर्मा- 9460913138

नाम परिवर्तन

I Lakshya Agarwal S/o Nishant Agarwal Residing at F-151, Chaitnya Marg, C-Scheme, Jaipur, Rajasthan- 302001. Do hereby Solemnly affirm that i have changed my name from Lakshya Goyal to Lakshya Agarwal. In Future i will be known by my changed name

I Priyanka Agarwal W/o Nishant Agarwal Residing at F-151, Chaitnya Marg, C-Scheme, Jaipur, Rajasthan- 302001. Do hereby Solemnly affirm that i have changed my name from Priyanka Goyal to Priyanka Agarwal. In Future i will be known by my changed name

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस,
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर, समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर:
DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1366
चूंकि प्रार्थी श्री PEEYUSH SHARMA, A-18 NU LITE COLONY TONK ROAD JAIPUR 302018 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास यतीन्द सिंह मेमोरियल ट्रस्ट, 102 Gokulam 45 Road No 1D VKI Area Jaipur 302018 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा । आज दिनांक 05-02-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 09/04/2026
रतनलाल योगी
सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय नगरपालिका मण्डल अजीतगढ़ (सीकर)
Email.Id: Npajitgarh@gmail.com
क्रमांक:न.पा.अजी./2025-26/2907 दिनांक3/02/2006
प्रारूप-10 (नियम 6 (7)
लोक सूचना
श्री कालुराम जाट पुत्र श्री मुरलीधर जाट निवासी वार्ड न. 06 अजीतगढ़ ने कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैरकृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात:
जिले सहित तहसील का नाम-अजीतगढ़ तहसील माधोपुर, ग्राम का नाम-अजीतगढ, खसरा नम्बर-1075, क्षेत्रफल-0.98 हैक्टयर मे से 1225 वर्गमीटर, प्रयोजनार्थ-वाणिज्य (पेट्रोल पम्प) प्रयोजनार्थ
इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थन दस्तावेजों के साथ आक्षेप कर सकेगा। उपर्युक्त नियम समय-समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा की किसी के आक्षेप नही है। और तदानुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर व मोहर के अधीन आज दिनांक 03.02.2026 को जारी की गई है।
अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका अजीतगढ़

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

MUNICIPAL CORPORATION JAIPUR
(Pandit Deendayal Uppadhyay Bhawan Lalkothi Tonk Jaipur 302015)
No. F-6(DCR-FIRST (J.S)RO.LIC/N.N.J/2026/845 Date: 06-02-2026
PUBLIC NOTICE
The licensee M/s/ Indus Tower Limited Jaipur (Particulars of Licensee) has submitted application in this office for granting permission for erection/ installation of telecom tower aboveground telegraph infrastructure on the land or building or location mentioned below :-

Sr. No.	Site ID	Address
1	IN 3437655	On Row Sitapura Puliya Govind Vihar Colony, Tonk Road, Sitapura Ward No.99, Distt. Jaipur

Therefore, it is hereby informed to all concerned that if, any body has any objection or suggestion on granting permission for installation or establishment of above mentioned telecom infrastructure on the land/location above, he may submit objection or suggestion along with supporting documents before the undersigned during office hours on any working day within 7 days of the publication of this notice.
In absence of any objection/ suggestion within above stipulated time it any be deemed that nobody has objection/suggestion and matter will be disposed off accordingly.
Deputy Commissioner (Revenue-I)
Municipal Corporation, Jaipur

(रजि. संख्या 2965/एल दिनांक 29.05.1976)
पटेल नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर
पता : सी-18, गायत्री नगर विस्तार, महारानी फार्म, दुर्गापुरा जयपुर-302018
क्रमांक : एसपी-1 दिनांक : 05.02.2026
विशेष आम सभा का नोटिस
पटेल नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 21.02.2026 को प्रातः 11:30 बजे सोसायटी के कार्यालय पता: सी-18, गायत्री नगर विस्तार, महारानी फार्म, दुर्गापुरा जयपुर-302018 पर सोसायटी के सदस्यों की विशेष आम सभा आयोजित की जाएगी जिसके विचारणीय विषयबिन्दु निम्नलिखितानुसार रहेंगे :- 1. गत आमसभा की कार्यवाही की पुष्टि पर विचार। 2. समिति की बकाया ऑडिट रिपोर्टो-वर्ष 2019-21, 2021-23 व 2023-25 के अनुमोदन पर विचार। 3. समिति के ऑडिट रिपोर्टों में अंकित ऑडिट आक्षेपों की पूर्ति कर अनुपालना रिपोर्ट के अनुमोदन पर विचार। 4. समिति की प्रबंधकारिणी की बैठकों में लिये गये निर्णय की पुष्टि पर विचार। 5. समिति की प्रबंधकारिणी के निर्वाचन हेतु निर्वाचन की अभ्यर्थना भिजवाये जाने पर विचार। 6. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की आज्ञानुसार। आज्ञा से, मंत्री
नोट : कोरम के अभाव में स्थगित आम सभा उसी दिन दोपहर 12:30 बजे उसी स्थान पर पुन: आयोजित की जायेगी जिसमें विचारणीय विषय बिन्दु यथावत रहेंगे।

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1310
चूंकि प्रार्थी श्री SHOBIT TIWARI, F37A, GHIYA MARG BANI PARK, JAIPUR, BANI PARK S.O, JAIPUR, RAJASTHAN, INDIA-302016 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास तिवाडी मदन लाल नारायणी देवी पारीक शोध संस्थान ट्रस्ट F37A, ghiya marg bani park, Jaipur, Bani Park S.O, JAIPUR, Rajasthan, India-302016 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 04.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 13.04.2026
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1380
चूंकि प्रार्थी श्री ABDUL RASHEED, 85, JAGANNATHPURI-A, JHOTWARA, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास होली फेथ पब्लिक स्कूल शिक्षा समिति 217, SANJAY NAGAR-A, JHOTWARA, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 04.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 13.04.2026
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर- 0141-4901853
क्रमांक:- 381 **आम जाहिर सूचना** दिनांक: 03.02.2026
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा विकसित आवासीय भूखण्ड संख्या- 5/MA/93, इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर, क्षेत्रफल 96.00 वर्ग मीटर का आवंटन श्री त्रिलोक पुत्र स्व. श्री छाजू राम को किया गया था। मूल पट्टा अपंजीबद्ध है। तत्पश्चात आवंटन श्री त्रिलोक पुत्र स्व. श्री छाजू राम के द्वारा उक्त अपंजीबद्ध पट्टे का मुख्त्यारनामाआम श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री मोती लाल शर्मा को नियुक्त किया गया। उक्त मुख्त्यारनामाआम अपंजीबद्ध है। तत्पश्चात अपंजीकृत मुख्त्यारनामाआम धारक श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री मोती लाल शर्मा के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरिये विक्रय पत्र श्री विरेंद्र कौशिक पुत्र श्री लक्ष्मण प्रसाद शर्मा को कर दिया। यह विक्रय पत्र दिनांक 09/04/2007 को पंजीबद्ध है। तत्पश्चात श्री विरेंद्र कौशिक पुत्र श्री लक्ष्मण प्रसाद शर्मा के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरिये विक्रय पत्र श्री फरीदुज्जमा पुत्र श्री सईदुज्जमा को कर दिया। यह विक्रय पत्र दिनांक 09/06/2010 को पंजीबद्ध है। तत्पश्चात श्री फरीदुज्जमा पुत्र श्री सईदुज्जमा के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरिये विक्रय पत्र श्रीमती रजनी बाई मीना पत्नी श्री महेन्द्र कुमार मीना को कर दिया। यह विक्रय पत्र दिनांक 14/02/2024 को पंजीबद्ध है। श्रीमती रजनी बाई मीना पत्नी श्री महेन्द्र कुमार मीना के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का हस्तान्तरण अपने पक्ष में कर उक्त भूखण्ड का नवीन पट्टा अपने पक्ष में जारी करने हेतु आवेदन किया गया है। जिसके क्रम में आवेदक के द्वारा प्रस्तुत प्रपत्रों में अपंजीबद्ध मुख्त्यारनामाआम की छाया प्रति प्रस्तुत की गई है। उक्त हस्तान्तरण एवं मुख्त्यारनामाआम के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती रजनी बाई मीना पत्नी श्री महेन्द्र कुमार मीना के नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर उनके पक्ष में उक्त भूखण्ड का नवीन पट्टा जारी करने की कार्यवाही कर दी जायेगी।
सम्पदा प्रबंधक वृत तृतीय, रा०आ०मं० जयपुर

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 79/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री ओम प्रकाश गुप्ता निवी सी-92/187 पटेल मार्ग, मानसरोवर जयपुर राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास केशव विद्यापीठ समिति, केशव विद्यापीठ जामडोली जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है। अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 02.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 08.04.2026
मोहर अदालत सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

बिकाऊ
रिहायशी
श्याम नगर, माईऑन स्कूल के पास, चौधरी हाउस 565 वर्गगज में निर्मित 2 BHK-10 फ्लैट्स मय 4500 फिट बेसमेंट एकसाथ बिकाऊ। संपर्क- 9982245670

न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-01 कोटपूतली जिला-कोटपूतली-बहरोड
उद्घोषणा (इश्तहार)
उनवान-श्योचन्द बनाम आम एवं खास वगैरा
मु.नं.-09/2020 तारीख पेशी 16/2/2026
विषय-उत्ताधिकार प्रमाण पत्र/प्रोबेट लेटर ऑफ एडिमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु।
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण श्योचन्द पुत्र श्री बालूराम, जाति-मेघवाल, निवासी-शहबादपुर, तहसील नंगल चौधरी, जिला-महेन्द्रगढ, हरियाणा ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि उसके मृतक सतीश कुमार पुत्र श्योचन्द का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र प्रोबेट लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्रदान किया जावे।
अतः उक्त प्रार्थना पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 16 माह 2 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 03 माह 02 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रांकन से जारी किया गया है।
मोहर अदालत आज्ञा से-प्रस्तुतकार ग्रेड प्रथम अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-1, कोटपूतली

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर:
DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1251
चूंकि प्रार्थी श्री TOOLIKA GUPTA, Director res. IICD, J-8, Jhalana Institutional Area, Jaipur-302004 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्राफ्ट्स एंड डिजाइन, J-8, JHALANA INSTITUTIONAL AREA, JHALANA DOONGRI, JAIPUR - 302004 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 28-01-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 02/04/2026
सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय पंचायत समिति गोविन्दगढ़, जयपुर
Email ID:bdo.jai.gov@gmail.com Phone No. 01423-230025
क्रमांकः-पंसगो / लेखा/ई-निविदा/2025/213 दिनांकः-05.02.2026
निविदा सूचना संख्या /2025-26
वित्तीय वर्ष 2025-26 में पंचायत समिति गोविन्दगढ एवं अधीनस्थ ग्राम पंचायतों में विभिन्न योजनओं में स्वीकृत कार्यो / संकर्म हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत प्रतिष्ठानों / संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र मे निविदाये आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण eproc.rajasthan.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in से upload/download की व देखी जा सकती है।
NIB NO offline- PFA2526A0443 To PFA2526A0449 AND PFA2526A0456
UBN No. offline- PFA2526WSOB00444 To PFA2526WSOB00450 AND PFA2526WSOB00457
NIB NO online- PFA2526A0439 To PFA2526A0442 AND PFA2526A0450 To PFA2526A0455
UBN NO online- PFA2526WSOB00440 To PFA2526WSOB00443 AND PFA2526WSOB00451 To PFA2526WSOB00456
विकास अधिकारी पंचायत समिति गोविन्दगढ़ (जयपुर)

कार्यालय नगर निगम, कोटा राजस्थान
राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल-कोटा
क्रमांक :- ननिको / वि0 / 2026 / 378-384 दिनांक :- 03.02.2026
-:: ई-निविदा संशोधन ::-
इस कार्यालय द्वारा जारी ई-निविदा सूचना क्रमांक ननिको वि0 / 21 / 2026 / 279-286 दिनांक 13.01.2026 हेतु जारी बिड डॉक्यूमेंट के पृष्ठ संख्या 5 पर अंकित शर्त संख्या 4 को Technical Eligibility Criteria के बिन्दु संख्या 19.3.(1) के अनुसार पढ़ा जावे।
शेष शर्ते यथावत् रहेगी।
अधिशाषी अभियंता नगर निगम कोटा
राज.संवाद / सी / 25 / 19277

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1379
चूंकि प्रार्थी श्री DR. VIDHYASAGAR UPADHYAY, 149, 150, KASTURBA NAGAR, GAUTAM MARG, NIRMAN NAGAR, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास जन कला साहित्य मंच संस्था B-4, JAI AMBE NAGAR, TONK ROAD, GOPALPURA, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 05.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 15.04.2026
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र सं. 7 (देखिए नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नं. 46/2026
चूंकि प्रार्थी श्री पुनीत शर्मा पुत्र श्री श्याम सुन्दर शर्मा निवासी ग्राम सारी पोस्ट सारी, तहसील चिडावा, जिला झुंझुनूं ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत श्री श्याम जनकल्याण ट्रस्ट मंदिर परिसर श्री श्याम जी ग्राम सारी पोस्ट सारी तह. चिडावा जिला झुंझुनूं सार्वजनिक प्रन्यास के संबंध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 30.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी- 08.04.2026
सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1377
चूंकि प्रार्थी श्री DAKSHA PARASHAR, 71/199, NEAR K. V. 5, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास उत्कर्ष संस्थान 123/157, AGRAWAL FARM, MANSAROVAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 05.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 10.04.2026
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

NATIONAL SC-ST HUB | भारत सरकार GOVERNMENT OF INDIA सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय MINISTRY OF MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES | एन एस आई सी NSIC
अनुसूचित जाति/जनजाति उद्यमियों को अवसर प्रदान करने हेतु
नेशनल एससी-एसटी हब योजना
अक्टूबर 2016 से
एससी-एसटी इकाईयों से सरकारी खरीद 38 गुना बढ़ी
1.5 लाख से अधिक एससी-एसटी उद्यमी लाभान्वित
मुख्य लाभ
- ₹25 लाख तक की सब्सिडी
- निःशुल्क क्षमता निर्माण प्रशिक्षण
- विक्रेता विकास एवं बाजार संपर्क सहायता
- प्रतिस्पर्धात्मकता संवर्धन सहयोग

"एम एस एम ई हमारे देश की आर्थिक वृद्धि में परिवर्तनकारी भूमिका निभाते हैं। हम इस क्षेत्र के संरक्षण और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं।"
— प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
अधिक जानकारी के लिए देखें: www.scsthub.in
राष्ट्रीय एससी-एसटी हब फॉलो करने के लिए QR code स्कैन करें
CBC 25106/15/0001/2526

पाकिस्तान 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप स्टेज मैच में भारत के खिलाफ बहिष्कार के अपने फैसले पर कभी भी यू-टर्न ले सकता है।

- इरफान पठान

पूर्व भारतीय गेंदबाज, पाकिस्तान टीम को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **विराट कोहली**

भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने पूर्व भारतीय क्रिकेटरों दिनेश कार्तिक और मिताली राज के साथ मिलकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की महिला टीम की महिला प्रीमियर लीग फाइनल में खिताब जीतने वाली परफॉर्मेंस की तारीफ की, और इस जीत को महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण पल बताया। सोशल मीडिया पर कोहली ने कप्तान स्मृति मंधाना और आरसीबी टीम को उनके दूसरे डब्ल्यूपीएल खिताब के लिए बधाई दी। कोहली ने कहा, फिर से चैंपियन। आरसीबी का झंडा ऊंचा रखना कुछ ऐसा है जिस पर आप सभी को गर्व हो सकता है।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय क्रिकेट टीम के नाम वनडे में 300 रनों का सफल पीछा (20 बार) करने का विश्व रिकॉर्ड और टी20 में 67 प्रतिशत से अधिक मैच जीतने का रिकॉर्ड है।

वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, तोड़े सारे रिकॉर्ड

हरारे, 6 फरवरी। भारत के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार, 6 फरवरी को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में एक शानदार शतक जड़ा और इतिहास रच दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था, जिसके बाद 14 वर्षीय इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने फाइनल में सिर्फ 55 गेंदों में तूफानी शतक बनाया। सूर्यवंशी ने अपनी शानदार पारी के दौरान कई रिकॉर्ड भी बनाए। इस बल्लेबाज ने अंडर-19 विश्व कप फाइनल में सबसे तेज शतक और टूर्नामेंट में दूसरा सबसे तेज शतक बनाया। उनका 55 गेंदों का शतक ऑस्ट्रेलिया के विल मलाजचुक से थोड़ा ही पीछे था, जिन्होंने टूर्नामेंट में पहले 51 गेंदों में शतक जड़ा था। उन्होंने 80 गेंदों में शानदार 175 रन बनाए, जिसमें 15 चौके और 15 छक्के शामिल थे। यह टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरा सबसे तेज शतक है, जो ऑस्ट्रेलिया के विल मलाजचुक के बाद है, जिन्होंने जापान के खिलाफ 51 गेंदों में शतक बनाया था। सूर्यवंशी टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र के शतकवीर भी बन गए। सूर्यवंशी ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे अधिक छक्कों का सर्वकालिक रिकॉर्ड भी तोड़ दिया, उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के देवाल्ड ब्रेविस को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 2024 में 18 छक्के लगाए थे। इस लेख को लिखे जाने तक, भारत के इस सनसनीखेज बल्लेबाज ने आठ छक्के लगाए थे और टूर्नामेंट में उनके छक्कों की संख्या 23 हो गई थी। इस बीच, उन्होंने अफगानिस्तान के फैसल शिनोजादा के 435 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 2026 संस्करण में सर्वोच्च रन बनाने का रिकॉर्ड भी बना लिया है। कुल मिलाकर, वह आईसीसी अंडर-19 विश्व कप फाइनल में शतक बनाने वाले छठे खिलाड़ी और दूसरे भारतीय हैं। उन्मुक्त चंद, मनजोत कालरा, ब्रेट विलियम्स, जारार्ड बर्क और स्टीफन पीटर्स जूनियर वनडे विश्व कप फाइनल में शतक लगाने वाले अन्य पांच बल्लेबाज हैं। 14 वर्षीय खिलाड़ी पहली बार तब सुर्खियों में आए जब उन्होंने 2024 में आयोजित मेगा नीलामी में राजस्थान रॉयल्स के साथ रिकॉर्ड डील हासिल की। और उन्होंने पिछले सीजन में करियर की पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर शानदार एंट्री की।

अंडर 23 ट्रॉफी : पहले दिन राजस्थान के अनिरुद्ध व रोहन राजभर के अर्धशतक

जयपुर 6 फरवरी। आज से नागपुर में शुरू हुए राजस्थान - विधर्भ अंडर 23 मैच के पहले दिन राजस्थान के अनिरुद्ध सिंह व रोहन राजभर ने शानदार अर्धशतक बनाये। राजस्थान पहली पारी 261/7, पहले दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने पहली पारी ,में 7 विकेट के नुकसान पर 261 रन बना लिए थे , टीम के लिए अनिरुद्ध सिंह 81 , रोहन राजभर 53 , करण लाम्बा 43 , सुमित गोदारा 26 , रजत बघेल 20 व चेतन शर्मा नाबाद 11 रन।विधर्भ के गेंदबाज संस्कार , साहिल 2 - 2 विकेट।

राजस्थान -छत्तीसगढ़ सीनियर वीमेन ट्रॉफी मैच (छत्तीसगढ़ जीती)। वड़ोदरा में खेली जा रही बीसीसीआई सीनियर वीमेन ट्रॉफी के आज खेले गए राजस्थान - छत्तीसगढ़ मैच में छत्तीसगढ़ जीती।राजस्थान पारी 197 आल आउट। टीम के लिए आयुषी गर्ग 47, संगीता कुमावत 44, सुमित्रा जाट 26, डिंपल कँवर 23, सुमन मीणा 20 रन।छत्तीसगढ़ की गेंदबाज तर्रनुम 32 / 2, छत्तीसगढ़ पारी 200 / 6, टीम के लिए प्रीति नाबाद 46 , ऐश्वर्या 48 व शिवानी नाबाद 37, राजस्थान की गेंदबाज सोनल कलाल 40 /2 , सुमन मीणा , संगीता कुमावत 1 - 1 विकेट।

आल इंडिया सब जूनियर बैडमिंटन में जयपुर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 6 फरवरी। कल संपन्न हुई योनेक्स सनराइज ऑल इंडिया सब जूनियर बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट में जयपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते एक स्वर्ण, एक रजत व कांस्य पदक जीता अंडर 15 बालक युगल में जयपुर की गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी वयम लांबा व श्रेयांश चौधरी ने स्वर्ण पदक जीता तथा इसी श्रेणी के मिश्रित युगल में जयपुर के मनन शर्मा ने पंजाब की पार्टनर के साथ रजत पदक जीता। दूसरी वरीयता प्राप्त अन्वी राठौर को बालिका एकल में कांस्य पदक हासिल किया। जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष अनिल मेहता, सचिव मनोज दासोत व कोषाध्यक्ष अतुल गुप्ता ने स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को 11-11 हजार रुपए देने की घोषणा की। साथ ही रजत में कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को भी पदक अनुसार राशि दी जाएगी।

के एल सैनी ''ए'' डिवीजन लीग आज से

जयपुर, 6 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ के द्वारा दिनांक 7 फरवरी से के एल सैनी स्मृति ''ए'' डिवीजन लीग का आयोजन किया जा रहा है। उदघाटन मुकाबला सुराना क्रिकेट अकेडमी बनाम यूनियन क्रिकेट क्लब के मध्य के एल सैनी स्टेडियम पर खेला जाएगा। प्रतियोगिता 8 टीमों के मध्य राउंड रॉबिन आधार पर खेली जाएगी।

भारत ने इंग्लैंड को 100 रनों हराकर जीता अंडर-19 विश्वकप का छठा खिताब

हरारे, 6 फरवरी। वैभव सूर्यवंशी (175) के विस्फोटक शतक के बाद अम्ब्रिश (तीन विकेट), दीपेश देवेंद्रन और कनिष्क चौहान (दो-दो विकेट) की बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ने शुक्रवार को फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड पर 100 रनों से बड़ी जीत दर्ज करते हुए अंडर-19 विश्वकप का अपना छठा खिताब जीता। वैभव सूर्यवंशी को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच तथा प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया।

412 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने पांचवें ही ओवर में जोसेफ मूर्स (17) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये बेन मेयस ने बीजे डॉवकिंस ने दूसरे विकेट के लिए 74 रन जोड़े। 13वें ओवर में खिलन पटेल ने बीजे डॉवकिंस को आउट कर इंग्लैंड को दूसरा झटका दिया। बीजे डॉवकिंस ने 28 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए 45 रन बनाये। कप्तान थॉमस रियू (31) को कनिष्क चौहान ने आउट किया। इसके बाद 21वें ओवर में भारत ने इंग्लैंड के तीन विकेट झटककर अपनी जीत पक्की कर ली। रलफी एलबर्ट (शून्य) रनआउट, फरहान अहमद (एक) और सेबेस्तियन मॉर्गन (शून्य) को दीपेश देवेंद्रन ने आउट किया। जेम्स मिंटो (28) रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड की टीम 40.2 ओवरों में 311 रन ही बना सकी और 100 रनों से मुकाबला हार गई। इंग्लैंड की ओर से कैलेब फाल्कनर ने शतकीय पारी खेली, लेकिन अपनी टीम को जीत दिलाने में विफल रहे। उन्होंने 67 गेंदों में नौ चौके और सात छक्के लगाते हुए 115 रनों की पारी खेली। उन्हें कनिष्क चौहान ने आउट किया।

भारत के लिए अम्ब्रिश को तीन विकेट मिले। दीपेश देवेंद्रन और कनिष्क चौहान ने दो-दो विकेट लिये। खिलन पटेल और आयुष म्हात्रे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां वैभव सूर्यवंशी (175) के विस्फोटक शतक, कप्तान मयंक अग्रवाल (53) और अभिज्ञान कुंडु (40) की पारियों की बदौलत भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ नौ विकेट पर 411 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

वैभव सूर्यवंशी ने 80 गेंदों पर 175 रन में 15 चौके और 15 छक्के लगाये। उनके क्रीज पर रहते भारत 500 रन की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा था, लेकिन इंग्लैंड ने अंतिम 10 ओवरों में अच्छी वापसी की।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने चौथे ही ओवर में एरन जॉर्ज (नौ) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान आयुष म्हात्रे ने वैभव के साथ पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों ने तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 142 रनों की साझेदारी हुई। 19वें ओवर में एलेक्स ग्रीन ने आयुष म्हात्रे को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा, लेकिन उससे एक गेंद पहले छक्का लगाकर वह अपना अर्धशतक पूरा कर चुके थे। आयुष म्हात्र ने 51 गेंदों का सामना किया और सात चौके और दो छक्के लगाये।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये वेदांत त्रिवेदी एक छोर थामे खड़े रहे। वहीं दूसरे छोर से वैभव सूर्यवंशी छक्के और चौकों की बरसात करते हुए तेजी के साथ अपना और टीम का स्कोर बढ़ाते रहे। इसी दौरान वैभव सूर्यवंशी ने 55 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने 20वें ओवर की अखिरी गेंद पर एक रन लेकर अपना शतक बनाया। 26वें ओवर में वैभव सूर्यवंशी तीसरे विकेट के रूप में आउट हुये। उन्हें मैनी लुम्सडेन की गेंद पर विकेट के पीछे थॉमस रियू ने कैच आउट किया। वैभव सूर्यवंशी ने 80 गेंदों में 15 चौके और 15 छक्के लगाते हुए 175 रनों की विस्फोटक शतकीय पारी खेली।

फ़्लू से लड़कर मंधाना ने आरसीबी को जिताया ख़िताब

वडोदरा, 6 फरवरी। महिला प्रीमियर लीग के फाइनल में स्मृति मंधाना ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए उस वक्त मोर्चा संभाला, जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 204 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए मंधाना ने सिर्फ 41 गेंदों में 87 रन की तूफानी पारी खेली। गौरतलब है कि यह पारी इसलिए और खास मानी जा रही है क्योंकि फाइनल से एक रात पहले स्मृति मंधाना तेज बुखार से जूझ रही थीं। मौजूद जानकारी के अनुसार उनका तापमान 103 डिग्री तक पहुंच गया था, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने फाइनल खेलने का फैसला किया और मैदान पर उतरकर मैच का रुख ही बदल दिया।

आरसीबी ड्रेसिंग रूम में कोच मलोलन रंगराजन ने फाइनल से पहले पूरी टीम को मंधाना की तबीयत के बारे में बताया था। उन्होंने कप्तान की तारीफ करते हुए कहा कि स्मृति ने बिना किसी शिकायत के खुद को फिट करने की पूरी कोशिश की और टीम के लिए उपलब्ध रहीं। कोच के शब्दों में यह सिर्फ एक पारी नहीं, बल्कि नेतृत्व और प्रतिबद्धता की मिसाल है।

मैच में मंधाना को जॉर्जिया वोल का भरपूर साथ मिला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 165 रन की साझेदारी कर दिल्ली के गेंदबाज़ों पर जबरदस्त दबाव बनाया हैं। वोल ने भी 79 रन की अहम पारी खेली, जिससे लक्ष्य का पीछा आसान होता नजर आया। हालांकि दोनों बल्लेबाज़ सेट होने के बाद आउट हो गईं, जिससे मुकाबला आखिरी ओवर तक खिंच गया। अंतिम ओवर में आरसीबी को 10 रन चाहिए थे और क्रीज पर राधा यादव और नादिन डी क्लार्क मौजूद थीं। राधा ने दबाव में संयम दिखाते हुए लगातार दो चौके लगाए और टीम को जीत दिला दी। जैसे ही जीत पक्की हुई, मंधाना डगआउट में खुशी से उछलती नजर आईं और साथी खिलाड़ियों ने उन्हें गले लगा लिया। इस खिताबी जीत के साथ आरसीबी ने दूसरी बार महिला प्रीमियर लीगट्रॉफी अपने नाम की हैं। यह सफलता इसलिए भी खास रही क्योंकि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले एलिस पेरी निजी कारणों से बाहर हो गई थीं।

इजहार खान 125 रन की शतकीय पारी

जयपुर, 6 फरवरी। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित प्रथम श्रीमती मुमताज खान स्मृति अंडर-14 लीग कम नाकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज नैना एकेडमी पर खेले गए मैच में इजहार खान 125 रन की शतकीय पारी आरव शर्मा 85 रन की अद्धर्शतकीय पारी व जिज्ञांस मीणा की 17 रन पर 4 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत एकतरफा क्वार्टर फाईनल मुकाबले में कैण्डलविक क्रिकेट एकेडमी को 317 रन से हरकार सेमीफाईनल में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर नैना एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए इजहार खान 125 रन, आरव शर्मा 85 रन, उर्मित सिंह 45 रन, तनिष यादव 44 रन, अली खान 29 रन तथा अतिरिक्त 61 रन की मदद से निर्धारित 40 ओवर में 5 विकेट खोकर 395 रन बनायें। गेंदबाजी में कैण्डलविक एकेडमी की ओर से मानव गुप्ता 61 रन पर 2 विकेट, आर्यमान सिंह 89 रन पर 2 विकेट तथा साकेत 63 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें।

जवाबी पारी में कैण्डलविक एकेडमी के कौशलेन्द्र टेकरीवाल 16 रन, आरव शर्मा 14 रन तथा शौर्य चौपड़ा 12 रन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज नैना एकेडमी के गेंदबाजों जिज्ञांश मीणा 17 रन पर 4 विकेट, कयांश 7 रन पर 2 विकेट, रिशभ 32 रन पर 2 विकेट की शानदार गेंदबाजी के समक्ष नहीं टिक सकें और पूरी टीम 252 ओवर में 78 रन पर सिमट गयी।

स्टार ऑलराउंडर हर्षित राणा चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली, 6 फरवरी। भारतीय टीम के ऑलराउंडर हर्षित राणा चोट के कारण आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गए हैं। हर्षित राणा बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया के टी20 विश्व कप 2026 के वार्म-अप मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। शनिवार को अमेरिका के खिलाफ टीम के पहले मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वार्म-अप मैच के बाद हर्षित राणा की तबीयत ठीक नहीं लग रही थी और टीम के फिजियो उनकी चोट की जांच कर रहे हैं। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि वार्म-अप मैच के बाद हर्षित की तबीयत ठीक नहीं लग रही थी। फिजियो उनकी चोट का आकलन कर रहे हैं। 24 वर्षीय दिल्ली के इस तेज गेंदबाज ने सिर्फ एक ओवर फेंका, जिसमें उन्होंने 16 रन दिए और मैच में आगे कोई भूमिका नहीं निभाई। इससे पहले मैच में राणा ने भारतीय टीम के लिए बल्लेबाजी भी की थी, जिसमें उन्होंने सिर्फ एक गेंद का सामना किया था।

एक जिला एक खेल (कबड्डी) खिलाड़ियों का चयन 9 को

जयपुर, 6 फरवरी। मुख्यमंत्री योजना के तहत पंच गौरव योजना के अन्तर्गत एक जिला एक खेल (कबड्डी) को जयपुर जिले को चयन किया गया है। खिलाडीयों के शारिरीक मानसिक एंव बेसिक विकास हेतु भारतीय खेल प्राधिकरण साउथ सेन्टर बैंगलोर में एक सप्ताह का भ्रमण कार्यक्रम रखा गया है। उक्त भ्रमण हेतु 18 वर्ष तक के बालक बालिकाओं का उनके प्रदर्शन (खेल) के आधार पर चयन किया जायेगा। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता ओर राज्य स्तर पर पदक विजेता व राष्ट्रीय स्तर पर भाग लिया है।

दौसा से महिला खिलाड़ी तानिका शर्मा और याना वर्मा का चयन

जयपुर, 6 फरवरी। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित अंडर -23 महिला चैलेंजर प्रतियोगिता जयपुर में आयोजित की गई जिसमें 3 मैच करवाए गए उन मैचों की परफॉर्मेंस को देखते हुए पूरे राजस्थान से 30 महिला खिलाड़ीयों का कैंप में चयन किया गया है जिसमें दौसा से तनिका शर्मा और याना वर्मा का चयन किया है।

तानिका को चैलेंजर प्रतियोगिता में 3 में से 2 मुकाबलों में खिलाया जिसमें पहले मैच में नाबाद 35 रन बनाए और दूसरे मुकाबले में नाबाद 103 रन की शतकीय पारी खेली। इसके अलावा याना को टीम डी की कप्तानी करते हुए 3 मैच में 44 रन और 1 विकेट लिया इनकी परफॉर्मेंस से कैंप में इनका चयन हुआ।

प्रदेश के नमन चौधरी बेस्ट एनसीसी कैडेट रहे

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ एनसीसी कैडेट्स से रूबरू हुए

जयपुर, 6 फरवरी। युवा मामले एवं खेल, उद्योग एवं सैनिक कल्याण मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने शुक्रवार को सवाई मान सिंह स्टेडियम में प्रदेश के एनसीसी कैडेट्स से रूबरू हुए, जो अभी हाल में ही 26 जनवरी के रिपब्लिक डे परेड में भाग लेकर आए थे। उन्होंने इन कैडेट्स से उनके प्रशिक्षण शिविर से लेकर परेड तक के अनुभव के बारे में जानकारी हासिल की और उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी।

राजस्थान से कुल 184 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया था, जिसमें नमन चौधरी बेस्ट एनसीसी कैडेट रहे। वही मोनिका ने एडवेंचर में भाग लेते हुए एवरेस्ट पर गई। रिपब्लिक डे परेड में पूरे देश की एनएसएस की टीम को जयपुर की एमिटी यूनिवर्सिटी की चारू सिंह ने लीड किया। प्रदेश से एनएसएस की ओर से 10 बच्चो ने भाग लिया था। शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार तथा अध्यक्ष, राजस्थान युवा बोर्ड डा. नीरज के. पवन ने बताया कि दिल्ली में राष्ट्रीय युवा महोत्सव के दौरान आयोजित विकसित भारत यंग लीडरशिप डायलॉग में प्रधानमंत्री के सामने विकसित भारत की प्रस्तुतिकरण के प्रदेश के दो बच्चे प्राची और दीपक शर्मा का चयन हुआ था।

विकसित भारत यंग लीडरशिप डायलॉग में प्रधानमंत्री ने युवाओं को देश के विकास में अपनी भूमिका निभाने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का निर्माण युवाओं के हाथ में है और हमें मिलकर इस लक्ष्य को हासिल करना है। यूथ ही 2047 में विकसित भारत का निर्माण करेंगे। शुक्रवार को मुख्य सचिव ने प्रदेश की प्राची और दीपक शर्मा से वीडियो कॉल पर बात की और उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी। प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से सचिव, युवा मामले, भारत सरकार श्रीमती पल्लवी जैन ने मुलाकात की और बताया कि राजस्थान में यूथ पर सबसे अच्छा काम हो रहा है।

कार्यालय भरतपुर विकास प्राधिकरण,भरतपुर

क्रमांकः-स्टोर / 2025-26 / 1742 दिनांकः 04.02.2026

ऑक्शन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण, भरतपुर द्वारा निर्मित विश्वप्रिय शास्त्री चौपाटी की दुकान संख्या 01 से 09 किराये पर दिया जाना है। जिसके लिए उपयुक्त सक्षम श्रेणी की फर्मे ऑक्शन हेतु आमंत्रित की जाती है। उक्त ऑक्शन की पूर्ण जानकारी व शर्तें प्राधिकरण कार्यालय में देखी जा सकती है।

क्र. सं	चौपाटी का नाम	न्यूनतम प्रारंभिक बोली राशि (प्रति दुकान / माह)	अमानत राशि
1	विश्वप्रिय शास्त्री पार्क चौपाटी	7000.00 रू0	15000.00 रू0

लोहागढ घना चौपाटी विश्वप्रिय शास्त्री पार्क भरतपुर व्यावसायिक दुकानें मय ओपन स्पेस अस्थायी रजिस्ट्रेशन / अमानत राशि / दस्तावेज, जमा करने की कार्यवाही 09.02.2026 से दिनांक 25.02.2026 प्रातः 11:00 बजे से सायं 06:00 बजे के मध्य एवं ऑफलाईन नीलामी दिनांक 27.02.2026 प्रातः 11:00 बजे प्राधिकरण कार्यालय सभागार में आयोजित की जावेगी।

UBN No. WAQ2526SSOB00298

राज.संवाद / सी / 25 / 19316 सचिव

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, (अनाज) पूगल रोड़, बीकानेर

E-mail: kums.pugalroad@rajasthan.gov.in

क्रमांक :-20289550 दिनांक:-03.02.2026

Notice Inviting Bid (NIB 07 /2025-26)

Single stage, two-envelopes unconditional e-bids are invited from manufacturers/direct importers/Authorized Dealer on behalf of the Krishi Upaj Mandi Samiti (Anaj) Pugal Road, Bikaner for the procurement of Oil Testing Machine /NIR Grain Analyser. Details may be seen in the Bidding Document at the office of the Krishi Upaj Mandi Samiti (Anaj) Pugal Road, Bikaner or State Public Procurement Portal website https://sppp.rajasthan.gov.in. or on departmental website https://agriculture.rajasthan.gov.in/dam or https://eproc.rajasthan.gov.in. The bidding document may be downloaded from either of the above websites and uploaded duly filled in with payment of Rs. 1180/- through banker's cheque/demand draft in favour of Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti (Anaj) Pugal Road, Bikaner payable at Pugal Road Bikaner Details of bid are following:-

S. NO.	Bid Title	Estimated Cost (In Lakhs)	UBN No. & TENDER ID
1	Supply and Installation of Oil Testing Machine-NIR/Grain Analyser	15.00	DAM2526GLOB01174 TENDER ID 2026_DAMJP_535313_1

Raj.Samwad/C/25/19322 Administrator Secretary

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

झलकारी बाई स्मारक के पास पंचशील-लोहागल मार्ग, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920

क्रमांक :-MEW/2025-26/1962 दिनांक:- 02.02.2026

:: ई-निविदा सूचना संख्या 56/2025-26 ::

नगर निगम अजमेर की ओर से नगर निगम अजमेर एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल निर्माण कार्यो हेतु ऑनलाईन ईनिविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यो की कुल लागत	राशि 62.65 लाख (03 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	Date 02.02.26 से 12.02.26 को 6.00 PM तक
Technical निविदा खोलने की तिथि व समय	Date 13.02.26 को 11:30AM पर
Financial निविदा खोलने की तिथि	सफलतम निविदादाता को उचित माध्यम के द्वारा सूचित कर दिया जावेगा।

विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।

Nib Code :- ANN2526A0213

S.No.	UBN No.	S.No.	UBN No.
1	ANN2526WSOB00275	2	ANN2526WSOB00276
3	ANN2526WSOB00277		

राज.संवाद / सी / 25 / 19281 अधिशाषी अभियन्ता नगर निगम अजमेर

कार्यालय नगरपरिषद, राजसमन्द

जिला परिषद रोड़, राजनगर

टेलिफोन नं. 02952-220034, फेक्स नं. 02952-221233, ई-मेल rajsamandnagarpalika@gmail.com

क्रमांक : एफ( )नपरा / इंजी / ई निविदा / 32 / 2025-26 / 9040 दिनांक :- 02.02.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 32/2025-26

नगर परिषद राजसमन्द द्वारा विकास कार्यो हेतु समस्त विभागों में पंजीकृत संवेदकों, कम्पनी, संगठनों / संस्थानों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन तकनीकी व वित्तिय निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड़ की जा सकती है।

निविदा क्रार्यक्रम	तिथि व समय
कार्य की संख्या	10
कार्यो की अनुमानित लागत	159.98 लाख
निविदा अपलोड की तिथि	03.02.2026 06:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	04.02.2026 09:00 AM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	16.02.2026 06:00 PM
भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की तिथि	17.02.2026 01:00 PM
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	17.02.2026 04:00 PM
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in
दोष निवारण अवधी	नियमानुसार
UBN NO-	DLB2526WSOB32968, 32969, 971, 972, 973, 978, 979, 981, 982

राज.संवाद / सी / 25 / 19244 सभापति नगरपरिषद राजसमन्द आयुक्त नगरपरिषद राजसमन्द

कार्यालय नगरपरिषद, राजसमन्द

जिला परिषद रोड़, राजनगर

टेलिफोन नं. 02952-220034, फेक्स नं. 02952-221233, ई-मेल rajsamandnagarpalika@gmail.com

क्रमांक : एफ( )नपरा / इंजी / ई निविदा / 33 / 2025-26 / 9116 दिनांक :- 03.02.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 33/2025-26

नगर परिषद राजसमन्द द्वारा विकास कार्यो हेतु समस्त विभागों में पंजीकृत संवेदकों, कम्पनी, संगठनों / संस्थानों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन तकनीकी व वित्तिय निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड़ की जा सकती है।

निविदा क्रार्यक्रम	तिथि व समय
कार्य की संख्या	6
कार्यो की अनुमानित लागत	80.99 लाख
निविदा अपलोड की तिथि	04.02.2026 06:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	05.02.2026 09:00 AM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	17.02.2026 06:00 PM
भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की तिथि	18.02.2026 01:00 PM
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	18.02.2026 04:00 PM
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in
दोष निवारण अवधी	नियमानुसार
UBN NO-	DLB2526WSOB33121, 122, 123, 124, 125 & 126

राज.संवाद / सी / 25 / 19245 सभापति नगरपरिषद राजसमन्द आयुक्त नगरपरिषद राजसमन्द

जवाहर कला केन्द्र, जयपुर

कार्यालय महानिदेशक

क्रमांक :- प.3 () जकके/हैल्पर इलेक्ट्रिशियन की सेवा आपूर्ति कार्य/ 2025-26/1348 दिनांक :- 02/02/2026

जवाहर कला केन्द्र में स्थापित स्टेज लाईटस् एवं उपकरणों से संबंधित काम्प्रेहेंसिव रखरखाव का कार्य हेतु खुली-निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत सूचना एवं शर्ते https://sppp.rajasthan.gov.in or jkk.artandculture.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। NIB No. JKK2526A0038, UBN NO. JKK2526SSOB00037

राज.संवाद/सी/25/19341 अतिरिक्त महानिदेशक (प्रशा.)

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

कार्या. अधीक्षण अभियंता (उत्पादन वृत्त), बांसवाड़ा, फोनः 02962-251252

ऑनलाइन निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है:- 24(RVU2526GLOB02154) SF-6 सर्किट ब्रेकर्स एवं 25(RVU2526SLOB02233) वार्षिक अनुबंध पर वाहनों की आपूर्ति। निविदा विवरण वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/19334 RVUN/PR-4336 अधीक्षण अभियन्ता (उत्पादन)

RajCOMP Info Services Limited (RISL)

C-Block 1st Floor, Yojana Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur

Notice Inviting Bid

NIB No. F4.9(1191)/RISL/Tech/Misc/2025/6163 Dated 02.02.2026

RISL invites bids from the eligible bidders for RFP "Selection of Firms for providing Co-Working Spaces on rental basis for setting up of iStart Facilitation desks at Hyderabad, Bangalore, Delhi & Mumbai for three years" till 12/03/2026 at 04.00 PM. With Pre-bid on 11-02-2026 at 03.00 PM For more details please visit on the websites: https://sppp.rajasthan.gov.in, https://risl.rajasthan.gov.in.

UBN - RIS2526SLOB00076

Raj.Samwad/C/25/19320

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)

फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com website- www.npkarauli.in

क्रमांक : न0परि0क0 / निविदा / 2025 / 5023 दिनांक : 02.02.2026

संशोधित ई-निविदा सूचना

नगरपरिषद करौली द्वारा आमंत्रित ई-निविदा सूचना संख्या 4653 दिनांक : 12.01.2025 की तिथियों में निम्न प्रकार संसोधन किया जाता है।

क्र.सं.	तिथिओं का विवरण	पूर्व की तिथि	संशोधित तिथि
1	ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	03.02.2026 समय 6:00 पीएम तक	09.02.2026 समय 6:00 पीएम तक
	भौतिक दस्तावेज जमा कराने की अंतिम तिथि	04.02.2026 समय 4:00 पीएम तक	10.02.2026 समय 04:00 पीएम तक
2	निविदा खोलने की तिथि व समय	05.02.2026 समय 1:30 पीएम तक	11.02.2026 समय 02:00 पीएम तक

राज.संवाद / सी / 25 / 19254 आयुक्त नगरपरिषद, करौली

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इनवेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम)

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर- 302005, फोन-0141-2227751,4593201

ई-मेल-riico@riico.co.in वेबसाइट-riico.rajasthan.gov.in

निविदा सूचना

रीको द्वारा निम्नांकित कार्यो / आपूर्ति / सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सीलबंद निविदाऐं एवं राशि रू. 2.00 लाख से अधिक की निविदाऐं ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाइन निर्धारित प्रपत्र में eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती हैं:-

इकाई का नाम, UBN एवं कार्य की राशि (लाख रू. में):- **जोधपुर**-औद्योगिक क्षेत्र बासनी फेज-1 व 2, सांगरिया फेज-1 व 2 एवं सभी स्थानांतरित औद्योगिक क्षेत्रों का संचालन एवं रखरखाव का कार्य। **RDC2526WLOB01708(519.02)**, RDC2526WSOB01696(6.67), RDC2526WSOB01697(3.78), RDC2526WSOB01698(5.69), RDC2526WSOB01699(12.28), RDC2526WSOB01700(8.30), RDC2526WSOB01701(7.17), **भीलवाड़ा-RDC2526WSOB01678(451.54)**, **कोटा-RDC2526WSOB01731(415.48)**, **अजमेर**-RDC2526WSOB01679(9.47), RDC2526WSOB01680(3.76), RDC2526WSOB01681(3.55), RDC2526WSOB01683(6.24), RDC2526WSOB01682(133.23), **उदयपुर**-RDC2526WSOB01684(6.86), RDC2526WSOB01685(6.48), RDC2526WSOB01686(36.49), RDC2526WSOB01695(44.15), RDC2526WSOB01694(4.96), RDC2526WSOB01693(5.05), RDC2526WSOB01692(4.36), RDC2526WSOB01691(9.31), **अलवर**-RDC2526WSOB01687(7.75), RDC2526WSOB01688(13.99), RDC2526WSOB01689(5.74), **झुंझुनुं**-RDC2526WSOB01690(1.77), **भिवाड़ी-द्वितीय**-RDC2526WSOB01702(60.06), RDC2526WSOB01703(56.78), RDC2526WSOB01704(56.78), RDC2526WSOB01705(10.74), RDC2526WSOB01706(7.12), **भरतपुर**-RDC2526WSOB01707(26.27), **बांसवाड़ा**-RDC2526WSOB01710(11.27), RDC2526WSOB01712(11.63), **जयपुर(दक्षिण)**-RDC2526WSRC01717(3.72), RDC2526WSRC01719(2.11), RDC2526WSOB01721(1.95), **आबूरोड**-RDC2526WSOB01709(1.83), RDC2526WSOB01711(1.74), RDC2526WSOB01713(1.83), RDC2526WSOB01715(1.67), RDC2526WSOB01714(1.84), RDC2526WSOB01716(1.90), RDC2526WSOB01722(8.33), **भिवाड़ी-प्रथम**-RDC2526WSOB01718(22.18), RDC2526WSOB01720(6.69), RDC2526WSOB01723(38.15), RDC2526WSOB01724(48.63), RDC2526WSOB01726(99.17), RDC2526WSOB01725(7.58), **जयपुर(ग्रामीण)**-RDC2526WSOB01727(23.69), RDC2526WSOB01728(9.60), RDC2526WSOB01729(4.33), RDC2526WSOB01730(1.99), RDC2526WSOB01732(1.98), RDC2526WSOB01733(1.97), RDC2526WSOB01734(1.99), **ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर**-RDC2526WSOB01735(7.80)

कुल कार्यो की संख्या-58

निविदा का विस्तृत विवरण, नियम इत्यादि एवं भविष्य में निविदा में किसी प्रकार के संशोधन / तिथि बढ़ने की जानकारी हेतु वेबसाइट riico.rajasthan.gov.in/ www.eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.rajasthan.gov.in को देखें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: महाप्रबंधक (सिविल), फोन- 0141-4593214

Raj.Samwad/C/25/19358

प्रदेश के 1500 ग्राम उत्थान शिविरों में 72 लाख काम किये गए- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने लाडनूं में आमजन से इन शिविरों में जाकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की

डीडवाना-कुचामन/जयपुर, 6 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। हमारी सरकार गांवों के उत्थान के लिए निरंतर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेशभर में लगाए जा रहे ग्राम उत्थान शिविर सरकार की जनता के प्रति जवाबदेही का प्रतीक है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि इन शिविरों में जाकर सरकारी योजनाओं की पूरी जानकारी लें और उनका भरपूर लाभ उठाएं।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिविरों में अब तक 28 हजार सॉइल हैल्थ कार्ड तथा 55 हजार स्वामित्व कार्ड वितरित किए जा चुके हैं।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को लाडनूं में ग्राम उत्थान शिविर एवं जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चैक एवं प्रमाण पत्र वितरित किए।

शर्मा ने शुक्रवार को लाडनूं में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर एवं जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य है कि राजस्थान का किसान, गरीब, पशुपालक सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। इसी सोच के साथ हमारी सरकार ने प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर ग्राम उत्थान शिविरों की शुरुआत की है, जिससे ग्रामीणों को घर के नजदीक ही राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक प्रदेश में 1500 से ज्यादा ग्राम उत्थान शिविर लगाकर 77 लाख से अधिक काम किए गए हैं। आमजन को 98 हजार से ज्यादा सॉइल हेल्थ कार्ड तथा 55 हजार से अधिक स्वामित्व कार्ड वितरित किए गए हैं।

शर्मा ने कार्यक्रम में डीडवाना-कुचामन जिले को करीब 529 करोड़ रुपये राशि के 71 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं से जुड़े 465 करोड़ रुपये से अधिक राशि के 59 कार्यों का शिलान्यास किया। साथ ही, लगभग 64 करोड़ रुपये की राशि के 12 विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

इससे पहले, शर्मा ने परिसर में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर का अवलोकन किया एवं विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चैक एवं प्रमाण पत्र वितरित किए।

विपक्ष के हंगामे के कारण शुक्रवार को दिन भर लोकसभा बाधित रही

नई दिल्ली, 06 फरवरी। विपक्षी दलों के लगातार हंगामे के चलते शुक्रवार को लोकसभा की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक और बाद में पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की अगली कार्यवाही अब सोमवार, 9 फरवरी को सुबह 11 बजे पुनः शुरू होगी।

सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होते ही प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी और हाथों में प्लेकार्ड लेकर सदन के बीचोंबीच आ गए। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि बजट सत्र में अब तक सदन के 19 घंटे 13 मिनट हंगामे की भेंट चढ़ चुके हैं। अध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि नियोजित तरीके से गतिरोध पैदा कर सदन की मर्यादा समाप्त की जाती है, तो ऐसे सदन को चलाना संभव नहीं है। अध्यक्ष के बार-बार आग्रह के बावजूद हंगामा नहीं थमने पर सदन की कार्यवाही पहले 12 बजे तक स्थगित की गई। दोपहर में कार्यवाही पुनः शुरू होने पर भी विपक्ष का शोर-शराबा जारी रहा। पीठासीन सदस्य कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने बताया कि स्थगन प्रस्ताव की किसी भी सूचना को अध्यक्ष ने अनुमति नहीं दी है।

दो माह में चौथी बार अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी मिली

जोधपुर-जयपुर हाई कोर्ट व अजमेर जिला कोर्ट को पुलिस ने खाली कराकर गहन जाँच की

जयपुर, 6 फरवरी। राजधानी जयपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट सहित, जोधपुर और अजमेर कोर्ट को शुक्रवार की सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। तीनों स्थानों पर कोर्ट की ऑफिशियल ई-मेल आईडी पर धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां तत्काल सक्रिय हो गईं। पुलिस ने एहतियातन कोर्ट परिसरों को खाली कराकर बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की मदद से सघन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान जयपुर हाईकोर्ट में करीब एक घंटे तक न्यायिक कार्य स्थगित रहा।

जयपुर हाईकोर्ट चौकी प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि शुक्रवार सुबह कोर्ट की ऑफिशियल मेल पर हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड ने कोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच की। सुरक्षा कारणों से एक घंटे तक सुनवाई टाल दी गई। जांच के बाद, कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिलने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली।

- **तीनों स्थानों पर कोर्ट की ऑफिशियल ई-मेल आईडी पर धमकी भरे मेल प्राप्त हुए थे। पुलिस को जाँच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ई-मेल का सोर्स प्राप्त करने में जुटी हुई है।**

जोधपुर हाईकोर्ट की ऑफिशियल मेल पर भी शुक्रवार सुबह धमकी मिली। रजिस्ट्रार प्रशासन ने तत्काल आला अधिकारियों को सूचना दी। मुख्य न्यायाधीश के निर्देश पर प्रशासन हरकत में आया और झालामंड स्थित नए हाईकोर्ट परिसर सहित दोनों परिसरों को कुछ ही मिनटों में खाली करा लिया गया।

एडीसीपी नीरज शर्मा ने बताया कि बम की सूचना के बाद पूरे परिसर की गहन जांच की गई। एसीपी छवि शर्मा ने बताया कि यह सिक्योरिटी से जुड़ा कम्युनिकेशन था। जोधपुर हाईकोर्ट परिसर को लेकर यह पहली बार धमकी मिली है, जबकि जोधपुर कलेक्ट्रेट को पहले भी धमकियां मिल चुकी हैं। पुलिस ई-मेल के स्रोत की जांच में जुटी है।

अजमेर में संभागीय आयुक्त को मेल के जरिए कोर्ट परिसर में 13 आरडीएक्स लगाए जाने की सूचना दी गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। पुलिस और डॉग स्क्वॉड टीम ने तुरंत कोर्ट परिसर खाली कराकर सघन तलाशी ली। लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई।

एसपी वंदिता राणा ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और यह पता लगाया जा रहा है कि धमकी भरा मेल कहां से भेजा गया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले जिला कलेक्ट्रेट को भी चार बार बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है।

इस्लामाबाद की मस्जिद में सुसाइड बम ब्लास्ट में 31 की मौत

पाकिस्तान की राजधानी में जुमे की नमाज के दौरान हुए हमले में 169 घायल हुए

इस्लामाबाद, 06 फरवरी। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में जुमे की नमाज के दौरान शिया मस्जिद (इमामबाड़ा) में आत्मघाती हमला हुआ। पाकिस्तानी अखबार "द डॉन" के मुताबिक, हमले में 31 लोगों की मौत हो गई है और 169 घायल हुए हैं। मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

मस्जिद में धमाके के बाद इस्लामाबाद में इमरजेंसी लागू कर दी गई है। शिया मस्जिद के आसपास के इलाके को पुलिस और फोर्सेस ने घेर लिया है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। अब तक धमाके के कारणों का पता नहीं चल पाया है और न ही किसी आतंकी संगठन या व्यक्ति ने धमाके की जिम्मेदारी ली है।

- **शिया मस्जिद में धमाके के बाद इस्लामाबाद में इमरजेंसी लागू कर दी गई। मस्जिद के आस-पास के इलाके को पुलिस व फोर्सेज़ ने घेर लिया।**

एचटीएन वर्ल्ड न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, एक शख्स ने मस्जिद के गेट पर खुद को बम से उड़ा लिया। इस्लामाबाद पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए हैं और घायलों का रेस्क्यू किया जा रहा है। घायलों को पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (पीआईएमएस) और सीडीए हॉस्पिटल ले जाया गया है।

पीआईएमएस के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (ईडी) के निर्देश पर, अस्पताल में इमरजेंसी लागू कर दी गई है, एक प्रवक्ता ने पाकिस्तानी अखबार डॉन को इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मुख्य इमरजेंसी, ऑर्थोपेडिक, बर्न सेंटर और न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट को एक्टिव कर दिया गया है।

इंदौर में दूषित पानी से 33 वीं मौत

इंदौर, 6 फरवरी। मध्यप्रदेश में इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से फैली बीमारी के चलते एक और मरीज की मौत हो गई है। इस हादसे में अब तक मरने वालों की संख्या 33 हो चुकी है। ताजा मामले में पत्नी की मौत के बाद अब पति की भी जान चली गई है। भागीरथपुरा निवासी अलगूराम यादव (70) की गुरुवार देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्हें 9 जनवरी को अरबिंदो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया गया है कि उन्हें उल्टी-दस्त की शिकायत के साथ सांस लेने में तकलीफ भी हो रही थी। इससे पहले उनकी पत्नी उर्मिला यादव की भी दूषित पानी से बीमार होने के बाद मौत हो चुकी है। मृतक के बेटे संजय यादव का कहना है कि उनके पिता को पहले से कोई गंभीर बीमारी नहीं थी। उल्टी-दस्त के कारण हालत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

देश के लिए पदक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके बाद भी आबकारी विभाग इस खिलाड़ी की नियुक्ति के आदेश को दबाए बैठा रहा। करीब 2 माह के इंतजार के बाद 3 जनवरी 2025 विशेष योग्यजन आयुक्त ने आबकारी विभाग को अवमानना नोटिस थमाया, लेकिन फिर भी विभाग के अधिकारी नहीं जागे।

याचिकाकर्ता निहाल सिंह की ओर से अदालत में बताया गया कि, राजस्थान सरकार ने पैरालंपिक खिलाड़ी अवनी लेखरा, सुंदर गुर्जर और देवेन्द्र झांझड़िया को भी इस नियम-नीति के तहत "असिस्टेंट कन्र्जवेटर फॉरेस्ट" के पद पर नियुक्तियां दी है। परंतु निहाल सिंह के साथ भेदभाव किया जा रहा है। याचिकाकर्ता निहाल सिंह ने राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए मांग रखी है कि, उन्हें नियुक्ति दी जाए। साथ ही अक्टूबर 2023 से नियमित मानते हुए अब तक वेतन और इस प्रकरण में अदालती कार्रवाई के दौरान खर्च होने वाली रकम का भुगतान करवाया जाए। निहाल सिंह की ओर से अदालत को बताया गया कि, "असिस्टेंट एक्साइज़ ऑफिसर" का पद सुपरवाईजर स्तर का होता है, जो कि फील्ड में दौड-भाग का नहीं है। उसके अधीनस्थ कार्मिक ही फील्ड मॉनिटरिंग का कार्य देखते है।

इस प्रकरण में वर्ष 2025 से अब तक राजस्थान हाईकोर्ट में भी कई बार सुनवाई हो चुकी है। गत 19 नवंबर 2025 को अदालत ने सुनवाई में यह टिप्पणी की थी कि, अभी तक राज्य सरकार ने इतनी सुनवाई के बावजूद कोई जवाब अथवा तथ्य रिकॉर्ड पर पेश नहीं किया है। इसलिए आबकारी आयुक्त और वित्त सचिव अगली सुनवाई पर पेश हों। इसके बाद 26 नवंबर की सुनवाई में अधिकारी पेश हुए और जवाब के लिए समय मांगा। इसके बाद 17 दिसंबर 2025 को सुनवाई में अतिरिक्त महाधिवक्ता ने अदालत को बताया कि खेल विभाग ने यह प्रकरण मुख्य सचिव के पास भेजा हुआ है। इस मामले में एक कमेटी बनाई जाकर 1 सप्ताह में निर्णय लिया जाएगा। लेकिन हैरानी की बात है कि डेढ़ माह के बाद भी अब तक मामला अधरझूल में है।

एसओजी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में गीतेश जादौन निवासी खैरिया पुरोहित डीग ने खुद परीक्षा न देकर, नीरज कुमार निवासी बहज डीग को डमी कैंडिडेट के रूप में बैठाया था। इस धोखाधड़ी के संबंध में एसओजी में 21 अक्टूबर 2024 को राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच अधिकारी निरीक्षक सीमा पठान ने साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी नीरज कुमार और मूल अभ्यर्थी गीतेश जादौन को गिरफ्तार किया। एसओजी ने दोनों आरोपियों को शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें 9 फरवरी तक पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है।

संसद में कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे हैं, वहीं पार्टी के भीतर यह माना जा रहा है कि इन प्रभावी विरोध प्रदर्शनों के पीछे असली दिमाग और ताकत प्रियंका गांधी ही हैं। पहली बार कांग्रेस का विरोध वास्तव में असरदार नजर आया।

इस घटनाक्रम से राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले कुछ नेताओं में असहजता भी पैदा हुई है, जो अब तक संसद में पार्टी का प्रबंधन संभालते रहे थे।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा हर साल मीडिया और विभिन्न नेताओं के लिए एक लंच का आयोजन करते हैं। इस बार पहली बार राहुल गांधी और प्रियंका गांधी दोनों इस लंच में शामिल हुए और आकर्षण का केन्द्र बन गए। मीडिया और कांग्रेस नेताओं ने उन्हें लगभग घेर लिया।

गपशप से लेकर गोलगप्पों, टिक्कियों और मिठाइयों तक, भाई-बहन की इस जोड़ी ने कई व्यंजनों का स्वाद लिया। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी को इस कार्यक्रम में आने और वहां मौजूद लोगों से बातचीत करने के लिए मनाने में प्रियंका गांधी की अहम भूमिका रही।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि गांधी परिवार की मौजूदगी ने हरियाणा कांग्रेस में हुड्डा परिवार की श्रेष्ठता को स्थापित कर दिया।

प्रियंका गांधी लंबे समय से औपचारिक रूप से किसी स्पष्ट भूमिका में नहीं थीं। अब लोकसभा में कांग्रेस के प्रदर्शन को संभालने के बाद, वे संगठन में कहीं बड़ी भूमिका की ओर देख रही हैं।

एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, यह पूरा श्रेय प्रियंका गांधी को जाता है कि प्रधानमंत्री लोकसभा में बोल नहीं पाए, और यह पहली बार हुआ है।

बांग्लादेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिए राष्ट्रीय छात्र संगठनों के साथ गठजोड़ करने की कोशिश कर रही है।

कई छात्र संगठनों ने पहले राष्ट्रीय स्तर पर विरोध प्रदर्शन किए थे, जिनकी वजह से तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी थी। प्रदर्शन हिंसक हो गए थे और हसीना के देश छोड़ने के बाद प्रधानमंत्री आवास पर हमला भी किया गया था।

हालांकि, बाद में बांग्लादेश में इस छात्र आंदोलन की अगुवाई इस्लामी संगठनों ने अपने हाथ में लेने की कोशिश की और जल्द ही बांग्लादेशी सेना की मदद से छात्रों को हाशिये पर डाल दिया गया।

इसके बाद अंतरिम प्रशासन के तहत एक नई सरकार ने काम संभाला, लेकिन उसकी पकड़ राजधानी तक ही सीमित रही। जब से शेख हसीना के देश छोड़ने से सत्ता का खालीपन पैदा हुआ है, बांग्लादेश लगातार हिंसा और कानून -व्यवस्था के टूटने के दौर से गुजर रहा है।

असम के मु.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरमा के सार्वजनिक बयानों की एक श्रृंखला की ओर दिलाया, जो "प्रथम दृष्टया घृणास्पद भाषण, कार्यपालिका के भय और एक विशेष समुदाय की झूठी निन्दा एवं खुली बदनामी" के दायरे में आते हैं। यह संदर्भ मुख्यमंत्री की 'मियां' (बंगाली भाषी मुस्लिम) समुदाय के खिलाफ टिप्पणियों से जुड़ा है।

पत्र में उन्होंने मुख्यमंत्री के उस बयान की ओर भी ध्यान दिलाया, जिसमें उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को आदेश दिया था कि वे इस समय चल रहे निर्वाचन सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान, बंगाली भाषी मुसलमानों को निशाना बनाकर आपत्तियां दर्ज करायें।

पत्र में कहा गया है, "संविधान द्वारा अनिवार्य और अर्ध-न्यायिक प्रक्रिया जैसे विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को मुख्यमंत्री के इशारे पर पक्षपातपूर्ण या सांप्रदायिक अभियान में नहीं बदला जा सकता," और यह भी उल्लेख किया गया कि चुनाव आयोग ने अब तक इस मामले पर कोई संज्ञान नहीं लिया है।

पत्र में अंत में कहा गया, "इस तरह के खुले संवैधानिक उल्लंघनों के सामने चुप्पी या निष्क्रियता उन्हें सामान्य बना देने और स्वयं संविधान की नैतिक प्रामाणिकता को कमजोर करने का जोखिम पैदा करती है।

प्रशांत किशोर की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत के मुख्य न्यायाधीश (चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया- सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने चुनाव हारने के बाद राहत पाने के लिए न्यायिक मंच का सहारा लेने पर पार्टी को फटकार लगाई। प्रशांत किशोर की पार्टी ने 2025 के चुनावों में 243 में से 242 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन एक भी सीट जीतने में असफल रही। अदालत ने कहा, "आपको कितने वोट मिले? जब जनता आपको नकार देती है, तो आप राहत पाने के लिए न्यायिक मंच का इस्तेमाल करते हैं ! किसी को तब इस योजना को ही चुनौती देनी चाहिए थी। हमारे सामने ऐसी कोई प्रार्थना नहीं है। आप सिर्फ चुनाव को शून्य घोषित करवाना चाहते हैं।" अदालत ने कहा कि इस मामले के निर्णय के लिये उच्च न्यायालय उपयुक्त मंच है। अदालत ने कहा, "चूंकि यह मामला केवल एक राज्य से संबंधित है, इसलिए आप उसी राज्य के उच्च न्यायालय में जाएं। कुछ मामलों में मुफ्त योजनाओं (फ्रीबीज़) का गंभीर मुद्दा होता है, उसकी हम गंभीरता से जांच करेंगे।'न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, हम मुफ्त योजनाओं के मुद्दे पर विचार करेंगे, लेकिन हमें याचिकाकर्ता की मंशा भी देखनी होगी। हम किसी ऐसी पार्टी के कहने पर इस पर विचार नहीं कर सकते, जो अभी-अभी चुनाव हारी हो। जब आप सत्ता में आएंगे, तो आप भी वही काम करेंगे। आखिरकार, याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस ले ली।

पेपर लीक से चयनित हुआ एईएन गिरफ्तार

जयपुर, 6 फरवरी। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) को राजस्थान में पेपर लीक माफियाओं के खिलाफ जारी कार्रवाई में एक और बड़ी कामयाबी मिली है। एसओजी ने, कनिष्ठ अभियंता (जेईएन) संयुक्त भर्ती परीक्षा-2020 (पुनः परीक्षा 2021) के पेपर लीक मामले में एक सहायक अभियन्ता (एईएन) को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पेपर माफियाओं से सांठगांठ कर परीक्षा से पहले ही पेपर हासिल कर लिया था और वर्तमान में सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में कार्यरत था।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि कनिष्ठ अभियंता संयुक्त भर्ती परीक्षा-2020 (दिसंबर 2020) का पेपर लीक होने के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई थी। इसके बाद 12 सितंबर 2021 को पुनः परीक्षा आयोजित की गई। जांच में सामने आया कि दोबारा आयोजित परीक्षा का पेपर भी माफियाओं के पास पहले ही पहुंच गया था। इस संबंध में 19 जनवरी 2026 को एसओजी थाने में नया मामला दर्ज किया गया था। अनुसंधान में यह तथ्य उजागर हुआ कि कुख्यात पेपर माफिया भूपेन्द्र सारण ने आरोपी सुरेश कुमार को परीक्षा से कुछ समय पूर्व ही लीक सॉल्व्ड पेपर मुहैया कराया था। इसी पेपर की मदद से सुरेश कुमार ने परीक्षा पास की और कनिष्ठ अभियंता (सिविल) के पद पर चयनित हो गया। चयन के बाद वह प्रमोट होकर सहायक अभियन्ता (एईएन) भी बन गया था। एसओजी ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है।

- **पेपर लीक की मदद से सुरेश कुमार कनिष्ठ अभियंता (सिविल) के पद पर चयनित हुआ और प्रमोट होकर एईएन बन गया।**

एसओजी की जांच में यह भी सामने आया है कि 12 सितंबर 2021 को जेईएन परीक्षा का पेपर लीक करने के ठीक बाद, 13 से 15 सितंबर 2021 के बीच आयोजित हुई उप निरीक्षक (एसआई) पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर भी इसी गिरोह ने लीक किया था। एसओजी अब आरोपी से पूछताछ कर रही है कि उसने पेपर के लिए कितनी राशि का भुगतान किया और इस गिरोह में कौन से सरकारी कर्मचारी शामिल हैं।

भारत और अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हटाने का लक्ष्य अभी भी वास्तविकता से ज्यादा एक उम्मीद बना हुआ है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह समझौता प्रशासनिक है, किसी संधि पर आधारित नहीं है। कई अहम टैरिफ और गैर-टैरिफ शर्तों की औपचारिक घोषणा अभी बाकी है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में टैरिफ, व्यापार नीति के साथ-साथ घरेलू राजनीति के साधन के रूप में भी काम करते हैं। निर्यातकों के लिए सबसे जरूरी चीज, नीतियों की स्थिरता, अब भी नाज़ुक बनी हुई है।

टैरिफ में राहत से भारत की आंतरिक समस्याएं भी खत्म नहीं होतीं। ऊँची लॉजिस्टिक लागत, नियामक टकराव (रैगुलेटरी फ्रिक्शन) और उत्पादन क्षमता की सीमाएं अब भी निर्यातकों को परेशान करती हैं, खासकर टेक्सटाइल और परिधान जैसे श्रम-आधारित क्षेत्रों में। वियतनाम और बांग्लादेश अभी भी तेजी से काम पूरा करने और अमेरिकी खरीददार नेटवर्क में बेहतर जुड़ाव (इंटिग्रेशन) देते हैं। घरेलू सुधारों के बिना, टैरिफ समानता से लगातार मार्केट शेयर में बढ़ोतरी नहीं होगी।

पारस्परिक लाभ की शर्त भी सामने आएगी। व्यापार समझौते आमतौर पर बिना कीमत के नहीं होते। डिजिटल व्यापार, डेटा लोकलाइजेशन, कृषि बाजार तक पहुंच और बौद्धिक संपदा जैसे मुद्दों पर दबाव फिर से सामने आ सकता है, जो भारत की नीतिगत स्वतंत्रता पर जोर देने की बात की परीक्षा लेगा।

फिर भी, भू-राजनीतिक रूप से दिशा साफ है। यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ समझौतों के साथ यह रीसेट संकेत देता है कि भारत ने पश्चिमी आर्थिक व्यवस्था में खुद को और मजबूती से स्थापित करने का फैसला किया है, जबकि रूस और चीन के साथ रणनीतिक विकल्प बनाए रखने की बात भी करता है। यह पश्चिम का पीछे हटना नहीं था, यह भारत द्वारा सावधानी से, शर्तों के साथ और अपनी शर्तों पर तालमेल चुनना था।

टैरिफ रीसेट एक पुल है, मंजिल नहीं। यह भारत को कितनी दूर तक ले जाएगा, यह कूटनीति पर कम और अस्थिर वैश्विक व्यापार व्यवस्था में कार्यान्वयन (एग्ज़ीक्यूशन), सुधार और लचीलेपन पर ज्यादा निर्भर करेगा।

रैपिड रेल के लिए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूप से 2036 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। भारत के अन्य राज्यों से भी रैपिड रेल लाइनों के निर्माण की मांगें सामने आ रही हैं।

नैशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी), जो आरआरटीएस की कार्यान्वयन एजेंसी है, के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल ने राष्ट्रदूत से कहा कि भविष्य के आरआरटीएस कॉरिडोरों की निर्माण लागत लगभग 10 प्रतिशत कम हो सकती है, हालांकि अधिकतम गति 180 किमी प्रति घंटा बरकरार रहेगी। कुछ हिस्सों में ट्रेनें इससे भी अधिक गति हासिल करेंगी। उन्होंने कहा कि लागत में कमी दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर के निर्माण से मिले अनुभवों के आधार पर संभव होगी। उदाहरण के तौर पर, दिल्ली-मेरठ लाइन पर इस्तेमाल की गई 6.5 मीटर चौड़ी टनल बोरिंग मशीनों के बजाय, अन्य कॉरिडोरों में 5.8 मीटर चौड़ाई वाली टीबीएम का उपयोग किया जा सकता है। गोयल ने कहा, "अन्य वैल्यू इंजीनियरिंग रणनीतियां भी अपनाई जा सकती हैं, जैसे वायाडक्ट की चौड़ाई कम करना और स्टेशनों पर प्रवेश/निकास बिंदुओं की संख्या घटाना।"

पिछले सप्ताह संसद में प्रस्तुत वार्षिक आर्थिक सर्वेक्षण में विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 2,900 किमी संभावित आरआरटीएस कॉरिडोर की पहचान की गई है, जिनमें से अधिकांश दक्षिण भारत में हैं। इनमें बेंगलुरु-मैसूर-तुमकुर-होसुर, चेन्नई-वेल्लोर-विल्लुपुरम-चेंगपट्टू और हैदराबाद-वारंगल जैसी लाइनें शामिल हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है, इन परियोजनाओं का उद्देश्य कॉरिडोर के साथ उच्च-घनत्व, मिश्रित-उपयोग विकास और रोजगार के विकेन्द्रीकरण को बढ़ावा देना है, जिससे महानगरीय केन्द्रों पर दबाव कम होगा और बहु-केन्द्रित क्षेत्रीय विकास को समर्थन मिलेगा।

2025 के अंत में पूरे 82 किमी खंड पर परीक्षण रन सफलतापूर्वक पूरे होने के बाद मेट्रो रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर को प्रमाणित किए जाने के बावजूद, इस लाइन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अनुपलब्धता के कारण फिलहाल टलता नजर आ रहा है। वर्तमान में दिल्ली के न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ तक 55 किमी खंड पर व्यावसायिक परिचालन किया जा रहा है। राज्यमंत्री तोखन साहू ने गुरूवार को लोकसभा में कहा कि, "पूरे खंड पर परिचालन शुरू होने के बाद, इस कॉरिडोर से प्रतिदिन लगभग 1,67,000 यात्रियों के सफर करने की उम्मीद है।" एनसीआरटीसी के एक प्रवक्ता ने कहा, "लाइन का उद्घाटन शीघ्र होने की उम्मीद है, हालांकि तारीख अभी तय नहीं की गई है।"

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908